THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

आपकी नीतियों से ही रूस और चीन करीब आए : जयशंकर

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को मौजूदा भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और उनके दुष्परिणामों का जिक्र किया। इस साथ ही उन्होंने कहा कि रूस शासन कला की एक विशाल परंपरा वाली ताकत है और वह एशिया या दुनिया के गैर-पश्चिम हिस्सों की ओर अधिक रुख कर रहा है। जयशंकर ने रायसीना डायलॉग में मॉस्को और बीजिंग की बढ़ती नजदीकियों के सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री ने कहा कि रूस अन्य देशों, खासतौर पर एशिया के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की नीतियां रूस और चीन को करीब ला रही हैं। एक तरफ आपके पास ऐसे लोग हैं जो नीतियां बनाते हैं।

वर्ष-28 अंक : 337 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **माघ पूर्णिमा 2080 शनिवार, 24 फरवरी-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

'जाति के नाम पर भड़काने वालों से रहना होगा सावधान'

पीएम मोदी ने गठबंधन पर साधा निशाना

वाराणसी, 23 फरवरी (एजेंसियां)। संत रविदास कहते हैं, 'जात-पात के फेर मंहि, उरझि रहइ सब लोग। मानुषता कूं खात हइ, रैदास जात कर रोग।' यानी ज्यादातर लोग जात-पात के फेर में उलझे और उलझाते रहते हैं। यह रोग मानवता को नुकसान करता है। संतों की वाणी हमें रास्ता भी दिखाती है और सावधान भी करती है।

देश को जाति के नाम पर उकसाने और लड़ाने में भरोसा रखने वाले इंडी गठबंधन के लोग दलितों वंचितों के लिए हर योजना का विरोध करते हैं और जाति के नाम पर अपने परिवार के स्वार्थ के लिए राजनीति करते हैं। ये बातें शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास जन्मस्थली मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद गुरु के 647वें प्रकाशपर्व समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि परिवारवादी पार्टी अपने परिवार के बाहर किसी दलित और आदिवासी को आगे नहीं बढ़ने देना चाहते। देश में पहली आदीवासी महिला को राष्ट्रपति बनने का किन-किन लोगों ने विरोध किया था, ये हर कोई जानता है।

ये सब वही परिवारवादी पार्टियां हैं, जिन्हें चुनाव के वक्त दलित की याद आने लगती है। हमें इनसे सावधान रहना होगा। हमारी सरकार की नीयत गरीबों, वंचितों, पिछड़ा और दलितों के लिए साफ है।

पीएम मोदी ने संत रविदास की जन्म जयंती के पावन अवसर पर देशभर से आए रैदासियों का काशी में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बनारस आज मिनी पंजाब जैसा लग रहा है। आपकी तरह मुझे भी रविदास जी बार-बार अपने जन्मभूमि पर बुलाते हैं। यहां आकर उनके संकल्पों को आगे बढ़ाने का और उनके लाखों अनुयायियों की सेवा का अवसर मिलता है। ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है। काशी का सांसद और जनप्रतिनिधि होने के नाते भी मेरी विशेष जिम्मेदारी बनती है कि बनारस में आपका स्वागत करूं और आपकी सुविधाओं का खास ख्याल रखूं। >14

'नीतियां लागू करना कार्यपालिका का अधिकार'

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सरकार की नीतियों और योजनाओं की न्यायिक समीक्षा का दायरा बहुत सीमित होता है और अदालतें सरकार को कोई नीति या योजना लागू करने का निर्देश नहीं दे सकती। सुप्रीम कोर्ट ने यह अहम टिप्पणी एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान की। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर कर मांग की गई थी कि सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को निर्देश दे कि देशभर में भुखमरी और कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए जगह-जगह सामुदायिक रसोई बनाई जाएं। याचिका में दावा किया गया है कि देश में हर दिन पांच साल से कम उम्र के कई बच्चों की भुखमरी और कुपोषण से मौत हो जाती है और यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। >14

'सीएजी की रिपोर्ट दिल्ली विधानसभा में पेश करें'

एलजी ने सीएम केजरीवाल को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। वीके सक्सेना ने पत्र में दिल्ली सरकार के वित्त से संबंधित सीएजी की पांच रिपोर्ट को दिल्ली विधानसभा में पेश करने के लिए कहा है। उपराज्यपाल ने लिखा, मेरे सचिवालय को सीएजी ऑफिस से पांच रिपोर्ट हासिल हुई है, जिसे केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा सहमति दी गई है और इसे दिल्ली विधानसभा के पटल पर रखने के लिए मुझे भेजा गया है। सक्सेना ने लिखा कि जीएनसीटीडी एक्ट 1991 की धारा 48 के तहत सीएजी राजधानी के खाते की जांच के लिए जिम्मेदार है और वह इस रिपोर्ट को उपराज्यपाल के पास भेजता है ताकि वह इसे विधानसभा में पेश करा सके।

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर जोशी का निधन

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता मनोहर जोशी का 86 की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया। उन्होंने मुंबई के पीडी हिंदुजा अस्पताल में शुक्रवार (23 फरवरी) सुबह अंतिम सांस ली। मनोहर जोशी को बुधवार को हार्ट अटैक आया था। तब से वे आईसीयू में भर्ती थे। मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान में आज उनका अंतिम संस्कार किया गया। उन्होंने एक टीचर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। जोशी 1967 में पॉलिटिक्स में आए।

वे 40 साल से ज्यादा समय तक शिवसेना से जुड़े रहे। मनोहर जोशी ने 14 मई 1964 को अनघा जोशी से शादी की, जिनसे उनका एक बेटा उन्मेष और दो बेटियां अस्मिता और नम्रता हैं। 2020 में अनघा जोशी का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। जोशी की नातिन शरवरी वाघ (नम्रता की बेटी) बॉलीवुड एक्ट्रेस हैं।

चंदा लेने के लिए भाजपा ने किया जांच एजेंसियों का दुरूपयोग : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले तमाम राजनीतिक दलों में बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। जहां एक तरफ सत्तारूढ़ दल भाजपा चुनावी तैयारी कर रहा है। इस बीच, कांग्रेस ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाते हुए कहा कि निजी कंपनियों से भाजपा के लिए चंदा वसूलने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरूपयोग किया गया है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में मामले की जांच की मांग की है। >14

राहुल गांधी को झारखंड हाई कोर्ट से बड़ा झटका

रांची में चलेगा केस, अमित शाह पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को झारखंड हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। रांची में राहुल गांधी के खिलाफ केस चलेगा। राहुल गांधी ने 2018 में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी को समन किया था। इस समन के खिलाफ राहुल गांधी ने हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। राहुल गांधी की याचिका को हाई कोर्ट ने रिजेक्ट कर दिया है। राहुल गांधी के खिलाफ रांची की निचली अदालत में ट्रायल चलता रहेगा। 2018 में 8 मई को कर्नाटक चुनाव के दौरान बेंगलुरू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने अमित शाह पर टिप्पणी की थी। इसी मामले में विजय मिश्रा द्वारा 4 अगस्त, 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। राहुल गांधी ने कहा था कि बीजेपी में हत्या का आरोपी अध्यक्ष बन सकता है लेकिन कांग्रेस में नहीं। इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मंगलवार को सुल्तानपुर की एक विशेष अदालत ने जमानत दी थी। उन्हें 25 हजार की सिक्योरिटी और 25 हजार के बेल बॉन्ड पर जमानत मिली है।

हल्द्वानी हिंसा: मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक की अचल संपत्ति पर कार्रवाई जारी

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बनभूलपुरा बवाल में मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक पर लगातार शिकंजा कसता जा रहा है। फरार होने की वजह से चल संपत्ति कुर्क हो चुकी है। तहसील से 2।5 करोड़ की वसूली का नोटिस जारी कर दिया गया है। इसका भी जवाब न देने पर अचल संपत्ति की भी कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। बनपूरा में 8 फरवरी हुए हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक को बनाया गया था। इसी आधार पर पुलिस व प्रशासन कार्रवाई में जुटा है। जिस जगह नगर निगम व प्रशासन अतिक्रमण तोड़ने गया था, वह जगह अब्दुल मलिक के ही कब्जे में थी।उस समय हुए पथराव और आगजनी में नगर निगम की 2.44 करोड़ रुपये की संपत्ति को क्षति पहुंची है।

कहीं बारिश तो कहीं बर्फबारी और हिमस्खलन, ओडिशा में लू

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के विभिन्न हिस्से में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है। कहीं बारिश और बर्फबारी हो रही है, तो कहीं गर्मी शुरू हो गई है। दिल्ली, हरियाणा और पंजाब सहित उत्तर भारत के विभिन्न हिस्से में अगले सप्ताह एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार के बाद दिल्ली में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। हरियाणा और पंजाब में ज्यादा असर दिखाई दे सकता है। इसकी वजह से दिन के तापमान में अभी बहुत तेजी से बदलाव देखने को नहीं मिलेगा।

जम्मू-कश्मीर के कई जिलों के लिए चेतावनी

मौसम विभाग ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत में अगले दो दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना है।अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भारी बारिश और बर्फबारी हो सकती है। जम्मू-कश्मीर के आठ जिलों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। बांदीपोरा, कुपवाड़ा, बारामूला, डोडा, रामबन, पुंछ, किश्तवाड़ और गांदरबल में मध्यम स्तर के खतरे वाला हिमस्खलन आ सकता है। आईएमडी के मुताबिक, शनिवार को पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसकी वजह से यहां 24 फरवरी और 25 फरवरी को हल्की बारिश हो सकती है।

ओडिशा में लू से निपटने के लिए अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तरी पंजाब में कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। नगालैंड और असम में आज शुक्रवार को भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, ओडिशा में गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। ओडिशा के लगभग सभी स्थानों पर दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। ओडिशा स्पेशल रिलीफ कमीशन ने राज्य में तापमान बढ़ने और लू से निपटने के लिए अलर्ट जारी किया है। इसमें जिला कलेक्टरों को तैयार रहने और एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।

ओडिशा के कई हिस्से में बारिश

आईएमडी के वैज्ञानिक उमाशंकर दास ने कहा, अगर आप ओडिशा के तटीय हिस्से को देखें तो कई हिस्से ऐसे हैं जहां तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री तक बढ़ गया है। भुवनेश्वर में 37 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया और यह राज्य में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। कल तापमान 36.4 दर्ज किया गया था, हमें उम्मीद है कि आज भी यह 36 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहेगा, विशेष रूप से दिन के दौरान शुष्क हवा का सिलसिला जारी है, जिसके कारण तापमान में एक तरह की बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने आगे कहा, लेकिन चूंकि हम उम्मीद कर रहे हैं कि आज से ओडिशा के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है, इसलिए परसों तक इस गर्म मौसम की स्थिति से राहत मिलेगी और विशेष रूप से तापमान में अचानक गिरावट होगी। उम्मीद कर रहे हैं कि रात का तापमान बरकरार रहने की संभावना है। 24 तारीख को ओडिशा के तटीय निकटवर्ती जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा की गतिविधि के साथ तूफान और बिजली गिरने की संभावना है, इस स्थिति को देखते हुए विशेष रूप से गर्म मौसम की स्थिति रहेगी। पिछले तीन दिनों से हमने तटीय ओडिशा के लोगों के लिए विशेष रूप से दिन के समय कुछ सावधानियां जारी की हैं।

उद्धव ठाकरे का दावा - भविष्य में जिला स्तरीय चुनाव भी नहीं जीत पाएगी भाजपा

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय चुनाव तो छोड़ दीजिए जिला परिषद का चुनाव भी नहीं जीत पाएगी। पूर्वी महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के मटोला, चिखली और जलगांव-जामोद में आयोजित रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह (उद्धव) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या किसी अन्य व्यक्ति के खिलाफ नहीं लड़ रहे थे बल्कि निरंकुशता का विरोध कर रहे थे। ठाकरे ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा पेश किया गया बजट केंद्र सरकार का आखिरी बजट होगा। ठाकरे ने कहा, "भाजपा अगले सौ वर्षों तक दिल्ली, राज्य या यहां तक कि जिला परिषद में भी सत्ता हासिल नहीं कर पाएगी।" चिखली में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि बुलढाणा के लोनार इलाके में हाल ही में विषाक्त भोजन की घटना के पीड़ितों का इलाज करने के लिए पर्याप्त सरकारी चिकित्सक उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने पश्चिम विदर्भ में सूखा प्रभावित किसानों और बेरोजगार युवाओं के मुद्दे भी उठाए। उद्धव ने न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर कानूनी गारंटी की मांग को लेकर शंभू सीमा पर विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों की प्रशंसा करते हुए विदर्भ के किसानों से आग्रह किया कि वे अपना जीवन समाप्त न करें बल्कि न्याय के लिए लड़ें।

दाऊद इब्राहिम के जीजा को गोलियों से भूना, 2016 में किया था ये कांड

शाहजहांपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के जलालाबाद में डॉन दाऊद इब्राहिम के जीजा निहाल खान की कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह यहां एक रिसेप्शन में शामिल होने आया था। 35 साल का निहाल खान कोई और नहीं बल्कि भगोड़े डॉन दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर का बहनोई था। इसके साथ ही, निहाल जलालाबाद के चेयरमैन शकील खान का रिश्तेदार भी लगता था। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2016 में निहाल ने शकील की भतीजी के साथ भाग गया था।

इसके बाद दोनों पक्षों में समझौता कर लिया गया। शकील ने बताया, "निहाल 15 फरवरी को अपनी फ्लाइट मिस कर गया था और सड़क से यहां आया था। ऐसा लगता है कि मेरा भाई कामिल अभी भी 2016 की घटना को लेकर निहाल से नाराज था और बदला लेना चाहता था।"

भारत का मोस्ट वांटेड आतंकवादी है दाऊद इब्राहिम

आपको बता दें कि भारत का मोस्ट वांटेड आतंकवादी दाऊद इब्राहिम अभी पाकिस्तान में छिपा हुआ है। हाल ही में, दाऊद इब्राहिम को जहर दिए जाने वाली बात सामने आई थी। इसके बाद सोशल मीडिया हैंडल '' पर कई लोगों ने यह दावे किए कि दाऊद की हालत काफी नाजुक हो गई। उसे इलाज के लिए कराची के किसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि अभी तक किसी भी सरकारी एजेंसी या मीडिया द्वारा इस बात की पुष्टि नहीं की गई है।

नाराजगी के बाद कमलनाथ का पहला बयान

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर की अपील

भोपाल, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'मध्य प्रदेश की जनता और कांग्रेस के कार्यकर्ता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की अगवानी के लिए उत्साहित हैं।' कमलनाथ ने कहा, "अन्याय, अत्याचार और शोषण के खिलाफ हम सबके नेता राहुल गांधी पूरे देश में सड़कों पर उतरकर एक निर्णायक लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं। मैं मध्य प्रदेश की जनता और कांग्रेस के जाबांज कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर राहुल गांधी का संबल और साहस बनें। हम और आप मिलकर अन्याय के खिलाफ जारी इस महाअभियान को अंजाम तक पहुंचायेंगे।

वेरावल बंदरगाह में नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई, 350 करोड़ की हेरोइन बरामद

वेरावल, 23 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात की वेरावल बंदरगाह से 350 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त की गई है। समुद्र के रास्ते मछली पकड़ने वाली नाव में 50 किलो हेरोइन लाई जा रही थी। जिसको लेकर आधी रात को पुलिस को सूचना मिली। सूचना के आधार पर एटीएस, गिर सोमनाथ एसओजी, एलसीबी, एफएसएल और मरीन पुलिस सहित शाखाओं ने संयुक्त जांच शुरू की। इस दौरान 9 नाविकों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 50 किलो हेरोइन बरामद की गई जिसकी कीमत 350 करोड़ रुपये है। पुलिस गिरफ्त में आए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। इनसे और भी कई राज खुलने की संभावना है।

वहीं जो हेरोइन इन आरोपियों से बरामद की गई है अंतरराष्ट्रीय बाजार में उस हेरोइन की कीमत 7 करोड़ रुपये प्रति किलो है। वहीं पिछले साल गुजरात के राजकोट से 217 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त की गई थी। नशा तस्करी के आरोप में एक नाइजीरियाई नागरिक को भी गिरफ्तार किया गया था। गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते की तरफ से ये कार्रवाई की गई थी। एटीएस की तरफ से समुद्री मार्ग से राज्य में हेरोइन तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। पुलिस पूछताछ में उसने खुलासा किया कि तस्करी की खेप राजकोट जिले के पदधारी तालुका में एक जगह पर रखी गई है। वहां जाकर पुलिस ने जगह की तलाशी ली और 31 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बरामद की गई हेरोइन की कीमत 217 करोड़ रुपये है।

अनूपपुर में प्रशासन की टीम पर पथराव, हाथी के उपद्रव से नाराज थे ग्रामीण, पुलिस को करनी पड़ी फायरिंग

अनूपपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अनूपपुर जिले के वन परिक्षेत्र गोबरी के जंगल में हाथी ने एक ग्रामीण को कुचल दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। 50 साल के ज्ञानचंद गौड़ की मौत से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचे वन अमले और पुलिस जवानों पर पथराव के बाद हमला कर दिया। हमले में कुछ जवानों को चोटें आईं हैं। वहीं, जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की, इस दौरान दो ग्रामीणों को गोली लग गई। उन्हें इलाज के लिए जिला चिकित्सालय अनूपपुर ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट का राज्यों को किसी विशेष योजना को लागू करने का निर्देश देने इनकार

कहा- हम ऐसा नहीं कह सकते

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार के नीतिगत मामलों की जांच में न्यायिक समीक्षा का दायरा बहुत सीमित है और अदालतें राज्यों को इस आधार पर किसी विशेष नीति या योजना को लागू करने का निर्देश नहीं दे सकती हैं कि बेहतर, निष्पक्ष या समझदार विकल्प उपलब्ध है। भूख और कुपोषण से निपटने के लिए सामुदायिक रसोई स्थापित करने की योजना बनाने की अपील करने वाली एक जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए न्यायालय ने यह टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने यह कहते हुए मामले में कोई भी निर्देश पारित करने से इनकार कर दिया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) और अन्य कल्याणकारी योजनाएं केंद्र और राज्यों द्वारा लागू की जा रही हैं। न्यायमूर्ति बेला एम। त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि नीति की विवेकशीलता या सुदृढ़ता के बजाय नीति की वैधता न्यायिक समीक्षा का विषय होगी। पीठ ने कहा, यह सर्वविदित है कि नीतिगत मामलों की जांच में न्यायिक समीक्षा का दायरा बहुत सीमित है। अदालतें किसी नीति की शुद्धता, उपयुक्तता या औचित्य की जांच नहीं करती हैं और न ही कर सकती हैं, न ही अदालतें उन नीतिगत मामलों में कार्यपालिका की सलाहकार हैं जिन्हें बनाने का कार्यपालिका को अधिकार है। अदालतें राज्यों को किसी विशेष नीति या योजना को इस आधार पर लागू करने का निर्देश नहीं दे सकतीं कि एक बेहतर, पारदर्शी या तार्किक विकल्प उपलब्ध है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर है कि वह वैकल्पिक कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करें। पीठ ने कहा, जब खाद्य और पोषण सुरक्षा प्रदान करने के लिए 'अधिकार आधारित दृष्टिकोण' के साथ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) लागू है और जब लोगों को गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए किफायती मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण भोजन की पहुंच सुनिश्चित करने के वास्ते उक्त अधिनियम के तहत अन्य कल्याणकारी योजनाएं भी भारत संघ और राज्यों द्वारा बनाई और कार्यान्वित की गई हैं,

तो हम उस संबंध में कोई और दिशा देने का प्रस्ताव नहीं करते। कोर्ट ने कहा, हमने इस बात की जांच नहीं की है कि एनएफएसए के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सामुदायिक रसोई की अवधारणा राज्यों के लिए एक बेहतर या समझदारी भरा विकल्प है या नहीं, बल्कि हम ऐसी वैकल्पिक कल्याणकारी योजनाओं का पता लगाना राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों पर छोड़ना पसंद करेंगे जो एनएफएसए के तहत अनुमत हो सकती हैं।

शीर्ष अदालत का फैसला सामाजिक कार्यकर्ता अनुन धवन, इशान सिंह और कुंजन सिंह द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर आया। याचिका में भूख और कुपोषण से निपटने के वास्ते सामुदायिक रसोई के लिए एक योजना तैयार करने के उद्देश्य से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश देने की अपील की गई थी।

बीजेपी विधायक राजेंद्र पाटनी का हार्ट अटैक से निधन

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ शिवसेना नेता मनोहर जोशी के निधन के बाद राजनीतिक गलियारों से एक और बुरी खबर आई है। विदर्भ क्षेत्र के बीजेपी विधायक राजेंद्र पाटनी का निधन हो गया है। वह वाशिम जिले के कारंजा विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक थे। 59 वर्षीय पाटनी पिछले कई महीनों से बीमारी से जूझ रहे थे। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, बीजेपी नेता राजेंद्र पाटनी का मुंबई में इलाज चल रहा था, लेकिन आज सुबह करीब 8:30 बजे राजेंद्र पाटनी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उन्होंने 59 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। वह फडणवीस के विश्वासपात्र माने जाते थे। पाटनी की मौत से बीजेपी को वाशिम में बड़ा झटका लगा है।

भाजपा के महिला प्रतिनिधिमंडल को संदेशखाली जाने से रोका गया

कोलकाता, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल को पुलिस ने शुक्रवार को संदेशखाली जाने से रोक दिया गया। पार्टी की राज्य इकाई की महासचिव लॉकेट चटर्जी और अग्निमित्रा पॉल के नेतृत्व वाली भाजपा की टीम को पुलिस ने निषेधाज्ञा का हवाला देते हुए रोक दिया। अग्निमित्रा पॉल ने दावा किया, "हमें निषेधाज्ञा का हवाला देते हुए पुलिस ने संदेशखालि में प्रवेश करने से मना कर दिया है। राज्य सरकार सच्चाई छिपाने की कोशिश कर रही है।" उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में बड़ी संख्या में महिलाओं ने

तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता शाहजहां शेख और उनके समर्थकों पर जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। 5 जनवरी को राशन घोटाले के सिलसिले में शाहजहां के परिसर पर छापा मारने गए प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर कथित तौर पर भीड़ ने हमला कर दिया था, जिसके बाद से वह फरार हैं। एनएचआरसी ने क्षेत्र में जारी हिंसा और कथित मानवाधिकार उल्लंघन के संबंध में बुधवार को राज्य सरकार और पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया था।

उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में बड़ी संख्या में महिलाओं ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कद्दावर नेता शाहजहां शेख और उनके समर्थकों पर जबरदस्ती जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। पांच जनवरी को राशन घोटाले के सिलसिले में शाहजहां के परिसर पर छापा मारने गए प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर कथित तौर पर भीड़ ने हमला कर दिया था, जिसके बाद से शाहजहां फरार हैं।

कोझिकोड में सीपीआई (एम) नेता की हत्या, पड़ोसी ने कुल्हाड़ी से हमला कर उतारा मौत के घाट

कोझिकोड, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के एक स्थानीय नेता, पीवी सत्यनाथन की केरल के कोझिकोड जिले के कोयीलांडी में एक मंदिर उत्सव के दौरान हत्या कर दी गई। यह घटना गुरुवार रात चेरापुरम मंदिर में एक उत्सव के दौरान हुई। सीपीआई (एम) के जिला सचिव पी मोहनन ने दावा किया कि सत्यनाथन पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया था। सीपीआई (एम) नेता की हत्या के विरोध में आज कोयीलांडी में बंद की घोषणा की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि सीपीआई (एम) नेता की उसके पड़ोसी ने ही हत्या की है। गुरुवार रात करीब 10।30 बजे अभिलाष (35) ने धारदार हथियार से हमला किया था। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, हत्या आपसी रंजिश के कारण हुई है। फिलहाल, आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 सहित विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। अपराध करने के बाद अभिलाष ने खुद ही थाने में जाकर सरेंडर कर दिया था। पुलिस ने बताया कि उसे हिरासत में ले लिया गया।

कांग्रेस ने बीजेपी पर लगाया 'हफ्ता वसूली' का आरोप

पूछा- ईडी जांच का सामना कर रही कंपनी कैसे दे रही चंदा?

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। आयकर विभाग की हालिया कार्रवाई के बाद कांग्रेस पार्टी सत्तारूढ़ भारती जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनावी चंदे को लेकर हमलावर है। कांग्रेस ने 30 बड़ी कंपनियों से भारी मात्रा में चंदा लेने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय जांच एजेंसियों के द्वारा जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस ने इसके लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इससे संबंधित कुछ रिपोर्टों का हवाला देते हुए लिखा, "साल 2018-19 और 2022-23 के बीच भाजपा को चुनावी चंदे के रूप में सिर्फ 30 कंपनियों से लगभग 335 करोड़ रुपये मिले हैं।" उन्होंने कहा, इन कंपनियों में से 23 कंपनियों ने भाजपा को कुल 187.58 करोड़ रुपये दिए। इन कंपनियों ने 2014 के बाद और रेड पड़ने से पहले भाजपा को किसी भी तरह का चंदा नहीं दिया था। कांग्रेस नेता ने कहा कि वे इन व्यापारिक घरानों के खिलाफ दर्ज मामलों या की गई कार्रवाई पर सवाल नहीं उठा रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि, ऐसे मामले में जांच की जरूरत है। संदिग्ध कंपनियों के खिलाफ ईडी में मामले दर्ज हैं तो वे सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा को दान क्यों दे रही हैं। क्या यह महज संयोग है कि ईडी की कार्रवाई के बाद वे भाजपा को चंदा दे रहे हैं?' वेणुगोपाल ने यह भी पूछा कि क्या वित्त मंत्री भाजपा के वित्त पर एक श्वेत पत्र लाएंगी। क्या वह यह बताएंगी कि क्या आपने कॉरपोरेट कंपनियों के खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके उन्हें दान देने के लिए कैसे मजबूर किया? कांग्रेस नेता ने कहा, "यदि आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो क्या आप उन घटनाओं के क्रोनोलॉजी पर विस्तार से बताने के लिए तैयार हैं जिनके कारण भाजपा का खजाना भर गया? यदि आप तथ्यों के आधार पर स्पष्टीकरण देने को तैयार नहीं हैं तो क्या आप भाजपा के लिए चंदा जुटाने के लिए इन संदिग्ध और गुपचुप डील की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच के लिए तैयार हैं?" वहीं, इस मुद्दे पर जयराम रमेश ने कहा, "हम इस पर सवाल उठाना बंद नहीं करने वाले हैं। हमारे पास कोर्ट जाने जैसे कई विकल्प हैं।

सोशल मीडिया पर बिहार की महिला विधायक की आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिए तुरंत हटाने के आदेश

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार की एक भाजपा महिला विधायक की उनके राजनीतिक सहयोगी के साथ छेड़छाड़ करके तस्वीरों को प्रसारित करने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश दिया है। अदालत ने अपमानजनक व छेड़छाड़ करके प्रसारित की गई तस्वीरों को हटाने का विभिन्न मीडिया हाउस, सोशल मीडिया प्लेटफार्मों और सर्च इंजनों को निर्देश दिया है। महिला विधायक ने याचिका दायर कर दावा किया है कि तस्वीरों से छेड़छाड़ करके विधायक और उनके राजनीतिक सहयोगी को एक-दूसरे के करीब दिखाया गया है। महिला विधायक की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता राजशेखर राव ने अंतरिम आदेश पारित करने की मांग करते हुए तर्क दिया था कि संबंधित छवियों से उनकी मुवक्किल की छवि को नुकसान हुआ है।

जिम में कसरत कर रहे डीएसपी की मौत

सीने में उठा था दर्द, खनौरी बॉर्डर पर तैनात थे दिलप्रीत सिंह

लुधियाना, 23 फरवरी (एजेंसियां)। लुधियाना के प्रतिष्ठित होटल पार्क प्लाजा में बने जिम के अंदर कसरत करने के लिए आए डीएसपी मलेरकोटला की हार्ट अटैक से मौत हो गई। डीएसपी मलेरकोटला दिलप्रीत सिंह का कुछ समय पहले ही लुधियाना से तबादला हुआ है। वे इन दिनों खनौरी बॉर्डर पर तैनात थे। 1992 में बतौर एएसआई भर्ती हुए दिलप्रीत सिंह राष्ट्रीय स्तर के तैराक भी रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि स्पोर्ट्स कोटे में ही उन्हें नौकरी मिली थी। उन्हें इलाज के लिए डीएमसी अस्पताल दाखिल कराया गया था जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डीएसपी दिलप्रीत की मौत के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर है। डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक, डीएसपी दिलप्रीत सिंह इस समय मलेरकोटला में तैनात थे। लुधियाना की पुलिस लाइन में उनका घर था।

रोहिणी इलाके में सड़क हादसा, स्कूटी सवार की मौत; पुलिस ने किया मामला दर्ज

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में एक और हादसे की खबर सामने आई है। ये हादसा उत्तर पश्चिमी दिल्ली के बेगमपुर इलाके में हुआ है। यहां सड़क हादसे में स्कूटी सवार की मौत हो गई है। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और छानबीन शुरू कर दी है। वहीं एक अन्य मामला पश्चिमी दिल्ली के बिंदापुर में हुआ है। जहां एक तेज रफ्तार कार ने मासूम समेत दो को टक्कर मार दी। हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। तो वहीं घायल को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

हम सभी ईश्वर से दया की प्रार्थना करते है और वही प्रार्थना हमें दया करना भी सिखाती है।

बीआरएस विधायक लस्या नंदिता की एक्सीडेंट में मौत

डिवाइडर से टकराई एसयूवी, 10 दिन पहले सड़क हादसे में जान बची थी

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधायक जी लस्या नंदिता की एक कार एक्सीडेंट में आज सुबह (शुक्रवार, 23 फरवरी) मौत हो गई। लस्या नंदिता 37 साल की थीं। वे सिकंदराबाद कैंटोन्मेंट से विधायक थीं। हादसे के वक्त नंदिता एक एसयूवी में सफर कर रही थीं। साथ में ड्राइवर भी था। नंदिता ड्राइविंग सीट के बगल में बैठी थीं। संगारेड्डी जिले में सुल्तानपुर आउटर रिंग रोड पर उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। इससे नंदिता और ड्राइवर को गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ड्राइवर गंभीर रूप से घायल है। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है।

10 दिन पहले एक्सीडेंट में जान बची थी :

इस हादसे से ठीक 10 दिन पहले 13 फरवरी को लस्या नंदिता एक सड़क हादसे में घायल हुई थीं। हालांकि, उनके होम गार्ड की मौत हो गई थी। नंदिता सीएम की एक रैली में शामिल होने के लिए नलगोंडा जा रही थीं। नरकटपल्ली में एक्सीडेंट हुआ था।

1986 में हैदराबाद में जन्मी लस्या नंदिता बीआरएस के पूर्व विधायक दिवंगत जी सयाना की बेटी थीं। जी सयाना पांच बार विधायक रहे थे। पिछले साल 19 फरवरी को बीमारी से उनकी मौत हो गई थी। पिता की मौत के बाद नंदिता को उनकी राजनीतिक विरासत आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बीआरएस ने नवंबर 2023 में तेलंगाना विधानसभा चुनावों में सिकंदराबाद कैंटोन्मेंट सीट से नंदिता को अपना उम्मीदवार बनाया था। नंदिता यहां से विधायक चुनी गईं। विधायक बनने से पहले नंदिता 2016 से कवाडीगुडा वार्ड के पार्षद के रूप में काम कर रही थीं।

तेलंगाना सीएम ने विधायक की मौत पर दुख जताया :

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बीआरएस विधायक लस्या नंदिता की मौत पर शोक जताया है। तेलंगाना सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- लस्या नंदिता की असमय मौत ने मुझे गहरा सदमा दिया है। नंदिता के पिता सयन्ना मेरे करीबी थे। पिछले साल इसी महीने उनका निधन हुआ था। बहुत दुख की बात है कि उसी महीने नंदिता की भी मौत हो गई।

बीआरएस नेता ने एक हफ्ते पहले मुलाकात की फोटो शेयर की :

बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने नंदिता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक केटीआर ने भी लास्या नंदिता की मौत पर दुख जताया। उन्होंने एक हफ्ते पहले नंदिता के साथ मुलाकात की एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- ये करीब एक हफ्ते पहले की बात है। आज बिल्कुल चौंकाने वाली खबर सुनी कि लास्या अब नहीं रहीं। वो एक बहुत अच्छा लीडर बन रही थीं।

राज्यपाल व सीएम ने शोक जताया

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन ने आज तड़के एक सड़क दुर्घटना में सिकंदराबाद छावनी विधायक जी. लस्या नंदिता के दुखद निधन पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की है। डॉ. तमिलिसाई शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी सहानुभूति और एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय के दौरान शक्ति और धैर्य के लिए प्रार्थना करती हैं। इसी प्रकार सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि विधायक लस्या नंदिता की असामयिक मृत्यु से मुझे गहरा सदमा लगा। नंदिता के पिता स्वर्गीय सयन्ना के साथ मेरे करीबी रिश्ते थे। पिछले साल इसी महीने में उनका निधन हो गया था। यह बेहद दुखद है कि उसी महीने में नंदिता की भी अचानक मौत हो गई।

उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं है। मैं भगवान से उनकी आत्मा को शांति देने की प्रार्थना करता हूं। इसी क्रम में मंत्री कोंडा सुरेखा ने सिकंदराबाद छावनी विधायक लस्या नंदिता की असामयिक मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि होनहार युवा विधायक के सड़क दुर्घटना में निधन होने पर उन्हें सदमा लगा है। मंत्री ने नंदिता के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से उनकी आत्मा को शांति देने की प्रार्थना की।

लोकसभा चुनाव से पहले सीईओ ने प्रवर्तन एजेंसियों के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की

सीईओ विकास राज ने नकदी प्रवाह, शराब और नशीली पदार्थों पर नजर रखने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीईओ तेलंगाना विकास राज ने बीआरकेआर बिल्डिंग में प्रवर्तन एजेंसियों के नोडल अधिकारियों के साथ दूसरी बैठक आयोजित की। एचओपी (संसद) 2024 के आगामी आम चुनावों को लेकर चुनावों के लिए प्रवर्तन एजेंसियों के प्रदर्शन की समीक्षा की गई। सीईओ ने सीमा के साथ-साथ राज्य में नकदी प्रवाह, कीमती धातुओं, नशीला पदार्थों की प्रभावी निगरानी के लिए सभी एजेंसियों को कुछ सुझाव दिए हैं। उन्होंने सभी एजेंसियों से आगामी संसद चुनावों के लिए एक कार्य योजना तैयार करने का अनुरोध किया है और प्रवर्तन के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए समूहवार बैठकें बुलाने की भी सलाह दी है। जिला अधिकारियों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने का भी सुझाव दिया गया है। बैठक में भाग लेने वालों में प्रवर्तन एजेंसियों के नोडल अधिकारी शामिल थे। बैठक में राजस्व निदेशालय इंटेलिजेंस, राज्य स्तरीय बैंकिंग समिति, राज्य पुलिस विभाग, आईटी विभाग, भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण, राज्य विमानन, प्रवर्तन निदेशालय, डाक विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, वाणिज्यिक कर, परिवहन, राज्य उत्पाद शुल्क, रेलवे सुरक्षा बल, सीआईएसएफ और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल ने भाग लिया।

सरकार 27 फरवरी को दो और गारंटी लॉन्च करेगी : सीएम रेवंत

मेडारम, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार 27 फरवरी को दो और गारंटी लॉन्च करेगी। 500 रुपये का एलपीजी सिलेंडर और सफेद राशन कार्ड वाले परिवारों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली इन दोनों योजनाओं का शुभारंभ एआईसीसी नेता प्रियंका गांधी के हाथों किया जाएगा।

तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार, रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को मुलुगु जिले के मेडारम में सम्मक्का सरलम्मा जातरा का दौरा किया। बाद में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के 75 दिनों के शासन के बारे में बताया और दोहराया कि आने वाले दिनों में भी वे लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप काम करते रहेंगे।

उन्होंने वादा किया है कि मेडारम क्षेत्र को राज्य सरकार द्वारा विकसित किया जाएगा, जिसमें भक्तों को सभी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने मेडारम जातरा को राष्ट्रीय त्योहार घोषित नहीं करने के लिए भी केंद्र सरकार की आलोचना की और तेलंगाना के आदिवासी त्योहार के प्रति भेदभाव पर सवाल उठाया।

उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव को मेडारम जातरा का दौरा नहीं करने की कीमत हाल के विधानसभा चुनावों में चुकानी पड़ी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिराम्मा राज्यम देवी सम्मक्का-सरलाम्मा के आशीर्वाद से ही तेलंगाना राज्य में आया और याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी की 'हाथ से हाथ' जोड़ोयात्रा पिछले साल 6 फरवरी को मुलुगु जिले के मेडारम से शुरू हुई थी।

रेवंत रेड्डी ने कहा, "हम देवी सम्मक्का-सरलाम्मा के आशीर्वाद के कारण सत्ता में आए। यही कारण है कि कांग्रेस सरकार ने मेडारम जातरा के उत्सव के लिए 110 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।"

मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि राज्य सरकार पिछली बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान निर्मित सिंचाई परियोजनाओं में भ्रष्टाचार के बारे में मौजूदा न्यायाधीश से जांच कराने जा रही है और कहा कि 2 लाख रुपए का कृषि ऋण माफ करने के वादे पर जल्द ही एक स्पष्ट बयान जारी किया जाएगा।

टीवी एंकर के अपहरण के आरोप में महिला उद्यमी गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला उद्यमीने एक स्थानीय टीवी चैनल के एंकर का अपहरण कर लिया और उसे एक कमरे में बंद कर दिया धमाकाने का मामला सामने आया है। उप्पल पुलिस ने शुक्रवार को महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

संदिग्ध त्रिशा, जो एक डिजिटल मार्केटिंग व्यवसाय चलाती है, ने एक प्रतिष्ठित विवाह साइट पर एंकर प्रणव की तस्वीरें देखने के बाद उसमें रुचि विकसित की थी। दुर्भाग्य से, साइबर बदमाशों ने प्रणव के नाम पर एक फर्जी आईडी बनाई, जिससे स्थिति और जटिल हो गई। पुलिस के अनुसार, गलतफहमी के बावजूद, प्रणव ने वास्तव में तृषा की भावनाओं का प्रतिकार किया। हालाँकि, तृषा, जो प्रणव से शादी करने की इच्छा पर अड़ी थी, तो उसने उसके अपहरण का सहारा लिया।

पुलिस ने कहा कि त्रिशा पांच स्टार्टअप कंपनियों में शामिल है और पर्याप्त संपत्ति रखती है। उसने प्रणव के प्रति आकर्षण के कारण अपहरण की साजिश रची थी।

11 फरवरी को उसने साथियों के साथ मिलकर प्रणव का अपहरण कर उसे एक कमरे में बंद कर दिया और उस पर शादी का दबाव बनाया। हालाँकि, वह त्रिशा की कैद से भागने में सफल रहा और उसने तुरंत पुलिस से मदद मांगी। उप्पल पुलिस ने हस्तक्षेप किया और त्रिशा को गिरफ्तार कर लिया, जिसे बाद में रिमांड पर ले लिया गया।

तेलंगाना सरकार के विशेष प्रतिनिधि मल्लू रवि ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली में तेलंगाना सरकार के विशेष प्रतिनिधि मल्लू रवि ने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह नागरकर्नूल लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं और उन्होंने राज्य कांग्रेस के समक्ष अपना आवेदन भी दाखिल कर दिया है।

उन्होंने बताया की, मैंने पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। मेरी प्राथमिकता नागरकर्नूल संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ना है।

पार्टी की उदयपुर घोषणा को ध्यान में रखते हुए, जिसमें एक व्यक्ति दो पदों पर नहीं रह सकता, मल्लू रवि ने विशेष प्रतिनिधि पद के लिए अपना इस्तीफा देने का फैसला किया।

मल्लू रवि ने शुक्रवार को जडचेरला में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा की, यदि पार्टी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट देने से इनकार करती है, तो लोगों को मेरी उम्मीदवारी पर विचार नहीं करने के कारणों के बारे में बताया जाना चाहिए।

हवलदार स्वर्गीय के.पलानी को वीर चक्र से सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गलवान संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति देने वाले हवलदार स्वर्गीय के पलानी को वीर चक्र (मरणोपरांत) सम्मानिम किया गया। इस सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करने के लिए, केंद्र के ड्रिल ग्राउंड का नाम बदलकर पलानी ड्रिल ग्राउंड और स्मारक कर दिया गया है। हवलदार स्वर्गीय के पलानी, वीर चक्र (मरणोपरांत) का अनावरण लेफ्टिनेंट जनरल अदोश कुमार, एवीएसएम, एसएम, महानिदेशक, आर्टिलरी रेजिमेंट द्वारा किया गया। यह अनावरण समारोह हवलदार के पलानी, वीर चक्र (मरणोपरांत) और गलवान संघर्ष के एक अन्य युद्ध नायक, 3 मीडियम रेजिमेंट के वीर चक्र, हवलदार तेजिंदर सिंह के परिवार की उपस्थिति में हुआ।

हवलदार स्वर्गीय के पलानी, जो भारतीय तोपखाने की 81 मीडियम लाइट से संबंधित थे। 15 और 16 जून, 2020 को कुख्यात गलवान संघर्ष के दौरान शहीद हो गए और उन्हें मरणोपरांत तीसरे सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पुरस्कार वीर चक्र से सम्मानित किया गया।

उन्होंने हैदराबाद के आर्टिलरी सेंटर में अपना बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण और उन्नत सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

विश्व मंगल गौशाला द्वारा एक श्याम गौ माता के नाम कार्यक्रम 24 फरवरी को आयोजित किया गया है। इसका आमंत्रण गोपालदास अग्रवाल को दिया गया। साथ ही तैयारियों के लिए बैठक की गई जिसमें गोगाराम सीरवी, मुकेश, कानाराम, मोहनलाल, सोहनलाल, चिमनाराम, आसाराम, बाबूलाल जाट शांतिलाल सुथार एवं अन्य उपस्थित थे।

'आप और हम' के नवनिर्वाचित अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत का अभिनंदन करते हुए कुमावत समाज सेवा संघ, तिरुपति के अध्यक्ष ओगडराम चांदोरा, उपाध्यक्ष लिखमाराम रेणवाल, सचिव भंवरलाल घोडावड, गोपालराम मेहरोता, प्रतापराम मावर, भागीरथ मानणिया, मोतीलाल बाकरेचा, देवाराम मंगलोडा, ओमप्रकाश आकरेचा एवं अन्य।

ओटीएस संपत्ति कर बकाया पर ब्याज में 90 प्रतिशत कटौती की पेशकश

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने 6,200 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कर बकाया की वसूली के लिए एकमुश्त निपटान (ओटीएस) योजना शुरू की है, जिसमें 4.97 लाख कर निर्धारण के साथ ब्याज भी शामिल है।

प्रस्तावित योजना, जो राज्य सरकार से अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रही है, का उद्देश्य अतिदेय करों की वसूली की सुविधा प्रदान करते हुए करदाताओं पर बोझ को कम करना है। जीएचएमसी के एक अधिकारी ने पुष्टि की, हम राज्य सरकार के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। प्रस्तावित योजना के तहत, करदाताओं को वित्तीय वर्ष 2022-23 तक संपत्ति कर पर संचित बकाया ब्याज पर 90 प्रतिशत की छूट मिलती है। इसके लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए, करदाताओं को एक ही भुगतान में संचित बकाया पर ब्याज के 10 प्रतिशत के अलावा संपत्ति कर बकाया की मूल राशि का निपटान करना होगा। जीएचएमसी द्वारा प्रस्तावित ओटीएस योजना विशेष रूप से उसके अधिकार क्षेत्र के भीतर संपत्तियों पर लागू होती है और पूरे तेलंगाना में अन्य शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) तक विस्तारित नहीं होती है। इसके अलावा, इस योजना में निजी और सरकारी दोनों संपत्तियां शामिल हैं। जीएचएमसी का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए महत्वाकांक्षी 2,100 करोड़ रुपये सुरक्षित करना है। जनवरी 2024 तक, निगम पहले ही 1,268.49 करोड़ रुपये एकत्र कर चुका है।

जातीय भारतीय वैद्य परंपरा संस्थ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurveda Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
15 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना.02/2024

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएं एसआरएफ (यूनानी)-01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभावी सहायक निदेशक

विकास के पथ पर एक बार फिर तेलंगाना नंबर वन

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विकास को नकारने वालों के दावों और राज्य की राजकोषीय ताकत की खराब तस्वीर पेश करने के प्रयासों के बावजूद, जब वृद्धि और विकास की बात आती है तो तेलंगाना बार-बार अग्रणी साबित हो रहा है। राज्य, जो मौजूदा कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद के मामले में शीर्ष स्थान पर था, स्थिर कीमतों पर भी 28.52 प्रतिशत के साथ प्रति व्यक्ति शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद की वृद्धि में एक बार फिर शीर्ष स्थान पर है।

2022-23 के लिए भारतीय राज्यों पर आरबीआई की सांख्यिकी हैंडबुक के अनुसार, तेलंगाना ने 2017-18 और 2022-23 की पांच साल की अवधि के दौरान स्थिर कीमतों पर प्रति व्यक्ति एनएसडीपी (शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद) 28.52 प्रतिशत दर्ज किया। सभी तीन शीर्ष स्थानों पर दक्षिणी राज्यों का कब्जा था, तमिलनाडु और कर्नाटक पांच साल की अवधि के दौरान प्रति व्यक्ति एनएसडीपी में क्रमशः 25.33 प्रतिशत और 25.32 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तेलंगाना से पीछे थे।

इससे पहले, तेलंगाना ने प्रमुख राज्यों में वर्ष 2022-23 के लिए प्रति व्यक्ति एनएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय के मामले में पहला स्थान हासिल किया था। केंद्रीय वित्त मंत्रालय और संसद में कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा कीमतों पर तेलंगाना की प्रति व्यक्ति एनएसडीपी 2,96,685।

2022-23 में 3,08,732 रुपये थी, इसके बाद कर्नाटक में 3,01,673 रुपये और हरियाणा में 3,01,673 रुपये थी। 2017-18 और 2022-23 के बीच पांच साल की अवधि के दौरान, तेलंगाना की प्रति व्यक्ति एनएसडीपी में मौजूदा कीमतों पर 2017-18 में 1,79,358 रुपये से 72 प्रतिशत की तेजी से वृद्धि देखी गई है और 2022-23 में 3,08,732 रुपये हो गई है। 2014-15 में प्रति व्यक्ति एनएसडीपी (वर्तमान मूल्य) 1,24,104 रुपये की तुलना में, वृद्धि 151 प्रतिशत की चौंका देने वाली होगी।

संयोग से, तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय भी 2014-15 में 1.72 लाख रुपये से बढ़कर 2022-23 में 3.12 लाख रुपये हो गई, जिसके परिणामस्वरूप 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इसके अलावा, तेलंगाना की अर्थव्यवस्था अखिल भारतीय औसत की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ रही है। स्थिर कीमतों पर, 2022-23 में राज्य की जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू मूल्य) की वृद्धि 7.8 प्रतिशत थी। मौजूदा कीमतों पर जीएसडीपी की वृद्धि दर 16.3 फीसदी थी। 7.8 प्रतिशत की विकास दर के साथ, राज्य की जीएसडीपी 2022-23 में स्थिर कीमतों पर 7.26 लाख करोड़ रुपये थी, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 4.5 प्रतिशत का योगदान देती है।

आरबीआई हैंडबुक का हवाला देते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटी रामा राव ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट किया और सराहना की कि तेलंगाना प्रति व्यक्ति एनएसडीपी की विकास दर में शीर्ष पर है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव को धन्यवाद देते हुए कहा पिछले 5-10 वर्षों में तेलंगाना की विस्फोटक वृद्धि, संख्याएं खुद कहती हैं, उन्होंने इस परिवर्तन को संभव बनाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव को धन्यवाद दिया।

NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE 1 ST SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT AT HYDERABAD
O.S. No. 403 of 2023
Between
Rajkumar & others Plaintiffs
AND
Manoj Singh & others Defendants
To,
Rachna Bai W/o Gopal Singh D/o late Manganlal , aged about 52 years, Occ.: Household, R/o. H. No. 6-2-659/4, Chintal Basti, Khairtabad, Hyderabad—04

Whereas above named Plaintiffs have filed the above case for partition and separate possession in respect of H. No.14-10-76, admeasuring 200 Sq. yards situated at Jinsi Chowraha, Dhoolpet, Hyderabad-06 against you and other Defendants. That the said case is posted on 19-03-2024 for your notice and written statement. Therefore, you are hereby summoned to appear in the above court on the above said date at 10.30 A.M. to answer the said case.

Failing which the matter will be decided as per law.

(By order of the court)
Sd/-
For BAHAUDDIN SAYEED
Advocate
(Counsel for Plaintiffs)

आजम खान की मुश्किलें नहीं ले रहीं कम होने का नाम

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया बड़ा आदेश

प्रयागराज, 23 फरवरी (एजेंसियां)। जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान के मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के बैंक खाते सीज किए जाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रामपुर के जिला सहकारी बैंक को छह हफ्ते में फैसला लेने का आदेश दिया है।

अदालत ने जिला सहकारी बैंक को छह हफ्ते का समय दूसरी बार दिया है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा है कि जिला सहकारी बैंक को अपने फैसले की जानकारी जौहर ट्रस्ट को भी देनी होगी। जस्टिस विकास बुधवार की सिंगल बेंच ने यह आदेश जौहर ट्रस्ट द्वारा दाखिल की गई अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि वह इस बारे में जिला सहकारी बैंक को नोटिस जारी करने के बजाय उसे पिछले साल दिसंबर महीने में दिए गए आदेश का अनुपालन करने के लिए 6 महीने का अतिरिक्त समय दे रहा है। अगर बैंक इन 6 हफ्तों में भी आदेश का अनुपालन नहीं करती है तो ट्रस्ट को दोबारा अवमानना याचिका दाखिल करने की छूट रहेगी।

बैंक ने किया था लाखों रुपए के ब्याज का भुगतान

गौरतलब है कि सपा नेता आजम खान के जौहर ट्रस्ट ने रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी कैंपस में संचालित हो रही जिला सहकारी बैंक की शाखा में कई अकाउंट खोल रखे थे। सहकारी बैंक ने ट्रस्ट के इन बैंक अकाउंट को बचत खाता मानते हुए लाखों रुपए के ब्याज का भुगतान किया था। जबकि नियम के मुताबिक ऐसा नहीं हो सकता था। इस पर भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने शिकायत की थी। जांच में आरोप सही पाए जाने पर बैंक के कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी हुई थी।

बैंक ने सीज किया था अकाउंट

मामले का खुलासा होने पर जिला सहकारी बैंक ने आजम खान के ट्रस्ट के बैंक खातों को सीज कर दिया था। बैंक के इस फैसले को पिछले साल इलाहाबाद हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर चुनौती दी गई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिसंबर महीने में बैंक को यह आदेश दिया था कि वह जौहर ट्रस्ट के पक्ष को सुनकर नए सिरे से फैसला ले। बैंक द्वारा कोई फैसला नहीं लिए जाने पर हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की गई थी। अदालत ने याचिका को निस्तारित कर दिया है।

सवा दो लाख रुपये का भेजा बिजली बिल, कर्मचारियों को मिली अनोखी सजा

लखनऊ, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दो लाख रुपये से अधिक का बिजली बिल भेजने को लेकर वाराणसी में बिजली विभाग के चार अधिकारियों को सजा के तौर पर अनाथालय के लोगों को खाना खिलाने को कहा गया है। यह बिजली बिल वर्ष 1911 से जोड़ा गया था। उत्तर प्रदेश विद्युत निगम लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के इन अधिकारियों को उत्तर प्रदेश सूचना आयोग ने दोषी पाया और उन्हें बिजली बिल घटाकर 3,998 रुपये करने का आदेश दिया गया। आयोग ने कार्यवाही के दौरान दोषी अधिकारियों से पूछा कि क्या यूपीपीसीएल 1911 में अस्तित्व में था और क्या वाराणसी के लोगों को तब बिजली मिल रही थी। वाराणसी के निवासी उमाशंकर यादव को यूपीपीसीएल की ओर से एक कनेक्शन पर 2.24 लाख रुपये का बिजली बिल भरने को कहा गया था। उमाशंकर ने इस बिल पर सवाल उठाया लेकिन उन्हें अनुकूल समाधान नहीं मिला।

कौन हैं नीतीश कुमार के 'संकटमोचक' नरेंद्र नारायण यादव जिन्होंने विधानसभा उपाध्यक्ष के लिए भरा नामांकन

पटना, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरने वाले नरेंद्र नारायण यादव की सियासी जगत में काफी चर्चा हो रही है। नरेंद्र नारायण यादव का नाम बहुत लोगों के लिए नया जरूर है लेकिन नीतीश कुमार के लिए संकटमोचक से कम नहीं हैं। तो चलिए आपलोगों को बताते हैं आखिर नरेंद्र नारायण यादव कौन हैं जिनपर नीतीश कुमार ने भरोसा जताया और विधानसभा के उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देने का फैसला लिया है।

कौन हैं नरेंद्र नारायण यादव

बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष पद से महेश्वर हजारी के अचानक त्यागपत्र देने के बाद नरेंद्र नारायण यादव का नाम चर्चा में आया। 73 वर्षीय नरेंद्र नारायण यादव मधेपुरा जिला के आलमनगर विधानसभा क्षेत्र 1995 से लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। विधानसभा में उनका यह सातवां टर्म है। ईमानदार और साफ छवि के नरेंद्र राज्य कैबिनेट में मंत्री रह चुके हैं।

जेपी आंदोलन से चर्चा में आए नरेंद्र नारायण यादव

नरेंद्र नारायण यादव मधेपुरा जिला के पुरैनी प्रखंड अन्तर्गत बालाटोल के रहने वाले हैं। इनकी राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1968 में हुई। जेपी आंदोलन के दौरान वे चर्चा में आए। जेपी आंदोलन में इन्होंने बढ़ चढ़कर भाग लिया था।

पहली बार 2005 में मंत्री बनने का मौका मिला

नरेंद्र नारायण यादव को पहली बार 2005 में नीतीश सरकार में मंत्री बनने का मौका मिला और ग्रामीण कार्य मंत्री बनाए गए। इसके बाद 2010-2014 तक वे प्रदेश में राजस्व एवं भूमि सुधार के साथ ही विधि विभाग के मंत्री रहे। नरेंद्र नारायण यादव 2014 में उस समय संकटमोचक बनकर उभरे थे जब नीतीश कुमार 2014 में बुरी तरह से लोकसभा चुनाव हार गए थे। उस संकट के दौरान नरेंद्र नारायण यादव को नीतीश कुमार का उत्तराधिकारी बनाने की भी बात हो रही थी। उन्होंने 2014 के बाद पार्टी को ऊपर उठाने में अहम भूमिका निभाई।

दिवंगत बाहुबली हरिशंकर तिवारी के बेटे पर ईडी का शिकंजा

गोरखपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवंगत पंडित हरिशंकर तिवारी के घर ईडी की रेड डाली गई है। तड़के सुबह 5:00 से कार्रवाई चल रही है । केंद्रीय सुरक्षा बल के घेरे में 'तिवारी जी' का हाता आ गया है। जानकारी के मुताबिक, गंगोत्री इंटरप्राइजेज के नाम पर बैंक के करोड़ों रुपए के लोन के डिफाल्ट का मामला सामने आ रहा है। 3 घंटे से लगातार रेड जारी है। तिवारी हाता छावनी में तब्दील हो गया है। इससे पहले भी रेड पड़ चुकी है। 7 से 8 गाड़ियों में आए ईडी के अधिकारी आए हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवंगत प हरिशंकर तिवारी के कैंट थाना क्षेत्र के धर्मशाला स्थित आवास पर ईडी की रेड पड़ी है। बताया जा रहा है कि सुबह 5:00 से यह छापेमारी चल रही है। छापे मारी के लिए ईडी के अधिकारी 7 से 8 गाड़ियों में यहां पहुंचे हैं। कार्रवाई के दौरान पूरा हाता केंद्रीय सुरक्षा बल के घेरे में है। किसी को भी आसपास या अंदर आने जाने की मनाही है। जानकारी मिली है कि पूरी कार्रवाई गंगोत्री इंटरप्राइजेज द्वारा बैंक के साथ पूर्व में की गई धोखाधड़ी को लेकर की गई है। हालांकि पूर्व में जो छापेमारी की गई थी, उसमें वर्तमान मुख्यमंत्री पर बदले की कार्रवाई का भी आरोप तिवारी परिवार और उनके समर्थकों द्वारा लगाया गया था।

चर्चा है कि वर्तमान छापरी मामले में चिल्लूपार के वर्तमान विधायक राजेश त्रिपाठी द्वारा विनय शंकर तिवारी के एक हलफनामे को आधार बनाकर ईडी में शिकायत किए जाने के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। बसपा से चिल्लूपार से विधायक रहे हैं हरिशंकर तिवारी के छोटे बेटे विनय शंकर तिवारी, वही बड़े बेटे भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कुशल तिवारी संत कबीर नगर से सांसद रह चुके हैं। छापेमारी को लेकर जो बात सामने आ रही है उसमे गंगोत्री इंटरप्राइजेज के नाम पर बैंक के करोड़ों रुपए के लोन के डिफाल्ट का मांमला है।

बिहार में शराब मिलने पर पूरे परिसर के लिए नहीं होगी ये कार्रवाई

हाईकोर्ट ने दिए एक और अहम निर्देश

पटना, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में शराब मामले को लेकर पटना हाईकोर्ट ने फिर एकबार अहम निर्देश दिए हैं। शराब बरामदगी मामले में कार्रवाई को लेकर अगर उस पूरे परिसर को सील करके राज्यसात किया जाता है तो ये गलत होगा। हाईकोर्ट ने अब इस कार्रवाई पर आपत्ति जतायी है और निर्देश दिए गए हैं कि केवल उस जगह को ही राज्यसात किया जा सकता है जहां से दारू की बरामदगी की गयी है।

शराब बरामदगी के बाद पूरे परिसर को राज्यसात करना गलत

शराब बरामदगी के बाद पूरे परिसर को सील कर राज्यसात किये जाने की कार्रवाई को गलत करार देते हुए हाइकोर्ट ने कहा कि जहां से दारू बरामद की गयी है, केवल उसी जगह को राज्यसात किया जा सकता है। न्यायमूर्ति पीबी बजन्थरी और न्यायमूर्ति आलोक कुमार पांडेय की खंडपीठ ने गया के शिवराज चौधरी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की।

आटा मिल से शराब बरामदगी के मामले में सुनवाई

याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि गया कि खिजीरसराय स्थित शिव भोग आटा मिल के ग्राउंड फ्लोर से 314 लीटर से ज्यादा शराब बरामद की गयी थी। पुलिस द्वारा तीन तल्ले के पूरे मकान को जब्त कर संपत्ति को राज्यसात करने की कार्रवाई की जाने लगी। हाइकोर्ट को बताया गया कि शराबबंदी कानून के तहत जिस जगह से शराब बरामद होगी, उसी जगह को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जानी चाहिए न कि पूरे परिसर को जब्त कर राज्यसात की जानी चाहिए।

आटा मिल को निलाम करने से रोक की मांग

याचिकाकर्ता के द्वारा एडिशनल क्लेक्टर, असिस्टेंट कमिश्नर और अपर मुख्य सचिव की ओर से पारित आदेश को निरस्त करने की मांग कोर्ट से करते हुए संपत्ति के मूल्यांकन रिपोर्ट को भी निरस्त करने और शिव भोग आटा मिल को नीलामी करने से रोकने की मांग कोर्ट से की गयी शराब के साथ हाजमोले के कार्टून को जब्त करने पर भी नाराजगी कोर्ट को कहा गया की सिर्फ उसी जगह को राज्यसात कर नीलामी के लिए मूल्यांकन कर आगे की कार्रवाई की जाये जहां शराब की बरामदगी हुई है। इसी खंडपीठ ने शराब के साथ हाजमोले के कार्टून को भी जब्त कर लिए जाने के मामले पर सरकार से 26 फरवरी तक पूछा है कि आखिर यह कार्रवाई किस कानून के तहत की गयी है। कोर्ट ने कहा कि अगर अगली तारीख तक सरकार की ओर से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिलता है ,तो कोर्ट मुजफ्फरपुर पुलिस या आबकारी विभाग के संबंधित अधिकारी को तलब करेगा।

बाइक जब्ती मामले में भी हाईकोर्ट ने दिया है अहम फैसला

गौरतलब है कि इसी माह फरवरी में पटना हाईकोर्ट ने शराब मामले में जब्त दोपहिया वाहनों के मामले में भी अहम निर्देश दिए हैं। पटना हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि अगर किसी दोपहिया वाहन पर बैठे किसी व्यक्ति के पास शराब की जब्ती होती है, और वो वाहन उन दो व्यक्तियों में किसी का नहीं है तो उसी स्थिति में वाहन की जब्ती नहीं होगी।

कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

2012 में अभियुक्त ने अपने साथियों के साथ की थी फायरिंग, एक की हो गई थी मौत

सहारनपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सहारनपुर कोर्ट ने एक अभियुक्त को हत्या के मामले में दोषी करार दिया है। कोर्ट ने अभियुक्त को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अभियुक्त पर एक लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। मुकदमे में एक अभियुक्त बरी कर दिया गया है। जबकि दो अभियुक्तों की मौत हो चुकी है। मामले की सुनवाई एडीजे कक्ष-11 आलोक शर्मा की कोर्ट ने पत्रावली पर आए साक्ष्यों के आधार पर सुनाई है। सहायक शासकीय अधिवक्ता अमित त्यागी ने बताया, थाना बड़गांव के गाव जडौदा पांडा के रहने वाले प्रमोद कुमार ने 5 मई 2012 को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि मांगा, दाताराम और नरेश ने अपने साथियों के साथ फायरिंग की थी। जिस कारण शिवकुमार उर्फ पप्पू की मौत हो गई। वादी ने बताया था कि वादी का भाई शिव कुमार उर्फ पप्पू, राजकुमार और मनोज ट्रेक्टर पर सवार होकर खेत से गेहूं लेने को जा रहे थे। आरोप था कि बड़गांव रोड पर बाइक सवार तीन हमलावरों ने उन पर फायरिंग कर दी थी। गोली लगने से शिवकुमार उर्फ पप्पू की मौके पर ही मौत हो गई थी।

जबकि राजकुमार घायल हो गया था और मनोज ने भागकर जान बचाई थी। पुलिस की जांच में मांगा, दाताराम, नरेश और सुनील के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया गया। यह मामला तभी से कोर्ट में विचाराधीन था। मामले की सुनवाई एडीजे कक्ष-11 आलोक शर्मा की कोर्ट में हुई। पत्रावली पर आए साक्ष्यों और गवाहों की गवाही के बाद कोर्ट ने मांगा को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने मांगा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अभियुक्त संदीप को बरी कर दिया है। जबकि दो अभियुक्तों की मुकदमे के दौरान मौत हो चुकी है।

नोएडा में एक छात्रा समेत 5 नाबालिग लड़कियां अचानक लापता, छानबीन में जुटी पुलिस

नोएडा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। नोएडा में अलग-अलग जगहों से एक छात्रा समेत पांच लड़कियों के गायब होने की खबर है। ये सारी घटनाएं नोएडा के ही थाना क्षेत्रों की हैं। पुलिस के अनुसार थाना सेक्टर 24 क्षेत्र के गिझौड़ गांव से 10वीं कक्षा की छात्रा लापता हो गई। छात्रा के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। थाना सेक्टर 24 के प्रभारी निरीक्षक विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि बीती रात गिझौड़ गांव में रहने वाले एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया है कि उनकी 15 साल की बेटी 22 फरवरी को दोपहर बाद ट्यूशन पढ़ने के लिए सेक्टर 52 गई थी, लेकिन वह घर वापस नहीं आई।

नोएडा सेक्टर 24 और साहबेरी से दो बच्चियां गायब

पुलिस ने बताया कि व्यक्ति ने अपनी बेटी के अगवा होने की शिकायत बीती रात थाने में दर्ज कराई है। छात्रा 10वीं कक्षा में पढ़ती है। वहीं, थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि एक महिला ने बीती रात थाने में जानकारी दी कि वह साहबेरी गांव में अपनी 15 साल बेटी के साथ रहती है। चार फरवरी को सलमान नामक युवक उसके घर आया और उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया। कुमार ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना बिसरख और फेस-वन से दो लड़कियां लापता

इसी तरह, थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि बीती रात एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 20 फरवरी से उसकी 13 वर्षीय बेटी लापता है। उन्होंने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना फेस-वन के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि एक व्यक्ति ने बीती रात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी 17 वर्षीय बेटी 18 फरवरी से हरौला गांव में स्थित घर से लापता है।

सेक्टर 37 में एक नाबालिग को किया अगवा

वहीं थाना सेक्टर 39 में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी 16 वर्षीय बहन को एक युवक बहला-फुसलाकर अगवा कर ले गया है। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर 37 के हरिजन बस्ती में रहने वाले एक व्यक्ति ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि प्रियांशु नामक युवक उसकी 16 वर्षीय बहन को बहला फुसलाकर अगवा कर ले गया है।

सउदी अरब में भारतीय कामगार की कार से कुचलकर हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमौली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सउदी अरब के रियाद में काम करने गए बबई गांव के विजय शंकर की कार से कुचलकर हत्या कर दी गई। हत्या की खबर के बाद स्वजन बेहाल हैं। शव पाने के लिए स्वजन ने भारतीय दूतावास से संपर्क स्थापित किया है। चांदपुर थाने के बबई गांव निवासी श्याम बिहारी विश्वकर्मा का 23 वर्षीय पुत्र विजय शंकर विश्वकर्मा 25 सितंबर 2022 को सउदी अरब की राजधानी रियाद में काम के सिलसिले में गया था। वहां पर उसे कार चलाने का काम मिला। बड़े भाई हरिशंकर ने बताया कि आठ फरवरी को सउदी अरब से मोबाइल पर मालिक ने सूचना दी कि विजय शंकर ने मोबाइल फोन बेचने के लिए आन लाइन अप्लाई किया था। आठ फरवरी को मोबाइल खरीदने आए कार सवार तीन लोगों ने कार से कुचलकर हत्या कर दी।

रामलला के दर्शन करने अयोध्या जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं की बस पलटी, 15 से अधिक घायल

बदायूं, 23 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में शुक्रवार सुबह सड़क हादसा हो गया। रामलला के दर्शन करने अयोध्या जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं की बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे में 15 से अधिक कार्यकर्ता घायल बताए गए हैं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। जानकारी के मुताबिक बदायूं जिले के दातागंज से भाजपा कार्यकर्ताओं की बस शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे अयोध्या के लिए रवाना हुई थी। बताया गया कि बस में 40 से अधिक लोग सवार थे। शाहजहांपुर जिले के थाना जैतीपुर के गांव मानपुर नगरीय-नवादा मोड़ के बीच चालक बस से नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई।

घायलों को अस्पताल भिजवाया

हादसा होते ही चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस जांच में जुट गई है। हादसे से संबंधित अन्य जानकारी जुटाई जा रही है। बताया गया है कि कुंवरगांव के वनगढ़ गांव निवासी भाजपा के बूथ अध्यक्ष हरवंश शाक्य के नेतृत्व में यह बस अयोध्या जा रही थी। निजी बस में भाजपा नेता और कार्यकर्ता सवार थे। दातागंज में भाजपा जनप्रतिनिधियों ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। बता दें कि बदायूं से शुक्रवार को 101 बसों और 51 कोरों से 5100 भाजपाई और श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या रवाना हुए हैं। वहां से 24 फरवरी को इनकी वापसी होगी। श्रद्धालुओं के काफिले की एक बस शाहजहांपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई है।

अखिलेश यादव के पास है मायावती की काट ! इस नेता पर चल सकते हैं दांव, इंडिया गठबंधन में शामिल होगा नाम ?

लखनऊ, 23 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन होने के बाद इंडिया अलाइंस में एक नई जान आ गई है। यूपी में सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता काफ़ी उत्साहित हैं और अब एक नई ताक़त के साथ चुनाव की तैयारी में जुटे हैं। जल्द ही इस गठबंधन में कई और नए छोटे-छोटे दल भी शामिल हो सकते हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इस बात का एलान कर चुके हैं कि और दल भी उनके साथ आएँगे। वहीं अब सपा अध्यक्ष की नज़र मायावती के वोट बैंक पर भी लगी हुई है। यूपी में कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए राज़ी हो गई हैं। जबकि 63 सीटें सपा और इंडिया गठबंधन में शामिल होने वाले दलों के लिए हैं। इनमें से एक पश्चिमी यूपी की नगीना सीट को सपा आज़ाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद को दे सकती है। इस बात को लेकर चर्चा है कि सपा यहां चंद्रशेखर आज़ाद को अपना समर्थन देकर उतार सकती है। दरअसल पश्चिमी यूपी में भीम

आर्मी चीफ चंद्रशेखर आज़ाद का दलितों के बीच अच्छा ख़ासा प्रभाव है। चंद्रशेखर आज़ाद भी मायावती की जाटव जाति से आते हैं। पश्चिमी यूपी में कुल 22 फ़ीसद दलित वोटर्स हैं इनमें से 12 फ़ीसद जाटू हैं और 10 फ़ीसदी में अन्य दलित जातियां है। ऐसे में चंद्रशेखर आज़ाद को मायावती की काट के तौर पर देखा जा सकता है। उनके आने से बड़ी संख्या में दलित वोटर इंडिया गठबंधन के पाले में आने की उम्मीद है। हाल में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से चंद्रशेखर आज़ाद को टिकट दिए जाने पर सवाल पूछा गया था तो उन्होंने कहा कि वो हमारे यहां हैं। हम देख लेंगे क्या करना है उन्हें लेकर पार्टी में बात कर लेंगे। अखिलेश का ये बयान इसलिए अहम हो जाता है कि बसपा सुप्रीमो मायावती अकेले चुनाव लड़ने का एलान कर चुकी हैं। ऐसे में चंद्रशेखर को आगे करके अखिलेश दलित मतदाताओं को अपने साथ ला सकते हैं।

'हेल्पर' की जॉब के लिए रूस गया बेटा, यूक्रेन बॉर्डर पर किया तैनात; पीएम मोदी से परिवार ने लगाई गुहार

कासगंज, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कासगंज से करीब सवा तीन माह पूर्व हेल्पर की नौकरी के बहाने युवक को रूस ले जाया गया, लेकिन युवक को आर्मी में भर्ती कर दिया गया। युवक को रूस की प्राइवेट आर्मी वेगनर में भर्ती कर दिया गया। परिजनों का कहना है कि बेटे से अब उनकी बात नहीं हो रही है। उन्होंने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को भी शिकायतें प्रेषित की हैं। परिवार के लोगों ने पीएम मोदी से बेटे को वापस भारत लाए जाने की गुहार लगाई है। युवक के परिजन रूस में हुए इस घटनाक्रम को लेकर दहशत में हैं।जिले के गंजडुंडवारा कस्बे के रहने वाले अशरफ हुसैन ने जानकारी देते हुए बताया कि उनका बेटा अरबाब हुसैन पिछले वर्ष 11 नवंबर 2023 को बाबा ब्लॉग एजेंसी के माध्यम से हेल्पर की नौकरी के लिए रूस के शहर मास्को गया था, लेकिन उसने दो माह पूर्व रूस से फोन करके बताया गया कि उसे वहां हेल्पर की नौकरी नहीं दी गई है बल्कि सेना में भर्ती कर दिया गया है। युवक ने जब उसका विरोध किया तो उसका पासपोर्ट और वीजा भी छीन लिया गया। पिता ने बताया कि उसके रशियन भाषा में हस्ताक्षर में करा लिए हैं। उन्होंने कहा कि अरबाब को रूस की प्राइवेट आर्मी वेगनर में सैनिक बनाया गया है। उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि उसे यूक्रेन बॉर्डर पर तैनात कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बेटे से कोई संपर्क भी नहीं हो पा रहा। परिवार के लोग दहशत में हैं। उन्होंने पीएम मोदी को पत्र भेजकर बेटे की वतन वापसी की गुहार लगाई है। पिता ने बताया कि अभी तक कहीं से मदद की उम्मीद नहीं जगी है।

किसानों को आतंकवादी या दुश्मन जैसे देख रहे, अन्नदाता के समर्थन में उतरे नक्सली

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। किसान अपनी मांगों को लेकर दिल्ली के बॉर्डर पर पिछले कुछ दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। किसानों के इस आंदोलन को नक्सलियों ने समर्थन दिया है। नक्सलियों ने एक लेटर जारी करते हुए किसानों के साथ दुश्मन की तरह बर्ताव करने वाले सरकार को सबक सिखाने का आह्वान किया है। नक्सलियों के दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी की ओर से जारी किए गए पत्र में कहा कि किसान समर्थन मूल्य कानून, स्वामीनाथन आयोग पर अमल, कर्ज माफी करने जैसे 13 मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। इन मांगों को पूर्ण करने के लिए दिल्ली की ओर कूच कर रहे किसानों को पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर रोका गया है, लेकिन सरकार कंक्रीट की दीवार खड़ी कर, पुलिस बल का उपयोग कर अन्नदाता किसानों के साथ दुश्मन की तरह बर्ताव कर रही है। आंदोलन को दबाने के लिए गोलीबारी भी की गई। साथ ही किसानों को दहशतवादी, देशद्रोही के रूप में संबोधित किया जा रहा है।

दबाव तंत्र का उपयोग किया जा रहा है

नक्सलियों ने कहा कि किसान आंदोलन दबाने के लिए सरकार द्वारा दबाव तंत्र का उपयोग किया जा रहा है। ऐसा ही दबाव तंत्र आदिवासी क्षेत्र में भी शुरू होने की बात नक्सली पत्रक में कही गई है। आदिवासी बहुल क्षेत्र में पांचवीं अनुसूची लागू न करते हुए उनके जल-जंगल-जमीन पर अतिक्रमण किया जा रहा है। कुछ पूंजीपतियों का 7-8 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया गया। उनके लिए नियम व कानून ताक पर रख सभी सुविधा उपलब्ध करा दी जा रही है। खनिज के लिए छत्तीसगढ़ के सहदेव जंगल के पेड़ों की कटाई की जा रही है। बस्तर में बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात कर पर्यावरण संबंधित सभी कानून का उल्लंघन किए जाने का आरोप पत्रक में लगाया गया है।

सरकार को सबक सिखाने का आह्वान

नक्सलियों ने पब्लिश किए अपने पर्चे में कहा कि सरकार का विरोध करने वालों को देशद्रोही, नक्सलवादी ठहराया जा रहा है। नक्सलियों ने आह्वान किया कि इस सरकार को सभी मिलकर सबक सिखाए। इसके तहत बीते दिनों हुए भारत बंद को नक्सलियों ने समर्थन दिया था, जिसका जिक्र भी संबंधित पत्रक में किया गया है।

डिपो मैनेजर के यहां तड़के डकैती, हाथ पैर बांधकर ले गए कार व जेवर

इंदौर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर में फिर चोरी और लूट की घटनाएं बढ़ने लगी है। शुक्रवार सुबह साढ़े चार बजे कालिंदी गोल्ड में रहने वाले इंडियन आयल कार्पोरेशन के डिपो मैनेजर के बंगले को डकैतों ने निशाना बनाया। चार-पांच नकाबपोश बदमाश हथियार लेकर बंगले में घुसे और सो रहे लोगों के साथ मारपीट की। उनकेे हाथ पैर बांधे और कार, जेवर व नकद लेकर भाग गए। बंगले में घुसे बदमाशों ने चाकू निकाले, तब तक डिपो मैनेजर पुष्पेंद्र सिंह ठाकुर जाग गए। उन्हें चाकू अड़ाया और सोने की चेन और अंगूठी निकाल ली।

इस बीच पुष्पेंद्र के दो बेटे जाग गए तो उनके भी हाथ पैर बांध दिए। इत्मीनान से डकैतों ने पूरा घर खंगाला और कीमती सामान समेटा। लौटते समय पुष्पेंद्र से बंगले के बाहर खड़ी होंडा सिटी कार की चाबी मांगी और उसी में सवार होकर भाग निकले। चोर एक महंगा कैमरा भी ले गए।

खनौरी बॉर्डर पर मारे गए किसान के परिवार को 1 करोड़ का मुआवजा देगी पंजाब सरकार

चंडीगढ, 23 फरवरी (एजेंसियां)। किसान आंदोलन के दौरान खनौरी बॉर्डर पर मौत के शिकार हुए किसान शुभकरण सिंह को लेकर पंजाब सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मारे गए शुभकरण सिंह के परिवार को 1 करोड़ की आर्थिक मदद की घोषणा की। इसके अलावा शुभकरण सिंह की छोटी बहन को सरकारी नौकरी दी जाएगी। सीएम भगवंत मान ने 'एक्स' पर पोस्ट कर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि पंजाब और हरियाणा के बीच स्थित शंभु और खनौरी बॉर्डर पर बुधवार को उस वक्त आफरा तफरी मच गई है जब किसान आंदोलन में आए 21 वर्षीय युवा किसान शुभकरण सिंह की मौत हो गई। मृतक दो बहनों का इकलौता भाई था। शुभकरण सिंह की मौत के बाद किसानों ने दिल्ली कूच का प्लान दो दिन के लिए टाल दिया। वहीं, संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने युवा किसान की हत्या को लेकर गुरुवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और गृहमंत्री अनिल विज के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की और अगले सप्ताह ट्रैक्टर मार्च निकालने की घोषणा की। एसकेएम ने घोषणा की कि किसान इस मौत पर शोक व्यक्त करने के लिए शुक्रवार को 'काला दिवस' मनाएंगे और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और राज्य के गृहमंत्री अनिल विज के पुतले फूकेंगे। एसकेएम ने कहा कि किसान 26 फरवरी को राजमार्गों पर ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे और 14 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में 'अखिल भारतीय किसान मजदूर महापंचायत' करेंगे। एसकेएम 'दिल्ली चलो' मार्च का हिस्सा नहीं है, लेकिन वह इसका समर्थन कर रहा है। एसकेएम ने केंद्र के निरस्त किए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ 2020-21 में किसान आंदोलन की अगुवाई की थी।

समाजवादी पार्टी को कोर्ट से झटका, इरफान सोलंकी नहीं कर सकेंगे राज्यसभा के लिए मतदान

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी को कोर्ट से झटका लगा है। कानपुर के एमपी एमएलए कोर्ट ने जेल में बंद समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी को राज्यसभा चुनाव में मतदान की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इरफान सोलंकी ने राज्यसभा चुनाव में वोट डालने की याचिका लगाई थी। आगामी 27 फरवरी को राज्यसभा के लिए मतदान होने वाला है लेकिन कोर्ट ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी है ऐसे में वो वोट करने से वंचित रह सकते हैं। इरफान सोलंकी कानपुर से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं और कई मामलों में फिलहाल जेल में बंद हैं।

इरफान सोलंकी की ओर से याचिका यह लगाई गई थी कि उन्हें 27 फरवरी को होने वाले मतदान में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाए लेकिन जानकारी के मुताबिक उन्होंने इसके एवज में किसी भी सेक्शन का उल्लेख नहीं किया था। कानून के जानकार भास्कर मिश्रा के मुताबिक इरफान सोलंकी अगर चाहें तो ऊपरी अदालत का रुख कर सकते हैं। हालांकि उनका ये भी कहना है कि परिस्थितियां बताती हैं कि उन्हें ऊपरी अदातल से भी अनुमति मिलना आसान नहीं। क्योंकि जो अंडर ट्रायल और जेल में बंद होते हैं उनको किसी भी चुनाव में भाग लेने का अधिकार नहीं होता। जेल में बंद सपा विधायक इरफान सोलंकी पर कई केस दर्ज हैं। उन पर झोपड़ियों में आग लगाने, फर्जी आधार कार्ड पर हवाई यात्रा करने, रंगदारी मांगने, जमीन पर कब्जा करने, पुलिस के साथ गलत व्यवहार करने के साथ ही आचार संहिता का उल्लंघन करने का केस दर्ज है। कुल मिलाकर उनके ऊपर 17 मुकदमे दर्ज हैं। इरफान के हथियारों के लाइसेंस को रद्द किया जा चुका है।

दो लोगों को बुलाकर करवाया पत्नी का रेप फिर पति ने बताई हैरान कर देने वाली वजह

मुरैना, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पति ने ही अपनी पत्नी का दो लोगों से रेप करवा दिया। आरोप है कि शादी के बाद से दोनों को बच्चा नहीं हो रहा था, जिसके बाद आरोपी ने पत्नी का दो लोगों से रेप करने के बाद,जान से मारने की धमकी भी दी। दामाद की इस करतूत पर पीड़िता की मां ने आरोपी दामाद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं हरकत में आई पुलिस की टीम ने तीनों को सीसीटीवी की मदद से गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना मुरैना के माता बसैया थाना क्षेत्र की है। पीड़ित महिला की मां ने बताया कि छह साल पहले ही उसकी बेटी की शादी आरोपी युवक के साथ हुई थी। शादी होने के कुछ समय बाद तक दोनों के बीच सब-कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन दोनों को बच्चा नहीं हो रहा था। इसके लिए पति-पत्नी ने कई डॉक्टरों को दिखाया, कई इलाज, उपचार भी कराए लेकिन फिर भी उन्हें कोई फायदा नहीं लग रहा था। आरोपी पति थाना दिमनी ग्राम खेड़ा में बन रही एक नई कॉलोनी में लेबर का काम करता है।

करवा दिया रेप

मां के मुताबिक, 6 फरवरी की देर शाम पीड़िता अपने पति के साथ ससुराल बाइक से जा रही थी। इस समय अंधेरा हो चुका था। आरोपी पति ने इस दौरान एक गांव के खेत के पास बाइक रोकी और पत्नी को नीचे उतरने के लिए कहा। पत्नी ने खेत के पास बाइक रोकने का कारण पूछा तो पति कुछ नहीं बोला। पति अपनी पत्नी को लेकर अंदर खेत में आ गया। इसके बाद वहां आरोपी ने दो और व्यक्तियों को बुलाया। दरिंदे पति ने उन दोनों से अपनी पत्नी का रेप करने और जान से मारने के लिए कहा। दोनों आरोपी व्यक्तियों ने आरोपी पति के कहे मुताबिक उसकी पत्नी का रेप किया। इसके बाद तीनों ने पीड़िता को धमकी दी कि उसने इस घटना के बारे में अगर किसी को भी बताया तो वह उसे जान से मार देंगे। मध्य प्रदेश के मुरैना से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पति ने ही अपनी पत्नी का दो लोगों से रेप करवा दिया। आरोप है कि शादी के बाद से दोनों को बच्चा नहीं हो रहा था, जिसके बाद आरोपी ने पत्नी का दो लोगों से रेप करने के बाद,जान से मारने की धमकी भी दी। दामाद की इस करतूत पर पीड़िता की मां ने आरोपी दामाद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं हरकत में आई पुलिस की टीम ने तीनों को सीसीटीवी की मदद से गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना मुरैना के माता बसैया थाना क्षेत्र की है। पीड़ित महिला की मां ने बताया कि छह साल पहले ही उसकी बेटी की शादी आरोपी युवक के साथ हुई थी। शादी होने के कुछ समय बाद तक दोनों के बीच सब-कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन दोनों को बच्चा नहीं हो रहा था। इसके लिए पति-पत्नी ने कई डॉक्टरों को दिखाया, कई इलाज, उपचार भी कराए लेकिन फिर भी उन्हें कोई फायदा नहीं लग रहा था। आरोपी पति थाना दिमनी ग्राम खेड़ा में बन रही एक नई कॉलोनी में लेबर का काम करता है।

हर महीने पति को गुजारा भत्ता देगी पत्नी प्रताड़ित करती थी, 12वीं पास पति छोड़कर भागा

इंदौर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर में फैमिली कोर्ट का एक आदेश चर्चा का विषय बन गया है। इसमें कोर्ट ने आदेश दिया है कि ब्यूटी पार्लर चलाने वाली पत्नी अपने 12वीं पास पति को हर महीने गुजारा भत्ता देगी। माना जा रहा है कि यह देश में पहला इस तरह का मामला है जिसमें कोर्ट ने पत्नी को पति को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है। 23 साल के राजेश (बदला हुआ नाम) और 22 साल की चांदनी (बदला हुआ नाम) का केस इंदौर फैमिली कोर्ट में चल रहा था।

कॉमन फ्रैंड के जरिए राजेश और चांदनी की पहचान हुई थी। इसके बाद दोनों में बातचीत होने लगी। राजेश के मुताबिक चांदनी उसे पसंद करने लगी थी इसलिए उसने ही प्रपोज किया। राजेश उससे शादी नहीं करना चाहता था लेकिन चांदनी ने धमकी दी कि अगर शादी नहीं की तो वह जान दे देगी। इस दबाव में आकर राजेश ने चांदनी के साथ साल 2021 में आर्य मंदिर में शादी कर ली। राजेश की शादी से उसके परिवार वाले खुश नहीं थे और वो भी घुट-घुटकर चांदनी के साथ रह रहा था। चांदनी से परेशान राजेश एक दिन उसे छोड़कर भाग गया और अपने परिजन को पूरी बात बताई। इसके बाद राजेश ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और कोर्ट में भरण पोषण के लिए केस भी दायर किया। राजेश के केस दर्ज करवाने के बाद चांदनी ने भी राजेश पर घरेलू हिंसा का केस दर्ज करा दिया।

कोर्ट में चांदनी ने बताया कि वो कामकाजी नहीं है। उसने राजेश से भरण पोषण की भी मांग की। राजेश ने कोर्ट को बताया कि वो 12वीं पास है और चांदनी की वजह से उसकी पढ़ाई छूट गई। वो उसे बहुत प्रताड़ित करती थी इसलिए वो घर से भाग गया। राजेश ने कोर्ट को बताया कि जब पत्नी चांदनी ने पुलिस में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई तब उसने पुलिस को बताया था कि वो ब्यूटी पार्लर चलाती है। इससे चांदनी का झूठ पकड़ा गया। इसके बाद कोर्ट ने पत्नी चांदनी को आदेश दिया कि वो हर महीने पांच हजार रुपए भरण पोषण अपने पति राजेश को देगी।

'सबके ससुराल के पार्टी बा', आनंद मोहन को राबड़ी देवी ने दिया जवाब, पीएम मोदी को भी सुनाया

पटना, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में 'माय-बाप' के समीकरण को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। जन विश्वास यात्रा पर निकले तेजस्वी यादव ने आरजेडी को बाप की पार्टी बताई है। इस पर पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह ने तंज कसते हुए कह दिया कि आरजेडी ससुराल की पार्टी है। इस पर राबड़ी देवी ने शुक्रवार (23 फरवरी) को कड़ी प्रतिक्रिया दी। राबड़ी देवी ने ना सिर्फ आनंद मोहन को जवाब दिया बल्कि उन्होंने पीएम मोदी को भी निशाने पर लिया। बीजेपी पर भी हमला बोला। विधानसभा परिसर में पत्रकारों ने सवाल किया कि आनंद मोहन ने आरजेडी को ससुराल की पार्टी बताई है। इस पर राबड़ी देवी ने कहा, ठीक है... सबके ससुराल के पार्टी बा आनंद मोहन के दिए गए बयान पर आगे राबड़ी देवी ने कहा, सिर्फ लालू यादव की पार्टी के लोग ही नहीं हैं। प्रधानमंत्री के घर के लोग भी हैं। बीजेपी में सबसे ज्यादा परिवारवाद है। इस दौरान एक और सवाल पर नीतीश कुमार के कहने के बाद भी केके पाठक सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं इस पर राबड़ी देवी ने कहा कि बिहार की जनता देख रही है। सरकार तो इधर-उधर पलट रही है, इसलिए अधिकारी सुन नहीं रहे हैं। बता दें कि बीते गुरुवार को समस्तीपुर के मोहिउद्दीननगर के रासपुर पतसिया में पृथ्वीराज चौहान जयंती समारोह में पूर्व सांसद आनंद मोहन ने कहा था कि आरजेडी माय-बाप के साथ सबसे पहले ससुराल की पार्टी थी और आज भी है। ससुराल का पूरा मतलब समझाते हुए कहा पहले ससुराल मतलब साधु, सुभाष, राबड़ी व लालू अब वाली ससुराल का मतलब संजय, सुनील, राजेश्वरी और लफुअन। आज भी ससुराल की पार्टी है।

स्वामी प्रसाद मौर्य केसः सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए दिया 10 दिन का समय

लखनऊ, 23 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के पूर्व नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट से यूपी सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को 10 दिन का समय दे दिया है। मामला स्वामी प्रसाद मौर्य पर हिंदुओं की आस्था को आहत करने को लेकर है। मौर्य ने सुप्रीम कोर्ट में इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने 31 अक्तूबर, 2023 को मौर्य की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने प्रतापगढ़ की कार्यवाही को रद्द करने की अपील की थी। बता दें कि रामचरितमानस की प्रतियां जलाने को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ प्रतापगढ़ जिले में केस दर्ज किया गया है। इसी को रद्द करने के लिए मौर्य ने इलाहाबाद कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

क्या है मामला?

सपा के राष्ट्रीय महासचिव और एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरित मानस की चौपाइयों को लेकर सवाल किए थे। उन्हीं के बयान के बाद लखनऊ में धार्मिक ग्रंथ की प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। दरअसल, मौर्य ने कहा था कि कई करोड़ लोग रामचरितमानस को नहीं पढ़ते, सब बकवास है। यह तुलसीदास ने अपनी खुशी के लिए लिखा है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने आगे कहा था- सरकार को इसका संज्ञान लेते हुए रामचरितमानस से आपत्तिजनक अंशों को बाहर करना चाहिए या इस पूरी पुस्तक को ही बैन कर देना चाहिए। तुलसीदास की रामचरितमानस में कुछ अंश ऐसे हैं, जिन पर हमें आपत्ति है। क्योंकि किसी भी धर्म में किसी को भी गाली देने का कोई अधिकार नहीं है। तुलसीदास की रामायण की एक चौपाई है, जिसमें इसमें वह शूद्रों को अधम जाति का होने का सर्टिफिकेट दे रहे हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य बने राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी की अध्यक्ष

उधर दूसरी तरफ, स्वामी प्रसाद मौर्य को राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया है। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के संरक्षक और संस्थापक साहब सिंह धनखड़ ने गुरुवार को स्वामी प्रसाद मौर्य को पार्टी का अध्यक्ष घोषित किया। बता दें कि दो दिन पहले यानी मंगलवार को स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी छोड़ दी थी। सपा के महासचिव पद से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया। एमएलसी पद से इस्तीफा देने के बाद स्वामी प्रसाद ने अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और सपा से मेरा वैचारिक मतभेद रहा है। मैं स्वच्छ राजनीति में विश्वास करता हूं। अखिलेश यादव समाजवादी विचारधारा के खिलाफ जा रहे हैं।

झोपड़ी में आग लगने से तीन बच्चों की जलकर मौत

बरेली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बरेली के फरीदपुर क्षेत्र में दर्दनाक घटना हुई है। गांव नवादा बिलसंडी में शुक्रवार दोपहर के वक्त एक झोपड़ी में आग लग गई, जिससे तीन बच्चों की जिंदा जलकर मौत हो गई है। एक अन्य बच्चे की हालत गंभीर है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। झोपड़ी में आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। सूचना मिलने के बाद थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

मुस्लिमों से नफरत करती है कांग्रेस- मुंबई यूथ विंग चीफ पद से जीशान सिद्दीकी के हटाए जाने पर बोले बीजेपी के शहजाद पूनावाला

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के जीशान सिद्दीकी को मुंबई युवा कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटाने के फैसले पर भारतीय जनता पार्टी के नेता शहजाद पूनावाला ने कड़ी टिप्पणी की है। शहजाद पूनावाला ने इसे लेकर कहा कि सबसे पुरानी पार्टी वैसे तो वोट बैंक और तुष्टिकरण के लिए हमेशा यह दिखाती है कि वह अल्पसंख्यकों के साथ है, लेकिन असल में अल्पसंख्यकों को सबसे ज्यादा नुकसान इसने ही पहुंचाया है। शहजाद पूनावाला ने आगे कहा, "आज जीशान सिद्दीकी ने भी वही बात बोल दी है, जो मैंने छह-सात साल पहले कही थी कि कांग्रेस सबसे ज्यादा मुस्लिम विरोधी पार्टी है। यह वोट बैंक के लिए और तुष्टिकरण के लिए यह दिखावा कर सकती है कि वह अल्पसंख्यकों के साथ है लेकिन वास्तव में इसने अल्पसंख्यकों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। आज जीशान सिद्दीकी खुद इसका सामना कर रहे हैं।" पूनावाला ने कहा, "हमने देखा है कि कांग्रेस ने एक के बाद एक दंगे होने दिए। कांग्रेस पार्टी कहती थी कि मुंबई दंगों के लिए उद्धव सेना जिम्मेदार है लेकिन आज उन्होंने गठबंधन कर लिया है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कांग्रेस मुसलमानों से नफरत करती है।" पूनावाला यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि वे केवल उन्हें (मुसलमानों को) अपने वोट बैंक के रूप में रखते हैं। कांग्रेस में एक परिवार के अलावा कोई भी निर्णय नहीं ले सकता है। आज जीशान को जो सामना करना पड़ रहा है, वह कांग्रेस नेता लंबे समय से झेल रहे थे क्योंकि राहुल गांधी ऐसी संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे पहले मुंबई यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद जीशान सिद्दीकी ने अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला था और उस पर सांप्रदायिक होने का आरोप लगाया था। पद से हटाए जाने के बाद उन्होंने कहा था कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी में पूरी स्वतंत्रता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन भी नहीं कर सकते। वह इतने वरिष्ठ नेता हैं लेकिन उनके हाथ बंधे हुए हैं।

अब पाकिस्तान नहीं जाएगा रावी का पानी, इससे घाटी में होगी सिंचाई; 29 साल बाद शाहपुरकंडी परियोजना पूरी

कठुआ, 23 फरवरी (एजेंसियां)। शाहपुरकंडी बांध परियोजना का काम आखिरकार 29 साल बाद पूरा हो गया। बुधवार रात से झील में जल भंडारण का काम शुरू कर दिया गया है। अब पाकिस्तान को जाने वाला रावी नदी का 12 हजार क्यूसेक (प्रति वर्ष) पानी बंद हो जाएगा। इस पानी से अब जम्मू-कश्मीर और पंजाब की 37 हजार हेक्टेयर भूमि की सिंचाई हो सकेगी। इसमें से 32 हजार हेक्टेयर जम्मू-कश्मीर में ही है। इससे कठुआ-सांबा के कंडी क्षेत्र के किसानों को सबसे अधिक फायदा मिलेगा। बता दें कि रणजीत सागर बांध परियोजना से पहले दिन 2300 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। 14 जनवरी की रात 10 बजे से रणजीत सागर बांध परियोजना में बिजली उत्पादन रोका गया था, क्योंकि, शाहपुरकंडी बांध के दस सेल्यूस अंडर वाटर वॉल्ब बंद करने की प्रक्रिया को गत दिवस पूरी कर शाहपुरकंडी बांध की झील में पानी भरने का कार्य शुरू कर दिया गया है। पहली रात बैराज बांध की झील में तीन मीटर पानी आया है। बता दें शाहपुरकंडी बांध पर रावी कैनाल का कुछ काम बाकी है। झील में पानी भरने तक नहर का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद कठुआ और सांबा को रोजाना 1150 क्यूसेक पानी मिलेगा, इससे दोनों जिलों में 32173 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। परियोजना पर करीब 2,793 करोड़ रुपये लागत आई है।

इससे 206 मेगावाट बिजली उत्पादन का भी लक्ष्य है। अक्तूबर 2025 तक पावर हाऊस बनकर तैयार होंगे और जम्मू-कश्मीर को अपने हिस्से की बिजली भी मिल पाएगी। शाहपुरकंडी बांध को रणजीत सागर डैम से 11 किलोमीटर डाउनस्ट्रीम और माधोपुर हाइडल से आठ किमी। अपस्ट्रीम पर बनाया गया है। अब इस पानी को रोका जाना है, बांध बनकर तैयार है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 24 फरवरी - 2024

कांग्रेस के खिलाफ बनी आम आदमी पार्टी अब कांग्रेस के सहारे !

अशोक भाटिया

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने जिस कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन करके आम आदमी पार्टी (आप) का गठन किया था, अब उसी के साथ हाथ मिलाने को तैयार हैं। जिस कांग्रेस की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को वह जेल भिजवाने की बात करते थे, आज उन्हीं की पार्टी के साथ गठबंधन कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि अगर उनकी सरकार को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की कमान मिल जाए तो वह पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को तुरंत जेल भिजवा देंगे। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा और कांग्रेस को एक समान बताते हुये कहा था कि दोनों पार्टियों ने पिछले 70 साल में सिर्फ भ्रष्टाचार किया और इस स्थिति को बदलने के लिये उन्हें आम आदमी पार्टी बनानी पड़ी जिस पर जनता ने भरोसा कर भारी बहुमत दिया। उस समय दिल्ली के भाजपा नेता विजय गोयल ने कहा कि सत्ता के लिए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी अपने पिता राजीव गांधी का अपमान भी भूल रहे है। उनके अनुसार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधान सभा में प्रस्ताव पारित करके पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का भारत रत्न सम्मान वापस लेना चाह रही थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शीला दीक्षित को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में जेल भेजने की बात करते रहे है। हमने स्वयं अपनी आँखों से टी वी पर देखा था केजरीवाल को फाइलों का पुलिंदा लहराते हुए और यह कहना कि जल्द ही वे पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को जेल भिवाने वाले है । अब सत्ता के लालच में कांग्रेस व आप गठबंधन करने जा रही है। आज की मीडिया की खबरों के अनुसार आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन लगभग फाइनल हो चुका है, सिर्फ औपचारिक ऐलान होना बाकी है। सूत्रों के अनुसार आप राष्ट्रीय राजधानी में चार सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी जबकि कांग्रेस के लिए तीन सीटें छोड़ेगी। सूत्रों ने बताया कि दोनों गुजरात और हरियाणा में भी एक साथ चुनाव लड़ सकते हैं हालांकि पंजाब में दोनों एक-दूसरे के खिलाफ लड़ती नजर आ रही हैं। यहां अभी सीट बंटवारे पर कोई फैसला नहीं हुआ है। यदि पिछले लोकसभा चुनावों से विश्लेषण करें तो पता चलता है कि आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन से भारतीय जनता पार्टी को ज्यादा नुकसान होने की संभावना नहीं है क्योंकि भगवा पार्टी का वोट शेयर 56.86 प्रतिशत था। 2019 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली में अगर आप और कांग्रेस के संयुक्त वोट शेयर की तुलना करें तो यह 40.83 फीसदी है। दिल्ली की सभी सात सीटों पर भाजपा दोनों पार्टियों से काफी आगे थी। भाजपा को 2014 के लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन की तुलना में 2019 में 10 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे। 2019 के चुनावों में आप के वोट शेयर में लगभग 15 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई थी जबकि कांग्रेस पार्टी ने अपने वोट शेयर में लगभग 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की थी। 2014 में भाजपा को पूरी दिल्ली में 46.63 फीसदी वोट मिले थे और 'मोदी लहर' में उसने सभी सात सीटें जीती थीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दिल्ली में 49,08,541 वोट (56.86%) मिले। राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस को 19,53,900 वोट (22.63%) और आम आदमी पार्टी को 15,71,687 वोट (18.20%) मिले थे। दिल्ली में 2019 के चुनावों के दौरान आप और कांग्रेस की संयुक्त ताकत 35,25,587 वोट (40.83%) थी, जो भाजपा से 13,82,954 वोट कम थी। भाजपा को उत्तर पश्चिमी दिल्ली (60.49%) और पश्चिमी दिल्ली (60.01%) में 60 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे। पार्टी शेष पांच सीटों दक्षिणी दिल्ली (56.57%), पूर्वी दिल्ली (55.33%), नई दिल्ली (54.77%), उत्तर पूर्वी दिल्ली (53.86%) और चांदनी चौक पर भी 50 प्रतिशत से अधिक वोट पाने में सफल रही। यदि हम 2019 के भाजपा का दूसरे दलों के तुलनात्मक आंकड़े देखे तो दिल्ली की उत्तर पश्चिमी दिल्ली पर भाजपा के हंसराज हंस को 8,48,663 वोट (60.49%) मिले और उन्होंने आप उम्मीदवार गुग्गन सिंह को 5,53,897 वोटों के भारी अंतर से हराया। गुग्गन सिंह को 21.01% वोट शेयर के साथ 2,94,766 वोट मिले। कांग्रेस उम्मीदवार राजेश लिलोठिया 16.88% वोट शेयर के साथ 2,36,882 वोट हासिल करने में कामयाब रहे। आप और कांग्रेस की संयुक्त ताकत से भी भाजपा 3,17,015 वोटों से आगे थी। पश्चिमी दिल्ली की सीट पर भाजपा के प्रवेश साहिब सिंह वर्मा को 8,65,648 वोट (60.01%) मिले और उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार महाबल मिश्रा को 5,78,486 वोटों के भारी अंतर से हराया था। मिश्रा को 19.91% वोट शेयर के साथ 2,87,162 वोट मिले। आप उम्मीदवार बलबीर सिंह जाखड़ 17.46% वोट शेयर के साथ 2,51,873 वोट हासिल करने में कामयाब रहे। भाजपा को आप और कांग्रेस की संयुक्त ताकत से 3,26,613 वोट अधिक मिले थे। दक्षिणी दिल्ली में भाजपा के रमेश बिधूड़ी को 6,87,014 वोट (56.57%) मिले थे । उन्होंने आप उम्मीदवार राघव चड्ढा को 3,67,043 वोटों के अंतर से हराया था। चड्ढा को 26.34% वोट शेयर के साथ 3,19,971 वोट मिले। कांग्रेस उम्मीदवार और बॉक्सर विजेंदर सिंह 13.55% वोट शेयर के साथ 1,64,613 वोट पाने में कामयाब रहे। भाजपा आप और कांग्रेस की संयुक्त ताकत से 2,02,430 वोटों से आगे थी। पूर्वी दिल्ली में भाजपा के गौतम गंभीर को 6,96,156 वोट (55.33%) मिले और उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार अरविंदर सिंह लवली को 3,91,222 वोटों के अंतर से हराया। लवली को 24.24% वोट शेयर के साथ 3,04,934 वोट मिले। आप उम्मीदवार आतिशी 17.43% वोट शेयर के साथ 2,19,328 वोट हासिल करने में सफल रहीं। आप और कांग्रेस के वोटों को मिला दें तो भी भाजपा 1,71,894 वोटों से आगे थी। नई दिल्ली में भाजपा की मीनाक्षी लेखी को 5,04,206 वोट (54.77%) मिले और उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार अजय माकन को 2,56,504 वोटों के अंतर से हराया था। माकन को 26.91% वोट शेयर के साथ 2,47,702 वोट मिले। आप उम्मीदवार ब्रिजेश गोयल 16.33% वोट शेयर के साथ 1,50,342 वोट हासिल करने में कामयाब रहे। भाजपा आप और कांग्रेस की संयुक्त ताकत से 1,06,162 वोटों से आगे थी। उत्तर पूर्वी दिल्ली में भाजपा के मनोज तिवारी को 7,87,799 वोट (53.86%) मिले और उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को 3,66,102 वोटों के अंतर से हराया था। शीला को 28.83% वोट शेयर के साथ 4,21,697 वोट मिले थे। आप उम्मीदवार दिलीप पांडे 13.05% वोट शेयर के साथ 1,90,856 वोट हासिल करने में कामयाब रहे। यहां भी भाजपा आप और कांग्रेस की संयुक्त ताकत से 1,75,246 वोटों से आगे थी। चांदनी चौक में भाजपा के डॉ. हर्ष वर्धन को 5,19,055 वोट (52.92%) मिले और उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार जय प्रकाश अग्रवाल को 2,28,145 वोटों के अंतर से हराया। अग्रवाल को 29.66% वोट शेयर के साथ 2,90,910 वोट मिले। आप उम्मीदवार पंकज कुमार गुप्ता 14.74% वोट शेयर के साथ 1,44,551 वोट पाने में कामयाब रहे। आप और कांग्रेस की संयुक्त ताकत से भाजपा 83,594 वोटों से आगे थी। यानी 2019 के लोकसभा चुनाव में आप और कांग्रेस सातों सीटों पर मिलकर भी भाजपा का अकेले मुकाबला करने की स्थिति में नहीं थीं। लोकसभा चुनाव 2014 के आंकड़ों को देखे तो 2014 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को दिल्ली में 38,38,850 वोट (46.63%) मिले थे। राजधानी दिल्ली में आप को 27,22,887 वोट (33.08%) और कांग्रेस को 12,53,078 वोट (15.22%) मिले थे। दिल्ली में 2014 के चुनावों के दौरान आप और कांग्रेस की संयुक्त ताकत 39,75,965 वोट (48.30%) थी जो भाजपा से सिर्फ 1,37,115 वोट अधिक थी हालांकि, भाजपा ने सभी सात सीटें जीत लीं क्योंकि आप और कांग्रेस के बीच कोई गठबंधन नहीं था।

क्षेत्रवाद की जहरीली राजनीति

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनी थी तो लोगों को उम्मीद बंधी थी कि इस सरकार में भी राष्ट्रीयता का बोध होगा और वह राष्ट्रवादी विचारों से ओत-प्रोत सरकार चलाएगी, लेकिन अब वहां की सरकार ऐसा कानून बना रही है जिसमें हर कंपनी को नोटिस बोर्ड पर ये बताना जरूरी होगा कि उसके यहां कितने कन्नड़ कर्मचारी काम करते हैं। जो कंपनियां इन नियमों को नहीं मानेंगी उनका लाइसेंस रद्द कर दिए जाने की चेतावनी भी दी गई है। नए नियम के मुताबिक कंपनियों को नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से अपने कन्नडिगा कर्मचारियों की संख्या प्रदर्शित करनी होगी। सरकार के इस कदम से कंपनियों सहित कर्मचारियों के माथे पर चिंता की लकीरें स्पष्ट देखी जा सकती हैं। गुपचुप तरीके से प्रस्तावित कानून की गंभीरता तो अपनी जगह है ही, सबसे बडी बात तो यह है कि इसकी जानकारी किसी विधायक तक को नहीं थी। यह मामला भी तब उजागर हुआ जब सबसे पहले विधानसभा में एक अन्य बिल पर चर्चा की जा रही थी। वह बिल जो 15 फरवरी को पारित किया जा चुका है, व्यवसायों के लिए 60 फीसदी साइनबोर्ड कन्नड भाषा में रखना अनिवार्य बनाता है। दूसरी बात यह भी बताई गई है कि सरकार 'कन्नडा कवालू' नाम का एक मोबाइल ऐप लॉन्च करने वाली है, जो नागरिकों के लिए भाषाई भेदभाव की शिकायत करना आसान बनाएगा। सरकार के इन पहलुओं को समग्रता में देखें तो साफ है कि ये भाषाई भावनाओं पर आधारित संकीर्ण राजनीति को बढ़ावा देने वाले हैं। इस तरह की राजनीति किसी पार्टी को खास इलाके में थोड़े समय के लिए लोकप्रियता भले दे दे, लेकिन लंबे समय में जाकर पार्टी के लिए दुखदायी ही साबित होगी। महाराष्ट्र से लेकर असम तक अतीत के अनुभवों को देखें तो इसकी पुष्टि होती है। देखा जाए तो निश्चित रूप से लगभग हर प्रदेश और क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के सामने बेरोजगारी का गंभीर मुद्दा मुंह बाए खडा है। लेकिन इसका समाधान क्षेत्र और भाषा के आधार पर स्थानीय भावनाओं को भड़काने में नहीं है, न ही देश के दूसरे हिस्से से आ रहे लोगों के खिलाफ माहौल बनाने में है। यदि इसी तरह का माहौल बनाने की कोशिश की जाती रही तो वह दिन दूर नहीं जब बाहर से निवेश और टैलंट आने का सिलसिला भी बंद हो जाएगा। जाहिर है इससे उस राज्य के विकास की संभावनाएं ही नहीं, रोजगार के मौके भी बुरी तरह से प्रभावित हो सकते हैं। अक्सर देखा गया है कि हाल के वर्षों में बेरोजगारी के मुद्दे को स्थानीय संदर्भों में देखने की प्रवृत्ति तेज हुई है। कई राज्य सरकारों ने स्थानीय युवाओं के लिए प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में रिजर्वेशन की घोषणा तक कर दी है। मिसाल के तौर पर हरियाणा (75 फीसदी), महाराष्ट्र (80 फीसदी तक), आंध्र प्रदेश (75 फीसदी) और मध्य प्रदेश (70 फीसदी) के नाम लिए जा सकते हैं। लेकिन किसी तुलना में जाने से पहले दो बातों पर गौर करने की जरूरत है। पहली तो यह कि स्थानीय आरक्षण से जुड़े इन ज्यादातर मामलों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा चुकी है। ये मामले चल रहे हैं और हो सकता है सुप्रीम कोर्ट इन्हें खारिज भी कर दे। दूसरी बात यह कि कर्नाटक में मामला स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के मौके मुहैया कराने भर का नहीं लगता। जिस तरह से ये कदम उठाए और प्रचारित किए जा रहे हैं, उससे भाषाई भावनाओं के भड़काने की कोशिश भी दिखाई दे रही है। उम्मीद करनी चाहिए कि समय रहते सरकार इन खतरों को लेकर चेत जाए अन्यथा इस सरकारी खता का खामियाजा पीढ़ियों तक को भुगतना पड सकता है।

कुरीतियों का विरोध करते रहे संत रविदास

योगेश कुमार गोयल

समस्त भारतीय समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता और भाईचारे की सीख देने वाले 15वीं सदी के महान् समाज सुधारक संत रविदास का जन्म वाराणसी के गोवर्धनपुर गांव में माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा के ही दिन उनकी जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष माघ पूर्णिमा 24 फरवरी को है, इसीलिए इसी दिन संत रविदास जयंती मनाई जा रही है। महान् संत, समाज सुधारक, साधक और कवि रविदास ने जीवन पर्यन्त छुआछूत जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में फैली तमाम बुराईयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई और उन कुरीतियों के खिलाफ निरन्तर कार्य करते रहे। उनका जन्म ऐसे विकट समय में हुआ था, जब समाज में घोर अंधविश्वास, कुप्रथाओं, अन्याय और अत्याचार का बोलबाला था, धार्मिक कट्टपंथता चरम पर थी, मानवता कराह रही थी। उस जमाने में मध्यमवर्गीय समाज के लोग कथित निम्न जातियों के लोगों का शोषण किया करते थे। ऐसे विकट समय में समाज सुधार की बात करना तो दूर की बात, उसके बारे में सोचना भी मुश्किल था लेकिन जूते बनाने का कार्य करने वाले संत रविदास ने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए समाधि, ध्यान और योग के मार्ग को अपनाते हुए असीम ज्ञान प्राप्त किया और अपने इसी ज्ञान के जरिये पीड़ित समाज एवं दीन-दुखियों की सेवा कार्य में जुट गए। उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आडम्बरों, अज्ञानता, झूठ, मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड़ करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया। संत रविदास को 'रैदास' के नाम से भी जाना जाता है। वे गंगा मैया के अनन्य भक्त थे। संत रविदास को लेकर 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' कहावत बहुत प्रचलित है। इस कहावत का संबंध संत रविदास की महिमा को परिलक्षित करता है। वे जूते बनाने का कार्य किया करते थे और इस कार्य से उन्हें जो भी कमाई होती, उससे वे संतों की सेवा किया करते और उसके बाद जो कुछ बचता, उसी से परिवार का निर्वाह करते थे। एक दिन रविदास जूते बनाने में व्यस्त थे कि तभी उनके पास एक ब्राह्मण आया और उनसे कहा कि मेरे जूते टूट गए हैं, इन्हें ठीक कर दो। रविदास उनके जूते ठीक करने लगे और उसी दौरान उन्होंने ब्राह्मण से पूछ लिया कि वे कहां जा रहे हैं? ब्राह्मण ने जवाब दिया, ''मैं गंगा स्नान करने जा रहा हूं पर चमड़े का काम करने वाले तुम क्या जानो कि इससे कितना पुण्य मिलता है!'' इस पर रविदास जी ने कहा कि आप सही कह रहे हैं ब्राह्मण देवता, हम नीच और मलिन लोगों के गंगा स्नान करने से गंगा अपवित्र हो जाएगी। जूते ठीक होने के बाद ब्राह्मण ने उसके बदले उन्हें एक कौड़ी मूल्य देने का प्रयास किया तो संत रविदास ने कहा कि इस कौड़ी को आप मेरी ओर से गंगा मैया को 'रविदास की भेंट' कहकर अर्पित कर देना। ब्राह्मण गंगाजी पहुंचा और स्नान करने के पश्चात जैसे ही उसने रविदास द्वारा दी गई मुद्रा यह कहते हुए गंगा में अर्पित करने का प्रयास किया कि गंगा मैया रविदास की यह भेंट स्वीकार करो, तभी जल में से स्वयं गंगा मैया ने अपना हाथ निकालकर ब्राह्मण से वह मुद्रा ले ली और मुद्रा के बदले ब्राह्मण को एक सोने का कंगन देते हुए वह कंगन रविदास को देने का कहा। सोने का रत्न जड़ित अत्यंत सुंदर कंगन देखकर ब्राह्मण के मन में लालच आ गया और उसने विचार किया कि घर पहुंचकर वह यह कंगन अपनी पत्नी को देगा, जिसे पाकर वह बेहद खुश हो जाएगी। पत्नी ने जब वह कंगन देखा तो उसने सुझाव दिया कि क्यों न रत्न जड़ित यह कंगन राजा को भेंट कर दिया जाए, जिसके बदले वे प्रसन्न होकर हमें मालामाल कर देंगे।

भारत को मुक्ति पहले किससे मिले ? कांग्रेस या भाजपा से ?

श्रवण गर्ग

भाजपा ने अंतिम क्षणों में अपने आप को बचा लिया ! कांग्रेस ख़ुद को नहीं बचा पाई ! कमलनाथ अपनी पुरानी पार्टी में ही बने रहेंगे ! हो सकता है लोकसभा चुनाव संपन्न होने तक प्रधानमंत्री के साथ उनकी मुलाक़ात के नए चित्र मीडिया में नज़र नहीं आएँ। कमलनाथ को किन कारणों से कांग्रेस में ही रुकना पड़ा उसका खुलासा आसानी से नहीं हो पाएगा। प्रधानमंत्री और भाजपा के चुनावी रणनीतिकारों ने सोचा नहीं होगा कि कमलनाथ प्रसंग से पार्टी की छवि को अंदर और बाहर दोनों ओर से इतना बड़ा धक्का लगेगा ! इतनी थू-थू के लिए मध्य प्रदेश के पन्ना-प्रमुखों के स्तर तक पूर्व-तैयारी नहीं थी। भाजपा ने समझा होगा जैसे महाराष्ट्र के 'आदर्श' पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण को तुरत-फ़ुरत भर्ती करवा कर उनका नाम राज्यसभा के लिए तय कर दिया गया वैसे ही 'ऑपरेशन कमलनाथ' भी शांतिपूर्वक संपन्न हो जाएगा। वैसा नहीं हुआ। राजस्थान के 'पायलट प्रोजेक्ट' की विफलता के बाद राजनीति में शुचिता का उपदेश देने वाली पार्टी के लिए इसे दूसरा बड़ा सदमा माना जा सकता है। कल्पना की जा सकती है कि भाजपा के लिए छिन्दवाड़ा सहित ज़रूरी एमपी की सभी 29 सीटों पर केंद्रित इस ऑपरेशन के फ्लॉप होनेसे सबसे ज़्यादा प्रसन्नता 'महाराज' को ही हुई होगी। भाजपा ने उन्हीं के नेतृत्व में कमलनाथ (सरकार) को आंदोलनों के लिए सड़कों पर ला पटका था। अगर कमलनाथ भी भाजपा में भर्ती हो जाते तो ग्वालियर और छिन्दवाड़ा को साथ मिलकर कांग्रेस की हिंदुत्व-विरोधी ताक़तों का मुक़ाबला करना पड़ता। विधानसभा चुनाव परिणामों के तुरंत बाद कमलनाथ ने शिवराज सिंह से भेंट कर उन्हें बधाई दी थी। चुनाव परिणामों के बारे में दोनों ही नेताओं को शायद पहले से पता था। इसमें दो मत नहीं कि श्यामाप्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के निमित्त पीएम के लिए ज़रूरी हो गया है कि लोकसभा चुनावों में पार्टी 370 के आँकड़े को प्राप्त करके देश को दिखा दें। एमपी में पिछली बार सिर्फ़ छिन्दवाड़ा की सीट रह गई थी। कमलनाथ के भाजपा-प्रवेश के बाद वह सीट भी निश्चित हो जाती। कमलनाथ को अब वह सीट कांग्रेस के खाते में जीतना पड़ेगी। विधानसभा चुनावों में पार्टी को ज़बर्दस्त तरीक़े से जीत दिलाने के तुरंत बाद उत्साह से लबरेज़ शिवराज सिंह छिन्दवाड़ा पहुँच गए थे। वहाँ उन्होंने घोषणा कर दी थी कि :'आज से हम मध्यप्रदेश का मिशन 29 शुरू कर रहे हैं। इसका मतलब मध्य प्रदेश में लोकसभा की सभी 29 सीटों से है। पिछली बार छिन्दवाड़ा की सीट रह गई थी।' शिवराज सिंह को 6 दिसंबर के बाद से आज तक छिन्दवाड़ा में दोबारा पैर रखने की ज़रूरत नहीं पड़ी। वहाँ की सीट मोदी की जादू की छड़ी से ही भाजपा की झोली में टपकने को बेचैन हो उठी। कमलनाथ प्रसंग पर बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने बाद में खुलासा किया कि जाँच एजेंसियों का जिस तरह का दबाव अन्य नेताओं पर है वैसा ही कमलनाथ पर भी है। समूचा कमलनाथ प्रसंग इसी अहंकार की उपज था कि सांप्रदायिक विभाजन और चुनाव जीतने के कामों में सब कुछ जायज़ है। दूसरे यह कि चुनाव जीतने के काम में पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण के मुक़ाबले जाँच एजेंसियों का इस्तेमाल ज़्यादा प्रभावकारी साबित होता है। कमलनाथ की तरह ही अपने को कांग्रेस का वफ़ादार सिपाही बताने वाले अशोक चव्हाण के पलटी मारने के पीछे मुख्य कारण संसद के बजट सत्र के आख़िरी दिन मोदी सरकार द्वारा मनमोहन सिंह के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार पर पेश किया गया 'श्वेत पत्र' बताया गया था। 'श्वेत पत्र' में मुंबई की आदर्श बिल्डिंग सोसाइटी के उस घोटाले का भी उल्लेख था जिसके कारण अशोक चव्हाण को 2010 में मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफ़ा देना पड़ा था। आदर्श सोसाइटी घोटाले की सीबीआई जाँच के बाद आरोप लगाया गया था कि सेना के सेवा-निवृत्त लोगों के लिए निर्मित बिल्डिंग में अपने संबंधियों को आवंटन के लिए चव्हाण ने अतिरिक्त फ़्लैट्स के निर्माण की अनुमति दी थी। चव्हाण द्वारा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में प्रवेश करने के तत्काल बाद देवेंद्र फडनवीस ने कहा था कि ऐसे कई नेता जिनका कांग्रेस में दम घुट रहा है भाजपा के संपर्क में हैं। माना जा सकता है कि फडनवीस का इशारा कमलनाथ की तरफ़ रहा होगा। अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ते ही भाजपा में पुरस्कृत होने की सत्तारूढ़ दल के निष्ठावान कार्यकर्ताओं पर क्या प्रतिक्रिया हुई उसका भी फडनवीस को तत्काल पता चल गया। महाराष्ट्र भाजपा के 69-वर्षीय उपाध्यक्ष माधव भंडारी के पुत्र चिन्मय द्वारा सोशल मीडिया पर जारी की गई एक पोस्ट चर्चा का विषय बन गई। चव्हाण को राज्यसभा में भेजे जाने से व्यथित चिन्मय ने अपनी मार्मिक पोस्ट मेंअपने पिता का शुमार उन लोगों में किया जिन्हें पार्टी की दशकों से की जा रही निस्वार्थ सेवा के बावजूद कभी अपेक्षित सम्मान प्राप्त नहीं हुआ। 'भ्रष्टाचारियों' का कांग्रेस में दम घुट रहा है और 'ईमानदार' भाजपा ने उनके लिए अपने दरवाज़े खोल रखे हैं। जिन निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने भाजपा को 2 से 303 बनाने में अपनी साँसें झोंक दीं और पिछले दस सालों से जिनके पार्टी में प्राण निकले जा रहे हैं उनके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। उनकी नई ज़िम्मेदारी यही बची है कि प्रधानमंत्री कि तीसरी, चौथी और पाँचवी पारी पूरी होने तक वे विपक्षी दलों से भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं का भगवा दुपट्टों से स्वागत करते रहें। निष्ठावान कार्यकर्ताओं को इस चिंता से भी मुक्त हो जाना चाहिए कि तपे-तपाए कार्यकर्ताओं और अन्य दलों से सत्ता तापने आने वाले अवसरवादी नेताओं के बीच वैचारिक संसर्ग से जो वर्णसंकर नस्लें जन्म लेंगी वे संघ और भाजपा को हिंदू राष्ट्रवाद के किन शिखरों पर पहुँचाएँगी ! सवाल यह भी है कि सत्ता की महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए ली जा रही राजनीतिक नैतिकता की बलि के क्षणों में देश को पहले मुक्ति किससे मिलना चाहिए ? कांग्रेस से या भाजपा से ? क्या सवाल का जवाब लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी ,वसुंधरा राजे या शिवराज सिंह चौहान से प्राप्त किया जा सकता है ? आप चाहें तो और नाम भी जोड़ सकते हैं !

http://shravangarg1717.blogspot.com

लालफीताशाही और परेशान आम-आदमी!

मनोज कुमार अग्रवाल

चरम पर लालफीताशाही तब आम आदमी की कौन करे सुनवाई? उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक युवा ईरिक्शा चालक ने अपने जीवन को इसलिए खत्म कर लिया क्योंकि लगभग 57 हजार हाउस टैक्स न जमा कर पाने के कारण नगर निगम ने उसके घर को सीज कर दिया था और उसका ई-रिक्शा भी उसी घर में बंद कर दिया गया था जिसके जरिए वह अपने परिवार की रोटी जुटाता था। अपना जीविकोपार्जन का माध्यम भी मकान के भीतर सील कर दिए जाने से गरीब रिक्शा चालक इतना आहत हुआ कि उसने घर के पिछले हिस्से में किसी तरह से घुसकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जिस घर को नगर निगम ने हाउस टैक्स न दे पाने के कारण सीज कर दिया था। एक रिक्शा चालक द्वारा एक संवेदनाहीन व्यवस्था के नक्कारखाने में किया गया यह बेहद मार्मिक और दुखद कदम है लेकिन इस दुखद घटना ने जहां पच्चीस करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने के दावों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है वरन सत्ता और व्यवस्था के गलियारों में एक रुदन भरी चीख पैदा करती है कि सब कुछ ठीक नहीं है अभी आम आदमी बेशरम लालफीताशाही और नाकारा सिस्टम की संवेदनहीनता के सामने बहुत बेबस बौना लाचार और निराश है। आपको बता दें कि लखनऊ के बाजारखाला इलाके में गृहकर बकाया होने के चलते मकान सील होने के सदमे में ई रिक्शा चालक ने शुक्रवार 10 फरवरी की रात फांसी लगा ली। 11 फरवरी शनिवार को घटना से नाराज परिजनों ने नगर निगम कर्मचारियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करने की मांग को लेकर हैदरगंज तिराहे पर शव रखकर प्रदर्शन किया। मृतक के भाई ने बाजारखाला पुलिस को तहरीर दी है।बाजारखाला के हैदरगंज वैरागी टोला निवासी शीतल कश्यप (34) ई रिक्शा चलाकर गुजारा करते थे। शीतल के परिवार के लोग शादी में उन्नाव गए थे। शीतल घर में अकेले थे। परिजनों का आरोप है कि शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने 57 हजार रुपये गृहकर के बकाए का नोटिस चस्पा कर मकान सील कर दिया था। इससे सदमे में शीतल ने पिछले दरवाजे से घर में जाकर फांसी लगा ली। शनिवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद परिवार के लोग शव लेकर सीधे हैदरगंज तिराहे पहुंच गए। वहां सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों ने नगर निगम जोन छह के कर्मचारियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।बाजारखाला इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। इसके बाद परिजनों ने शीतल का अंतिम संस्कार कर दिया। शीतल के बड़े भाई राजेश ने बाजारखाला कोतवाली में तहरीर दी है। इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया कि जांच की जा रही है।मृतक के भाई दीपू के हवाले से कहा गया है कि वह डेढ़ साल पहले नगर निगम जोन छह के दफ्तर में बकाया गृहकर की जानकारी करने गए थे। तब उन्हें 28 हजार रुपये बकाया बताया गया था। डेढ़ साल बाद टैक्स बढ़ाकर 57 हजार रुपये कर दिया। मृतक के भाई राजेश के अनुसार शुक्रवार 10 फरवरी को दोपहर बकाया गृहकर वसूलने पहुंची नगर निगम की टीम जब मकान सील कर रही थी तो मोहल्ले वालों ने विरोध किया था। उनका कहना था कि मकान के भीतर शीतल का ई रिक्शा खड़ा है। लोगों के मना करने के बावजूद कर्मचारियों ने मकान सील कर दिया। कुछ देर बाद जब शीतल घर पहुंचे तो उन्हें मकान सील होने की बात पता चली। कमाई का जरिया ई रिक्शा भी मकान के भीतर ही बंद हो गया था। इससे वह आहत थे। भाई के अनुसार उनका मकान एक हजार वर्गफिट का है। इसकी ऊपरी मंजिल में बड़े भाई राजेश परिवार के साथ रहते हैं। नीचे मां फूलमती के साथ दोनों भाई रहते थे। घर में पीछे की तरफ एक दरवाजा है। मेन गेट सील होने के बाद पिछले दरवाजे से घर में आवाजाही हो रही है। पिछले दरवाजे से ही शीतल ने भीतर जाकर फांसी लगाई थी। यह बहुत ही दुःखद स्थिति है जो आम लोगों को आये दिन देखनी पड़ रही है। इस दुःखद घटना के बाद लोगों ने 20 हजार रूपये चंदा एकत्रित करके नगर निगम में जमा किया तब उसका सीज घर खोला गया। मानव श्रम से चालित रिक्शे के स्थान पर देश के विकासशील शहर कस्बों में बैटरीचालित रिक्शे चलन में आये हैं शुरू में सरकारों द्वारा उन्हें चला कर रोजगार जुटाने के लिए रिक्सा चालकों को प्रोत्साहित किया गया लोगों को ई रिक्शा खरीदने के लिए लोन वितरित किया गया तो धीरे - धीरे यह उन युवा बेरोजगारों के जीवन में जीविकोपार्जन का साधन बन गया जो रिक्शा चलाने में शर्म महसूस करते थे और ई-रिक्शा उनके घर गृहस्थी को सम्मानजनक ढंग से चलाने का माध्यम बन गया। इन लोगों ने ईरिकशा के जरिए रोजी-रोटी का माध्यम तलाश लिया। जिसके कारण कोई छोटा शहर हो या बड़ा बड़ी तेजी से इनकी संख्या में वृद्धि हुई है क्योंकि यह कम लागत में बेरोजगार लोगों की पहुंच में थे।

पेट दर्द के लिए सिर दर्द की गोली !

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

पहले हमें हमारे सिवाय कोई दिखाई नहीं देता था। जहाँ देखो वहाँ हमीं हम बने रहने की बड़ी चुल मची रहती थी। वैसे वह चुल अभी भी है, लेकिन जब से कुकुरमुत्तों की तरह साहित्यिक संस्थाओं का जन्म हुआ है तब से मारा-मारी बढ़ गई है। हर कोई अपनी-अपनी संस्था रूपी दुकान खोले बैठा है। कोई आडंबरी के नाम से तो कोई ढोगांबरी के नाम से। इन सबका एक ही उद्देश्य है अपने एरिया का साहित्यिक डॉन बनना। इन सबको देखने के बाद दाऊद इब्राहिम मुझे महापुरुष सा प्रतीत होता है। हो न हो उसे डॉन बनने की प्रेरणा इन्हीं कुकुरमुतिया साहित्यिक संस्थाओं से मिली होगी। मैं दाऊद इब्राहिम की बहिन हसीना पार्कर जैसी हूँ। मेरे बिना मेरे एरिया में कोई साहित्यिक आयोजन तो क्या उसके बारे में सोच भी ले तो तुरंत उसके सपने में आकर उसकी हालत पतली कर देती हूँ। किंतु इधर कुछ दिनों से मेरे ही चेले चपाटों ने मेरी देखा-देखी अलग से दुकानें खोल रखी हैं। एक तरह से मेरे एकछत्राधिपत्य की बैंड बजा दी है। चूँकि मेरी दुकान सबसे पुरानी है, इसलिए मेरे ग्राहक रूपी साहित्यिक सदस्यों की कोई कमी नहीं है। इनमें तीन-चार मेरे सबसे विश्वस्त हैं। इनके बिना मैं कोई कार्य नहीं करती। एक तरह से ये मेरे गुर्गे हैं, जो दूसरी दुकानों में आने-जाने वाले ग्राहकों की जानकारी मुझसे साझा करते हैं। पिछले दिनों ढोगांबरी साहित्यिक संस्था की टुनटुना देवी ने राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग विधाओं के लिए बिस्कुट के टुकड़े रूपी सम्मान बांटे जिससे इनकी दुकान पर नए-नए ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी। कुछ ग्राहक तो मेरी ही दुकान के थे। यह तो सीधे-सीधे मेरी कोर कांपिटेंसी में हमला बोलने जैसा था। मुझसे यह देखा नहीं गया। कल की टुनटुना देवी चली है दादी को खांसी सिखाने। मैं यह सब करने में नंबर वन हूँ। शेर को शिकार, चील को उड़ना और मुझे आयोजन करना कोई नहीं सिखा सकता। यह कला तो मैं जन्मजात जानती हूँ। वह भूल रही है कि साधुन-दासी-चोरन-खांसी, प्रेम बिना के हासी। खुसरो वाकी बुद्धी विनासे, रोटी खाये जो बासी। यहाँ मेरे प्रपंच उस बासी रोटी के समान है जिसे खाकर टुनटुना देवी का दिमाग खराब हो गया है। मैं चाहती तो तभी उसका मुँहतोड़ जवाब दे सकती थी,लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया।मेरे चेले चपाटों ने मुझे सलाह दी कि ईंट का जवाब ईंट से, सम्मान का जवाब सम्मान से देने में ही समझदारी है। यही सब सोचकर मैंने भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने की योजना बनाई।

माघी पूर्णिमा: पानी में गंगाजल मिलाकर करें स्नान पितरों के लिए करें धूप-ध्यान और चंद्र को दें अर्घ्य

शनिवार, 24 फरवरी को माघ मास की अंतिम तिथि यानी पूर्णिमा है। इसे माघी पूर्णिमा कहा जाता है। इस तिथि के स्वामी चंद्र देव हैं। माघी पूर्णिमा पर दिन की शुरुआत सूर्य पूजा से करें और शाम को चंद्रोदय के समय चंद्र देव को अर्घ्य अर्पित करना चाहिए।

माघ पूर्णिमा से जुड़ी कई परंपरा हैं, जिनका पालन करने पर धर्म लाभ मिलता है और मन भी शांत होता है। जानिए इस पर्व पर कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। अगर नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो अपने घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

स्नान के बाद सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें। इसके लिए तांबे के लोटे में जल, कुमकुम, चावल डालें और सूर्य को जल चढ़ाएं। इस दौरान सूर्य मंत्र ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करना चाहिए।

इस दिन कपड़े, भोजन, घी, कपास और जूते-चप्पल का दान करना चाहिए।

पूर्णिमा पर सत्यनारायण भगवान की पूजा करना बहुत शुभ माना जाता है। माघ मास की पूर्णिमा पर कथा सुनने का महत्व और अधिक है।

भगवान सत्यनारायण का पूजन करें, धूप, दीप और प्रसाद अर्पित करें। सुगंधित फूलों की माला चढ़ाएं और भगवान की कथा सुनें।

माघी पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की विशेष पूजा करनी चाहिए। पूजा रात में करेंगे तो ज्यादा शुभ रहेगा।

भगवान विष्णु-लक्ष्मी का अभिषेक दक्षिणावर्ती शंख से करें। भगवान को नए वस्त्र पहनाएं। चंदन से तिलक लगाएं। हार-फूल से श्रृंगार करें। धूप-दीप जलाएं और ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।

पूर्णिमा की शाम चंद्र उदय के बाद घर के बाहर दीपक जलाना चाहिए। तुलसी के पास भी दीपक जलाएं।

देवी-देवताओं की पूजा के साथ ही इस दिन घर के पितर देवता के लिए भी शुभ कर्म करें। पितरों को तर्पण, श्राद्ध कर्म करें। पितरों के निमित्त जलदान, अन्नदान, भूमिदान, वस्त्र और भोजन पदार्थों का दान करना चाहिए।

इस दिन हनुमान जी के किसी पौराणिक मंदिर में सिंदूर और चमेली के तेल से चोला चढ़ाएं। दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का सुंदरकांड का पाठ करें। इस दिन किसी मंदिर पूजन सामग्री जैसे कुमकुम, घी, हार-फूल, तेल, भगवान के वस्त्रों का दान करें।

सतयुग तो सिर्फ तुम्हारी कल्पना है

कार्ल माक्र्स ने कहा है कि धर्म ने आज तक आदमी को अफीम दी है। और इसमें बहुत दूर तक सचाई है। कम से कम जिनको तुम साधु-संत कहते हो, उनके संबंध में तो यह बात सौ प्रतिशत सच है। हां, दो-चार लोगों को छोड़ दो—एक बुद्ध को, एक कृष्ण को, एक महावीर को, एक क्राइस्ट को, एक मोहम्मद को, ऐसे कुछ लोग छोड़ दो, वे अपवाद हैं—बाकी जो भीड़-भाड़ है कुंभ के मेले में तुम्हारे साधु-संतों की, उनके संबंध में माक्र्स बिलकुल ठीक कहता है कि जनता को अफीम पिलाई गई है। लेकिन तुम अफीम मांगते हो। तुम कहते हो, किसी तरह जिंदगी को झेलने योग्य बना दो। तुम्हारी जिंदगी दुखपूर्ण है, यह सच है। यह दुख मिट भी सकता है, यह भी सच है। मगर दुख को मिटाना अफीम से नहीं होता। दुख को मिटाने के लिए श्रम करना होगा, साधना करनी होगी। दुख को मिटाने के लिए दुख की आधारभूत जड़ें काटनी होंगी। दुख है तो उसके कारण हैं। उन कारणों को मिटाना होगा। बीमारी है तो उसकी वजह है। सिर्फ बीमारी के लक्षण मिटाने से बीमारी न मिट जाएगी।

तुम्हें बुखार चढ़ा है, तुम्हारे साधु-संत कहते हैंः ठंडे पानी में बैठ जाओ; शरीर गर्म है, ठंडा हो जाएगा। शरीर तो ठंडा होगा ही होगा, तुम भी ठंडे हो जाओगे। मरीज का इलाज नहीं है यह, यह मरीज की मौत है। शरीर गर्म है, यह तो लक्षण है। तुम्हारे भीतर रोग है कहीं। और जब तक रोग है, शरीर उत्तप्त रहेगा। शरीर तो केवल भीतर चल रहे किसी महाभारत की खबर दे रहा है, कि तुम्हारे भीतर अंतर-युद्ध छिड़ा है। उस अंतर-युद्ध के कारण सब उत्तप्त हो गया है। उस अंतर-युद्ध को समाप्त करना होगा, तो शरीर का ताप जाएगा। ठंडे पानी में बिठा देने से ताप नहीं जाएगा। मरीज मर सकता है, बीमारी समाप्त नहीं होगी।

लेकिन ठंडे पानी में बैठना अच्छा लगेगा। अच्छे लगने से ही कोई बात अच्छी नहीं हो जाती।

साधु-संत तुम्हारे लक्षणों का इलाज करते हैं। इलाज भी कहां करते हैं! लक्षणों के लिए तुम्हें व्याख्याएं दे देते हैं। निश्चित साधु-संत लोगों को समझा रहे हैं कि यह कलिकाल है, यह समय बहुत बुरा है। जैसे कि पहले कोई अच्छे समय रहे हैं! समय ही बुरी चीज है। समय के पार जाने में अच्छाई है। सभी युग कलियुग हैं। सतयुग न कभी रहा है, न है, न होगा। सतयुग तो सिर्फ तुम्हारी कल्पना है—अफीम! पहले लोग सोचते थेः सतयुग पहले हो चुका; वह एक ढंग की अफीम थी। एक तरह के पंडित-पुरोहित ने उसका उपयोग हजारों साल तक किया और आदमी को सुलाए रखा। फिर धीरे-धीरे उस अफीम का प्रभाव कम हो गया—लोग उसके आदी हो गए—उससे फिर नशा नहीं आना संभव रहा। जब एक आदमी अफीम रोज-रोज खाता रहे, तो धीरे-धीरे उस अफीम का परिणाम समाप्त हो जाता है। वह अफीम आदत हो जाती है। फिर नशा नहीं लाती। तो फिर नई अफीम की जरूरत पड़ती है। कम्युनिज्म नई अफीम है। कम्युनिज्म कहता है कि सतयुग आगे आने वाला है। पुरानी अफीम कहती थी कि राम-राज्य पहले हो चुका। नई अफीम कहती हैः राम-राज्य आगे आने वाला है। जो पुरानी अफीम से बच गए हैं, वे नई अफीम की दुकान पर पहुंच गए हैं। **(क्रमशः)**

संत रविदास की जयंती आज

रविदास जी और पारस पत्थर के किस्से की सीख- लालच से बचें और अपनी मेहनत पर भरोसा करें

24 फरवरी को माघी पूर्णिमा और संत रविदास जी की जयंती है। संत रविदास जी के कई ऐसे प्रेरक प्रसंग हैं, जिनमें जीवन को सुखी औऱ सफल बनाने के सूत्र बताए गए हैं। अगर इन सूत्रों को जीवन में उतार लिया जाए तो हमारी सभी समस्याएं दूर हो सकती हैं। यहां जानिए संत रविदास जी से जुड़ा एक प्रसंग, जिसमें उन्होंने लालच से बचने का संदेश दिया है।

संत रविदास जी अपनी झोपड़ी में जूते बनाने का काम करते थे। एक दिन उनके यहां सिद्ध साधु पहुंचे। रविदास जी ने उस संत की बहुत सेवा की। सेवा से प्रसन्न होकर सिद्ध संत ने रविदास को एक पत्थर दिया और कहा कि ये पारस पत्थर है। लोहे की जो चीज इस पत्थर पर स्पर्श होती है, वह सोने की बन जाती है। इस पत्थर की मदद से तुम धनवान बन सकते हो।

रविदास जी ने पारस पत्थर लेने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे इसकी जरूरत नहीं है, मैं अपनी मेहनत से जो कमाता हूं, उससे मेरा काम हो जाता है।

रविदास जी के मना करने के बाद भी साधु ने उनकी बात नहीं मानी और उस पत्थर को झोपड़ी में ही एक जगह रख दिया और कहा कि तुम जब चाहो, इसका इस्तेमाल कर लेना। ऐसा कहकर वह संत वहां से चले गए।

काफी समय बाद वह संत फिर से रविदास जी के पास पहुंचे। उन्होंने देखा कि रविदास की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है, वे आज भी उसी झोपड़ी में रह रहे हैं।

रविदास जी की हालत देखकर साधु ने पूछा कि मैंने आपको पारस पत्थर दिया था, क्या आपने उसका इस्तेमाल नहीं किया?

रविदास जी ने कहा कि वह पत्थर तो वहीं रखा, जहां आप रख गए थे।

साधु ने देखा तो पारस पत्थर वहीं रखा था। साधु ने रविदास जी से पूछा कि आप इसके इस्तेमाल से धनवान बन सकते थे, लेकिन आपने ऐसा क्यों नहीं किया?

संत रविदास ने कहा कि अगर मैं धनवान हो जाता तो मुझे धन की रखवाली करने की चिंता होती। मैं दान करता तो मेरे यहां लोगों की भीड़ लगी रहती और मेरे पास भगवान का ध्यान करने का समय ही नहीं बचता। मैं जो कमाता हूं, मेरे लिए काफी है। मैं मेरे काम के साथ भगवान की भक्ति भी कर पाता हूं। मेरे लिए यही सबसे जरूरी है।

वह साधु रविदास जी की सुनकर प्रसन्न हो गए, उन्हें आशीर्वाद दिया और अपना पारस पत्थर लेकर लौट गए।

संत रविदास जी की सीख

इस कहानी में रविदास जी ने लालच से बचने की सीख दी है। हमें अपनी मेहनत पर भरोसा करना चाहिए और दूसरों के धन पर ध्यान नहीं देना चाहिए। अपने काम के साथ ही भक्ति भी करते रहना चाहिए। ऐसे काम करने से बचें, जिनकी वजह से हमारे पास भक्ति के लिए समय नहीं बचता है।

श्रीकृष्ण की सीख- निराश करने वाली बातों से मन अशांत हो जाता है और हम लक्ष्य से भटक जाते हैं

महाभारत में कौरव और पांडवों के बीच हुए युद्ध में श्रीकृष्ण अर्जुन के सारथी बने और पांडवों के मामा शल्य कर्ण के सारथी बने थे। पांच पांडवों में युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन कुंती के पुत्र थे और नकुल-सहदेव माद्री के पुत्र थे। राजा शल्य माद्री के भाई थे। नकुल-सहदेव के सगे मामा थे, लेकिन युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन भी उन्हें मामा की कहते थे। शल्य पांडवों को पसंद करते थे, लेकिन युद्ध में वे दुर्योधन की ओर थे। शल्य कर्ण के सेनापति बने तो श्रीकृष्ण ने पांडवों से कहा कि शल्य भले ही दुर्योधन की सेना में हैं, लेकिन हमें उनसे कम से कम एक मदद जरूर मांगनी चाहिए। श्रीकृष्ण ने पांडवों से कहा कि आप राजा शल्य से कहिए कि जब आप कर्ण के सारथी बनेंगे तब आपको कर्ण के सामने ऐसी बातें कहनी हैं, जिससे उसकी हिम्मत टूट जाए और वह निराश होने लगे।

श्रीकृष्ण की बात मानकर पांडवों ने शल्य से ये मदद मांगी। शल्य भी पांडवों की ये बात टाल नहीं पाए।

युद्ध में जब कर्ण और अर्जुन का आमना-सामना हुआ तो शल्य कर्ण की लगातार आलोचना करने लगे। शल्य की आलोचनात्मक बातें सुनकर कर्ण अशांत हो गया और चिड़चिड़ाने लगा, कर्ण को गुस्सा आ रहा था। मन अशांत हो गया तो वह अपने लक्ष्य से भटकने लगा। कर्ण अर्जुन की ओर बाण छोड़ते समय ठीक से निशाना नहीं लगा पा रहा था। दूसरी ओर श्रीकृष्ण अर्जुन की तारीफ कर रहे थे, अर्जुन का मनोबल बड़ा रहे थे। इसी वजह से निराश कर्ण अर्जुन से हार गया।

श्रीकृष्ण की सीख

महाभारत में कर्ण भी अर्जुन के समान ही महान यौद्धा था, लेकिन उसकी संगत दुर्योधन के साथ थी। श्रीकृष्ण ने कर्ण का वध करने के लिए ये योजना बनाई थी, क्योंकि कर्ण के रहते पांडव महाभारत युद्ध जीत नहीं सकते थे। कर्ण के बाद ही पांडव यानी धर्म की जीत हुई। युद्ध में शल्य लगातार कर्ण की आलोचना कर रहे थे, इस कारण वह हताश हो गया और अर्जुन से ठीक से युद्ध नहीं कर सका।

जब हमारे सामने लगातार कोई हमारी आलोचना करता है तो हमारा मनोबल टूट जाता है। जब कोई हमारी आलोचना करे तो हमें उन बातों की ओर ध्यान नहीं देना चाहिए, हमें सिर्फ अपने लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए, तभी सफलता मिल सकती है। ध्यान भटकेगा तो लक्ष्य हमसे दूर हो जाएगा और हम असफल हो जाएंगे।

उच्च पद प्राप्त करने के लिए करें यह उपाय

जैसे कि नाम से स्पष्ट होता है 'हनुमान' अर्थात जिसने अपने 'अभिमान का हनन' कर लिया हो। 'बजरंगबली' अर्थात वज्र जैसे अंगों वाला बलशाली। 'महावीर' अर्थात वीरों में सबसे महान। हनुमान जी को मैनेजमैंट के गुरु भी कहा जाए तो आश्चर्य नहीं होगा। यह तो हम सब अच्छे से जानते ही हैं कि हनुमान जी जैसा बलशाली, बुद्धिमान, सेवाभाव वाला, कर्मठ इत्यादि इस कलियुग में तो अभी तक कोई नहीं है। हनुमान जी से हमें बहुत-सी शिक्षाएं मिलती हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं :

बल का सदुपयोग, बलशाली होकर संयमित होना, सेवक बनकर ईश्वर का पद पाना, एकनिष्ठ भक्ति, समर्पण, कार्य के प्रति समर्पित, ईश्वर पर अटूट श्रद्धा, सामर्थ्य होते हुए भी सहनशीलता होनी चाहिए, स्वामी के प्रति अनन्य भक्ति, बल होने पर भी विनम्र होना, अपनी ताकत या शक्ति का सही इस्तेमाल करना, बेहतर टाइम मैनेजमैंट, जो लोग सोचते हैं कि यह कर ही क्या सकता है, उन्हें समय आने पर अपना बल और अहमियत बताना। उनका वर्क मैनेजमैंट भी कमाल का था। दूसरे स्थान में जाकर उस स्थान के संसाधनों को सही तरीके से उपयोग में लाना वह बखूबी जानते थे। सीता माता के सामने उन्होंने खुद को लघु रूप में रखा, क्योंकि यहां वह पुत्र की भूमिका में थे, परन्तु संहारक के रूप में वह राक्षसों के लिए काल बन गए। एक ही स्थान पर अपनी शक्ति का दो अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल करना भी हनुमान जी से सीखा जा सकता है। हनुमान जी में जितनी शक्ति थी, उतना ही धैर्य भी था इसलिए हमें भी हर मुश्किल समय में धैर्य से काम लेना चाहिए। अहंकार क्या होता है, इसे वे नहीं जानते थे, इसलिए हमें भी अहंकार नहीं करना चाहिए। हनुमान जी के समक्ष तमाम संकट आए, पर वह सभी बाधाएं पार कर अपने लक्ष्य में सफल हुए और श्रीराम के प्रिय भक्त बने। इसलिए हमें भी कभी हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने किसी भी तरह के तनाव/ चिंता को अपने जीवन पर हावी नहीं होने दिया। इसलिए हमें भी तनाव/ चिंता मुक्त रहना चाहिए। श्री हनुमान के व्यक्तित्व का यह आयाम हमें ज्ञान के प्रति 'समर्पण' की शिक्षा देता है। इसी के आधार पर हनुमान जी ने अष्ट सिद्धियों और सभी नौ निधियों की प्राप्ति की।

हनुमान जी के जीवन की सबसे बड़ी विशेषता निरअंहकारिता थी, जिसका आशय है कि वह इतने ताकतवर थे कि सूरज तक को खा गए थे। वह सब कुछ कर सकते थे, मगर उन्होंने कभी अहंकार नहीं किया। हम सभी को हनुमान जी से यह सीख लेनी चाहिए कि अपने अंदर के अहं भाव को जला दें और हमेशा विनम्र होकर रहना सीखें। उन्होंने हमें बताया कि जब आप धर्म के साथ खड़े हैं और अन्याय तथा अधर्म के विरुद्ध हैं, तो किस तरह आप उच्च पद प्राप्त करते हैं।

ज्ञानी मुनि प्रेम में पूर्णरूप से निमग्न हैं

दुखी देखकर प्रभु ने उसे अपने परम धाम को भेज दिया। फिर वे सुंदर छोटे भाई लक्ष्मणजी और सीताजी के साथ वहां आए जहां मुनि शरभंगजी थे। श्रीरामचंद्रजी का मुखकमल देखकर मुनिश्रेष्ठ के नेत्ररूपी भौंरे अत्यंत आदरपूर्वक उसका मकरन्दरस पान कर रहे हैं। शरभंगजी का जन्म धन्य है। मुनि ने कहा- हे कृपालु रघुवीर! हे शंकरजी के मनरूपी मानसरोवर के राजहंस! सुनिए, मैं ब्रह्मलोक को जा रहा था। इतने में कानों से सुना कि श्रीरामजी वन में आवेंगे। तबसे मैं दिन-रात आपकी राह देखता रहा हूं। अब (आज) प्रभु को देखकर मेरी छाती शीतल हो गई। हे नाथ! मैं सब साधनों से हीन हूं। आपने अपना दीन सेवक जानकर मुझपर कृपा की है। हे देव! यह कुछ मुझपर आपका एहसान नहीं है। हे भक्त-मनचोर! ऐसा करके आपने अपने प्रण की ही रक्षा की है। अब इस दीन के कल्याण के लिए तबतक यहां ठहरिए, जबतक मैं शरीर छोड़कर आपसे आपके धाम में न मिलूं। योग, यज्ञ, जप, तप जो कुछ व्रत आदि भी मुनि ने किया था, सब प्रभु को समर्पण करके बदले में भक्ति का वरदान ले लिया। इस प्रकार दुर्लभ भक्ति प्राप्त करके फिर चिता रचकर मुनि शरभंगजी हृदय से सब आसक्ति छोड़कर उसपर जा बैठे।

हे नीले मेघ के समान श्याम शरीर वाले सगुणरूप श्रीरामजी! सीताजी और छोटे भाई लक्ष्मणजी सहित निरन्तर मेरे हृदय में निवास कीजिए। ऐसा कहकर शरभंगजी ने योगाग्नि से अपने शरीर को जला डाला और श्रीरामजी की कृपा से वे वैकुंठ को चले गए। मुनि भगवान में लीन इसलिए नहीं हुए कि उन्होंने पहले ही भेद-भक्ति का वर ले लिया था। ऋषि समूह मुनिश्रेष्ठ शरभंगजी की यह दुर्लभ गति देखकर अपने हृदय में विशेषरूप से सुखी हुए। समस्त मुनिवृन्द श्रीरामजी की स्तुति कर रहे हैं और कह रहे हैं शरणागत हितकारी करुणाकन्द (करुणा के मूल) प्रभु की जय हो! फिर श्रीरघुनाथजी आगे वन में चले। श्रेष्ठ मुनियों के बहुत-से समूह उनके साथ हो लिए। हड्डियों का ढेर देखकर श्रीरघुनाथजी को बड़ी दया आई, उन्होंने मुनियों से पूछा। मुनियों ने कहा- हे स्वामी! आप सर्वदर्शी (सर्वज्ञ) और अन्तर्यामी हैं। जानते हुए भी अनजान की तरह हमसे कैसे पूछ रहे हैं? राक्षसों के दलों ने सब मुनियों को खा डाला है ये सब उन्हीं की हड्डियों के ढेर हैं। यह सुनते ही श्रीरघुवीर के नेत्रों में जल छा गया। श्रीरामजी ने भुजा उठाकर प्रण किया कि मैं पृथ्वी को राक्षसों से रहित कर दूंगा। फिर समस्त मुनियों के आश्रमों में जा-जाकर उनको सुख दिया। मुनि अगस्त्यजी के एक सुतीक्ष्ण नामक सुजान (ज्ञानी) शिष्य थे, उनकी भगवान में प्रीति थी। वे मन, वचन और कर्म से श्रीरामजी के चरणों के सेवक थे। उन्हें स्वप्न में भी किसी दूसरे देवता का भरोसा नहीं था।

उन्होंने ज्यों ही प्रभु का आगमन कानों से सुन पाया, त्यों ही अनेक प्रकार के मनोरथ करते हुए वे आतुरता (शीघ्रता) से दौड़ चले। हे विधाता! क्या दीनबन्धु श्रीरघुनाथजी मुझ-जैसे दुष्ट पर भी दया करेंगे? क्या स्वामी श्रीरामजी छोटे भाई लक्ष्मणजी सहित मुझसे अपने सेवक की तरह मिलेंगे? मेरे हृदय में दृढ़ विश्वास नहीं होता; क्योंकि मेरे मन में भक्ति, वैराग्य या ज्ञान कुछ भी नहीं है। मैंने न तो सत्संग, योग, जप अथवा यज्ञ ही किए हैं और न प्रभु के चरण कमलों में मेरा दृढ़ अनुराग ही है। हां, दया के भंडार प्रभु की एक बान है कि जिसे किसी दूसरे का सहारा नहीं है, वह उन्हें प्रिय होता है। भगवान की इस बान का स्मरण आते ही मुनि आनंदमग्न होकर मन-ही-मन कहने लगे- हे भवानी! ज्ञानी मुनि प्रेम में पूर्णरूप से निमग्न हैं। उनकी वह दशा कही नहीं जाती। उन्हें दिशा-विदिशा और रास्ता, कुछ भी नहीं सूझ रहा है। मैं कौन हूं और कहां जा रहा हूं, यह भी नहीं जानते। वे कभी पीछे घूमकर फिर आगे चलने लगते हैं और कभी प्रभु के गुण गा-गाकर नाचने लगते हैं। मुनि ने प्रगाढ़ प्रेमाभक्ति प्राप्त कर ली। प्रभु श्रीरामजी वृक्ष की आड़ में छिपकर भक्त की प्रेमोन्मत्त दशा देख रहे हैं। मुनि का अत्यंत प्रेम देखकर भवभय (आवागमन के भय) को हरने वाले श्रीरघुनाथजी मुनि के हृदय में प्रकट हो गए।

हृदय में प्रभु के दर्शन पाकर मुनि बीच रास्ते में अचल होकर बैठ गए।उनका शरीर रोमांच से कटहल के फल के समान हो गया। तब श्रीरघुनाथजी उनके पास चले आए और अपने भक्त की प्रेमदशा देखकर मन में बहुत प्रसन्न हुए। श्रीरामजी ने मुनि को बहुत प्रकार से जगाया, पर मुनि नहीं जागे; क्योंकि उन्हें प्रभु के ध्यान का सुख प्राप्त हो रहा था। तब श्रीरामजी ने अपने राजरूप को छिपा लिया और उनके हृदय में अपना चतुर्भुजरूप प्रकट किया। तब अपने इष्ट-स्वरूप के अन्तर्धान होते ही मुनि कैसे व्याकुल होकर उठे, जैसे श्रेष्ठ सर्प मणि के बिना व्याकुल हो जाता है। मुनि ने अपने सामने सीताजी और लक्ष्मणजीसहित श्यामसुंदर-विग्रह सुखधाम श्रीरामजी को देखा। प्रेम में मग्न हुए वे बड़भागी श्रेष्ठ मुनि लाठी की तरह गिरकर श्रीरामजी के चरणों में लग गए।श्रीरामजी ने अपनी विशाल भुजाओं से पकड़कर उन्हें उठा लिया और बड़े प्रेम से हृदय से लगा रखा।

डेट पर बिल भुगतान करने वाली लड़कियां होती हैं बेवकूफ, जया बच्चन के बयान ने बढ़ाई हलचल

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा इन दिनों अपने पॉडकास्ट 'व्हाट द हेल नव्या 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते दिन इसका लेटेस्ट एपिसोड जारी किया गया, जिसका शीर्षक 'माचो मिथ्स एंड मॉडर्न मेन' है। इस दौरान नव्या ने अपनी मां श्वेता बच्चन, भाई अगस्त्य नंदा और दादी जया बच्चन के साथ पुरुषों और टॉक्सिसिटी पर चर्चा की। हालांकि, जब नव्या ने महिलाओं के स्वतंत्र महसूस करने और डेट पर खाने के लिए भुगतान करने की इच्छा का विषय उठाया, तो जया ने इसे बेवकूफी करार दे दिया। दिग्गज अभिनेत्री का बयान जबरदस्त सुर्खियों में है।

पॉडकास्ट में नव्या समझा रही थीं कि महिलाएं आज बेहद सशक्त हो गई हैं और स्वतंत्र रूप से काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए आज अगर आप किसी लड़की को डेट पर ले जाते हैं और भुगतान करने की पेशकश करते हैं, तो कुछ इससे नाराज हो जाती हैं क्योंकि महिलाएं अब महसूस करती हैं कि वे समान हैं...' लेकिन इससे पहले की नव्या अपनी बात पूरी कर पातीं उन्हें उनकी दादी जया बच्चन बीच में ही काट देती हैं।

जया बच्चन चिल्लाकर कहती हैं, 'वे महिलाएं कितनी बेवकूफ हैं। आपको पुरुषों को भुगतान करने देना चाहिए।' हालांकि, इस पर अगस्त्य नंदा की सोच थोड़ी अलग थी। उन्होंने कहा, 'अगर आप कहना चाहते हैं कि मुझे इस भोजन के लिए भुगतान करना अच्छा लगेगा तो इसमें कुछ गलत नहीं है क्योंकि आप कुछ अच्छा करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मैं लड़का हूं तो मैं ही भुगतान करूंगा।'

इसके बाद नव्या अपनी दादी और मां से सवाल करती हैं कि उन्होंने अपने दौर में और इस दौर में पुरुषों में क्या बदलाव देखा है? इस पर श्वेता बच्चन ने कहा, 'हमारे समय में हमेशा से यह माना जाता था कि एक पुरुष को मजबूत होना चाहिए और चुप रहना चाहिए। यहां तक कि जब आप डेटिंग कर रहे हैं, तो भी आप लड़के का इंतजार करो। वही आपके पास आएगा और प्रपोज करेगा।'

जया बच्चन ने कहा, 'बेहतर होगा कि पुरुष ही पहले प्रपोज करें। वरना, मुझे तो बहुत अजीब लगेगा।' जया बच्चन का यह बयान जबरदस्त सुर्खियों में है। वहीं, पॉडकास्ट 'व्हाट द हेल नव्या' सीजन 2 को लोग काफी सराह रहे हैं। नव्या अपने शो के नए सीजन में अपनी नानी जया बच्चन और मां श्वेता बच्चन के साथ प्यार और शादी जैसे मुद्दों पर खुलकर बातें करती नजर आ रही हैं।

मूड' के अनुसार पहनती हूं कपड़े : दिशा

मैं अपने स्टाइल को आमतौर पर कैजुअल रखना पसंद करती हूं। ज्यादातर समय, मैं अपने बास्केटबॉल शॉर्ट्स और बड़े आकार की शर्ट में रहती हूं। केवल जब मैं बाहर जाती हूं तो ही सजना-संवरना पसंद करती हूं।

दिशा पाटनी ने अपना करियर तेलुगु फिल्मों से शुरू किया था। जब एक बार दिशा एक इवेंट के लिए मुम्बई आई, उसके बाद तो मॉडलिंग और फिल्मों का तांता-सा लग गया। बॉलीवुड में फिल्म 'एम. एस. धोनी -द अनटोल्ड स्टोरी' में एक छोटा-सा किरदार निभा कर उसने फिल्मकारों के साथ ही दर्शकों के दिलों में भी अपने लिए खास जगह बना ली।

दिशा को उसके अभिनय से कहीं ज्यादा आज कमाल की फिटनैस और शानदार फिगर के लिए पहचाना जाने लगा है। आज मायानगरी के सबसे फिट सितारों में से एक, दिशा की फिटनैस को लेकर दीवानगी उसकी बातों से साफ झलकती है।

वह कहती है, फिटनैस मेरे लिए थैरेपी की तरह है। वर्कआऊट करते हुए मैं खुद को बहुत शांत महसूस करती हूं। मैं वर्कआऊट की एक विशेष शैली से बंधी नहीं रहती, मुझे प्रयोग और खोज करने में आनंद आता है। जब मैं खुद को चुनौती देती हूं तो मुझे मजा आता है। वर्कआऊट का उद्देश्य फिट रहना है और मेरा काम भी ऐसा है, जो इसकी मांग करता है। उम्मीद है कि भविष्य में मैं खुद को इस क्षेत्र में एक उद्यमी के रूप में स्थापित करना पसंद करूंगी।

पर्सनल स्टाइल

उसकी मेहनत ही है कि उसका फिगर रूपहले पर्दे और बाहर दोनों जगह इतना शानदार नजर आता है। इस पर जब वह सबसे ग्लैमरस पहनावे में सज-धज कर इवेंट्स में पहुंचती है तो सबकी नजरें उसी पर ठहर जाती हैं लेकिन दिशा का पर्सनल स्टाइल सरल और आरामदायक है।

वह बताती है, मैं निजी जिंदगी में डिजाइनर कपड़े नहीं पहनती। मैं अपने स्टाइल को आमतौर पर कैजुअल रखना पसंद करती हूं और अपने मूड के अनुसार कपड़े पहनना पसंद करती हूं। ज्यादातर समय, मैं अपने बास्केटबॉल शॉर्ट्स और बड़े आकार की शर्ट में रहती हूं। केवल जब मैं बाहर जाती हूं तो ही सजना-संवरना पसंद करती हूं।

'बरेली' से 'बम्बई' की कहानी

दिशा की कहानी बरेली से बम्बई तक की है। अपना करियर बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के शहर बरेली से मायानगरी मुम्बई (बम्बई) आए उसे 18 साल हो गए हैं और समय तथा अनुभव के साथ उसका करियर भी विकसित हुआ है। वह कहती है, अब मैं अधिक खुल कर बोलती हूं और साक्षात्कारों में पहले से अधिक सहज महसूस करती हूं। मैंने बातचीत करना सीख लिया है क्योंकि मुझसे मिलने वाले हर किसी के लिए स्थिति अजीब सी हो जाती थी। मैं अब अधिक अनुशासित हूं। जब मैं छोटी थी तो मैं प्रवाह के साथ चलने वाली इंसान थी लेकिन अब यह बदल गया है, मैं आज बहुत अधिक जिम्मेदार हूं।

पसंद है सफर करना

दिशा दिखने में एक बेहद शांत लड़की लग सकती है लेकिन वह जानती है कि जिंदगी का कैसे आनंद लेना है। वह कहती है, मुझे यात्रा प्यारी लगती है! जब मैं यात्रा करती हूं, तो मुझे अलग-अलग व्यंजन आजमाना पसंद है; मुझे घूमना- फिरना और अन्य संस्कृतियों का अनुभव करना अच्छा लगता है।

अगली फिल्में

वह अपनी अगली फिल्मों के बारे में बताती है, मेरे पास 'योद्धा', 'कल्की 2898 एडी', 'कंगुआ' और 'वैल्कम टू द जंगल' जैसी फिल्में हैं। हालांकि मुझे पता नहीं कि ये कब रिलीज होंगी। अभी इनमें से कुछ की शूटिंग पूरी करनी है! मैंने एक नई फिल्म भी साइन की है, लेकिन अभी इसके बारे में बात नहीं कर सकती। उम्मीद है, सबको जल्द ही पता चल जाएगा। सूत्रों की मानें तो प्रभास के साथ फिल्म 'कल्की 2898 एडी' में दिशा का एक आइटम सॉन्ग भी होगा। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि दिशा इस फिल्म में नैगेटिव रोल में नजर आ सकती है। दूसरी ओर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ उसकी फिल्म 'योद्धा' का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। इस फिल्म की कहानी प्लेन हाईजैक के इर्द-गिर्द घूमती है। टीजर के कुछ सीन्स में संसद भवन को भी शामिल किया गया है। आतंकवादियों से जंग की इस कहानी में सिद्धार्थ मल्होत्रा पर देश और देशवासियों को बचाने की जिम्मेदारी है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में दिशा भी कुछ जबरदस्त एक्शन सीन करती हुई नजर आएगी।

तनीषा ने शादी की योजना का किया खुलासा, बोलीं- 'साथ जीने के लिए एक खास शख्स की चाहत होती है'

काजोल की बहन और अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने हिंदी, तमिल और तेलुगु सहित कई भाषाओं की फिल्मों में काम किया है। अपनी फिल्मों के साथ-साथ एक्ट्रेस एक फिल्म एक्टर के साथ अपने कथित रिलेशन को लेकर भी काफी वक्त चर्चा में रहीं। एक्टर से तनीषा की मुलाकात एक रियलिटी शो के दौरान हुई थी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान तनीषा ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में बात की। इसके साथ-साथ एक्ट्रेस ने अपनी शादी की प्लानिंग का भी जिक्र किया।

बोलीं- 'लोगों को जिज्ञासु होने दें'

काफी वक्त पहले तनीषा मुखर्जी एक्टर अरमान कोहली के साथ रिश्ते को लेकर सुर्खियों में रही थीं। हालांकि, करीब सालभर की डेटिंग के बाद इनकी राहें जुदा हो गईं। तनीषा का कहना है कि वे अपने काम पर फोकस कर रही हैं, जिसमें उनका गहरा यकीन है। अपनी शादी की प्लानिंग पर बात करते हुए तनीषा ने कहा कि 'इसे लेकर लोगों को उत्साहित और जिज्ञासु होने दें। उत्साहित होने का उनका पूरा अधिकार है, लेकिन अपनी निजता बनाए रखने का मेरा भी पूरा हक है'।

शादी को लेकर कही ये बात

तनीषा ने आगे कहा, 'मेरे ख्याल से शादी उन लोगों के लिए एक शानदार संस्था है, जो इसे समझते हैं और जिन्हें सही साथी मिल जाता है। यह खूबसूरत है। लेकिन जहां तक मेरी बात है तो मैं प्रस्ताव करती रहती हूं और भगवान उसे निपटाते रहते हैं। हर कोई एक खास शख्स चाहता है, जिसके साथ जिंदगी बिताई जा सके'।

मराठी सिनेमा में करेंगी डेब्यू

तनीषा की निजी जिंदगी की बात करें तो वे फिल्मी परिवार से आती हैं। उनके पिता शोमू मुखर्जी मशहूर फिल्म निर्माता थे। मां तनुजा अपने दौर की चर्चित एक्ट्रेस रही हैं। बड़ी बहन काजोल का इंडस्ट्री में अपना नाम है। तनीषा ने भी फिल्मों में काम किया है। कई भाषाओं की फिल्मों में हाथ आजमाने के बाद अब वह मराठी सिनेमा में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। तनीषा ने एक्टिंग डेब्यू वर्ष 2003 में फिल्म 'श्श' से किया था।

मौत की झूठी अफवाह फैलाकर कानूनी पचड़े में फंसीं पूनम पांडे? अभिनेत्री ने चुप्पी तोड़ बताया सच

मॉडल-अभिनेत्री पूनम पांडे बीते दिनों जबरदस्त सुर्खियों में रहीं। पूनम ने अपनी मौत की झूठी अफवाह फैलाई और बाद में आकर सफाई दी कि उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए यह कदम उठाया था। इसके बाद अभिनेत्री खूब ट्रोल हुईं। साथ ही उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी जानकारी सामने आई। वहीं, अब इस पर खुद पूनम ने चुप्पी तोड़ी है और सच का खुलासा किया है।

पूनम पांडे पर कानूनी कार्रवाई नहीं!

पूनम पांडे ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी मौत की झूठी कहानी बनाकर सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने अब साफ किया है कि उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। हालिया इंटरव्यू में पूनम पांडे ने इस मामले में कुछ जानकारियां साझा कीं। पूनम ने कहा कि उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अफवाहों के विपरीत उनके खिलाफ कोई मामला नहीं है।

पूनम पांडे ने मानी गलती?

पूनम पांडे ने कहा कि वह एक संतुष्ट जीवन जी रही हैं, खाना पकाने जैसी दैनिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और अपनी शूटिंग कमिटमेंट्स को जारी रख रही हैं।

अपने विवादास्पद अभियान के परिणामों पर विचार करते हुए, पूनम ने स्वीकार किया कि वह हैरान और उदास महसूस कर रही हैं।

उन्होंने अपने उठाए गए कदम पर आलोचनाओं को स्वीकार किया लेकिन इस बात पर जोर दिया कि अभियान ने सफलतापूर्वक सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाई।

बबीता फोगाट ने किया पूनम का समर्थन!

पूनम पांडे ने खुलासा किया कि पहलवान बबीता फोगाट उनके समर्थन में आगे आईं और उन्होंने खुलासा किया कि उनके घर में दो महिलाएं सर्वाइकल कैंसर से जूझ रही थीं। भावनात्मक दबाव और आहत करने वाली टिप्पणियों के बावजूद, पूनम ने एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दे पर अपने अभियान की सफलता पर प्रकाश डाला। वर्कफ्रंट की बात करें तो पूनम पांडे को आखिरी बार वेब सीरीज 'हनीमून स्वीट रूम नंबर 911' में देखा गया था।

करण के जन्मदिन पर बिपाशा ने वीडियो साझा कर लुटाया प्यार, बोलीं- मेरी मुस्कान की वजह तुम

अभिनेत्री बिपाशा बसु इन दिनों अपने पति करण सिंह ग्रोवर और बेटी देवी के साथ क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। अभिनेत्री आए दिन अपनी बेटी और पति के साथ बिताए खूबसूरत पलों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। आज उनके पति और अभिनेता करण सिंह ग्रोवर का जन्मदिन है। करण के 42वें जन्मदिन पर बिपाशा ने अनोखे अंदाज में उनकी मनमोहक तस्वीरें साझा करके शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने एक दिल छू लेने वाला नोट भी साझा किया है।

करण को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

बिपाशा बसु ने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से करण सिंह ग्रोवर को खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने करण की एक प्यारी वीडियो साझा की है, जिसमें वे पूल में स्विमिंग करते नजर आ रहे हैं। वहीं, बिपाशा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा की हैं। एक वीडियो में करण और बिपाशा अपनी बेटी के साथ धूप में बैठे नजर आ रहे हैं। वहीं, दूसरी वीडियो में अभिनेत्री अपने पति करण के साथ डांस करती नजर आ रही हैं।

बिपाशा ने पति पर लुटाया प्यार

उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मंकी प्रिंस बनाम पेगासस जन्मदिन मुबारक हो। करण तुम ही वह कारण हो जिसके लिए मैं मुस्कुराती हूं। आप सबसे अच्छे पिता और सबसे अच्छे पति हैं। मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती कि हम दोनों तुमसे कितना प्यार करते हैं। मैं और देवी आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हैं और कामना करते हैं कि आपके सभी सपने सच हों। हम आपसे बहुत प्यार करते हैं, स्वस्थ रहो, हमेशा मुस्कराते रहो करण।'

करण सिंह ग्रोवर का वर्कफ्रंट

करण सिंह ग्रोवर के वर्कफ्रंट की बात करें, तो हाल ही में वे 'फाइटर' में नजर आए हैं। फिल्म में ऋतिक और दीपिका के अलावा अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय और संजीदा शेख भी हैं।

फाइटर' का निर्माण वायकॉम 18 स्टूडियोज और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स द्वारा किया गया है। यह फिल्म निर्माता के रूप में सिद्धार्थ आनंद और उनकी पत्नी ममता आनंद की पहली फिल्म है। सिद्धार्थ आनंद, इससे पहले 'वॉर' और 'पठान' जैसी सफल एक्शन फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

माधवन के लुक को देखकर कुछ ऐसी थी पत्नी की प्रतिक्रिया

अभिनेता आर माधवन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'शैतान' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। बीते दिन निर्माताओं ने इस फिल्म का दमदार ट्रेलर जारी किया, जिसने दर्शकों को पूरी तरह से आश्चर्यचकित कर दिया। आर माधवन के खौफनाक अवतार की दर्शक जमकर तारीफ कर रहे हैं और फिल्म को देखने के लिए उनका उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया है। वहीं, अब आर माधवन ने एक बातचीत के दौरान अपने 'शैतान' लुक पर अपनी पत्नी की प्रतिक्रिया साझा की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस फिल्म ने उनकी निजी जिंदगी को प्रभावित किया है।

अभिनेता ने बताया, 'जब मैंने अपनी पत्नी को शैतान से अपना पहला लुक का पोस्टर और ट्रेलर दिखाया, तो वे मुझे बिल्कुल अलग तरीके से देखने लगीं।' अभिनेता ने चुटकी लेते हुए कहा, 'अब मैं उनसे बात करते हुए दुरी बनाकर रखता हूं। इसलिए, मुझे लगता है कि इस फिल्म ने मेरे निजी जीवन को प्रभावित किया है।' आर माधवन

ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, 'जब मैंने फिल्म करने का फैसला किया था, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि हम दर्शकों को किस स्तर तक डराने की योजना बना रहे हैं। इस किरदार को करने से पहले, मैंने यह बिल्कुल भी नहीं सोचा था कि असल जिंदगी में भी लोग मेरे पास आने से डरेंगे।'

आर माधवन की फिल्म की बात करें, तो 'शैतान' में उनके साथ अजय देवगन और ज्योतिका मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। अजय देवगन की यह फिल्म आठ मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

आर माधवन के वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेता के पास इस साल चार फिल्में पाइपलाइन में हैं। आर माधवन फिल्म 'शैतान' के अलावा फिल्म 'टेस्ट' में काम करेंगे। इस फिल्म में उनके साथ साउथ अभिनेत्री नयनतारा नजर आएंगी। इसके साथ ही आर माधवन की तमिल फिल्म 'अधिरष्टसाली' और 'जीडी नायडू बायोपिक' भी पाइपलाइन में हैं।

पिता-भाई को खोया, आर्थिक तंगी के कारण क्रिकेट छोड़ी, अब इंग्लैंड के खिलाफ किया यादगार डेब्यू

बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने इंग्लैंड के खिलाफ रांची में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। 27 साल के इस खिलाड़ी ने पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के चौथे मुकाबले में उतरते ही कमाल कर दिया। उन्होंने इंग्लैंड की पहली पारी में शुरुआती तीन विकेट लेकर धमाल मचा दिया। आकाश को अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह खेलने का मौका मिला। बुमराह को आराम दिया गया है। आकाश ने कप्तान रोहित शर्मा के भरोसे को सही साबित किया और यादगार प्रदर्शन किया।

आकाश के लिए राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का सफर आसान नहीं रहा। मूलरूप से बिहार के रहने वाले इस खिलाड़ी ने अपने जीवन में संघर्ष के कई दौर देखे हैं। कभी पिता-भाई के निधन ने तोड़ा तो कभी आर्थिक तंगी के कारण क्रिकेट छोड़ना पड़ा। आकाश के पिता उन्हें सरकारी नौकरी करते देखना चाहते थे। उन्होंने कई परीक्षाएं भी दीं, लेकिन उनके मन में हमेशा क्रिकेट चल रहा था। पढ़ाई में उतना मन नहीं लगता था। वह क्रिकेट के लिए ज्यादा समय निकालते थे।

बचपन में लोग सुनाते थे ताने

आकाश ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा था कि लोग बचपन में उन्हें ताने सुनाते थे। यहां तक के दोस्तों के घर वाले भी उनकी बुराई करते थे। अपने बच्चों को उनसे दूर रहने की सलाह देते थे। भारतीय तेज गेंदबाज ने बताया कि लोग यह कहते थे कि आकाश से दूर रहो। उसके संगत में रहकर बिगड़ जाओगे। हालांकि, आकाश अब किसी की आलोचना नहीं करते हैं।

सबसे कठिन रहा साल 2015

आकाश के लिए 2015 उनके जीवन का सबसे कठिन साल रहा। उन्होंने छह महीने के अंदर अपने पिता और भाई दोनों को खो दिया था। पिता का निधन स्ट्रोक के कारण हुआ था। वहीं, दो महीने बाद उनके भाई ने भी दुनिया छोड़ दी। आकाश के घर में पैसे नहीं थे। उन्हें अपनी मां की देखभाल करनी थी। इस कारण उन्होंने क्रिकेट को तीन साल के लिए छोड़ दिया था। बाद में आकाश को लगा कि वह क्रिकेट से ज्यादा दिन दूर नहीं रह सकते हैं। इसके बाद दुर्गापुर चले गए। वहां से फिर कोलकाता पहुंचे। एक छोटे से कमरे में भाई के साथ रहने लगे।

दोस्त और चाचा ने की मदद

आकाश अपने दोस्त का शुक्रिया हमेशा करते हैं। उन्होंने बताया कि दोस्त ने ही उन्हें बुरे समय में काफी मदद की। दुर्गापुर में उन्हें क्लब क्रिकेट में खेलने का मौका मिला। टेनिस गेंद की क्रिकेट से उनकी कमाई हो जाती है। दुर्गापुर में चाचा ने भी काफी मदद की। उन्होंने आकाश को मुश्किलों से बाहर निकाला और क्रिकेट पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। आकाश ने 2019 में बंगाल के लिए पहला प्रथम श्रेणी मैच खेला। उसी साल लिस्ट ए और टी20 फॉर्मेट में भी डेब्यू का मौका मिला।

आकाश का करियर

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एंट्री से पहले आकाश ने बंगाल के लिए 30 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 104 विकेट लिए। लिस्ट ए के 28 मैचों में उनके नाम 42 विकेट हैं। वहीं, 41 टी20 में उन्होंने 48 विकेट झटके हैं। आकाश आईपीएल में विराट कोहली की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हैं। उन्होंने टीम के लिए सात मैचों में छह विकेट लिए हैं।

यशस्वी जायसवाल के पास 94 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी करने का मौका

इंग्लैंड के खिलाफ रांची टेस्ट मैच में लगातार दो दोहरा शतक लगा चुके भारतीय युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर सबकी निगाहें टिकी रहने वाली है। मजबूत इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी जिस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं उसके बाद उनसे उम्मीदें बढ़ रही है। उन्होंने इंग्लिश टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में और फिर तीसरे टेस्ट मैच में भी दोहरा शतक लगाया था। अगर उन्होंने चौथे टेस्ट मैच में भी दोहरा शतक लगा दिया तो भारत के लिए इतिहास रच देंगे तो वहीं वह डॉन ब्रेडमैन के बाद ऐसा कमाल करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज भी बन जाएंगे।

भारत के लिए रच सकते हैं इतिहास

भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में बैक-टू-बैक दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज विनोद कांबली और विराट कोहली हैं। इन दोनों के बाद यशस्वी जायसवाल ने यह कमाल भारत के लिए किया और इन दोनों दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो गए, लेकिन भारत की तरफ से लगातार तीन टेस्ट में दोहरा शतक लगाने का कमाल किसी भी बल्लेबाज ने नहीं किया है। अगर रांची टेस्ट मैच में यशस्वी जायसवाल ने दोहरा शतक लगा दिया तो वह भारत की तरफ से लगातार तीन टेस्ट मैचों में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे।

डॉन ब्रेडमैन की कर सकते हैं बराबरी

वर्ल्ड क्रिकेट में लगातार दो टेस्ट में दोहरा शतक लगाने का कमाल अब तक वॉली हेमंड, डॉन ब्रेडमैन, विनोद कांबली, कुमार संगकारा, माइकल क्लार्क, विराट कोहली और अब यशस्वी जायसवाल ने किया है। वहीं तीन टेस्ट मैचों में लगातार तीन दोहरा शतक लगाने का कमाल सिर्फ डॉन ब्रेडमैन ने किया था और उन्होंने यह कमाल साल 1930 में एशेज सीरीज में इग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में ही किया था। अगर यशस्वी जायसवाल रांची टेस्ट में दोहरा शतक लगा देते हैं तो वह ब्रेडमैन के 94 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे और टेस्ट क्रिकेट में लगातार तीन दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे।

दूसरे मैच में 72 रन से हारी कीवी टीम, ऑस्ट्रेलिया ने 15 साल बाद न्यूजीलैंड में जीती टी20 सीरीज

ऑस्ट्रेलिया ने 23 फरवरी 2024 को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 72 रन से जीत हासिल की। इसके साथ ही उसने तीन टी20 की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल की। अब वह सीरीज में 2-0 से आगे है। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड में 15 साल बाद टी20 सीरीज जीती है। इससे पहले उसने न्यूजीलैंड में आखिरी टी20 सीरीज फरवरी 2009 में जीती थी। ऑस्ट्रेलिया की न्यूजीलैंड यह छठी द्विपक्षीय टी20 सीरीज थी। इससे पहले उसने 5 द्विपक्षीय टी20 सीरीज में तीन जीती थीं, जबकि 1 ड्रॉ रही थी। एक सीरीज न्यूजीलैंड ने अपने नाम की है। ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए इस मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 10 विकेट गंवाकर 174 रन बनाए। उसकी ओर से ट्रेविस हेड हाइएस्ट स्कोरर रहे। वह 22 गेंद में 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे। न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने 3.5 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट चटकाए। एडम मिल्ने, बीन सीयर्स और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड शुरुआती झटकों के बाद उबर नहीं पाई। ग्लेन फिलिप्स ने कोशिश जरूर की, लेकिन दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। ग्लेन फिलिप्स 3 चौके और 2 छक्के की मदद से 35 गेंद में 42 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जोश क्लार्कसन ने 13 गेंद में 10 और ट्रेंट बोल्ट ने 11 गेंद में 16 रन बनाए। इन तीनों के अलावा कोई भी कीवी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा ने 34 रन देकर 4 विकेट चटकाए। नाथन एलिस ने दो विकेट झटके।

जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिचेल मार्श ने एक-एक विकेट लिए। न्यूजीलैंड की ओर से डेवोन कॉनवे बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। उनका अंगूठा चोटिल है। इस तरह न्यूजीलैंड की टीम 17 ओवर में 9 विकेट पर 102 रन ही बना पाई। पैट कमिंस प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

शाहरुख खान ने मेग लैनिंग के साथ सिग्नेचर पोज दिया : हरमनप्रीत को गले भी लगाया

बॉलीवुड के बादशाह के नाम से मशहूर शाहरुख खान और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम की कप्तान मेग लैनिंग गुरुवार को मैदान पर शाहरुख का सिग्नेचर स्टेप करते नजर आए। दोनों स्टार विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) की ओपनिंग सेरेमनी के रिहर्सल पर मिले थे। WPL ने गुरुवार को सोशल मीडियो में एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में शाहरुख लैनिंग को अपना सिग्नेचर स्टेप सिखाते नजर आए। वे भारतीय लीग में हिस्सा ले रही भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली और मेग लैनिंग साथ दिखे।

'आज तू रेस हार गया न...', शोएब अख्तर ने हरभजन सिंह को छेड़ा तो मिला करारा जवाब

क्रिकेट में जब बात भारत और पाकिस्तान के मैच की आती है तो दूसरे सभी मैच फीके पड़ जाते हैं। सुनील गावस्कर और जावेद मियांदाद के दिनों से लेकर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और शोएब अख्तर के बीच प्रतिद्वंद्विता तक, टक्कर देखने लायक होती थी। हालांकि, दोनों देश के खिलाड़ियों ने मैदान के बाहर एक-दूसरे के साथ अपने संबंधों के बारे में भी बात की है। भारत और पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स कई बार यह कह चुके हैं कि मैदान के अंदर कोई भी दुश्मनी हो, लेकिन मैदान के बाहर दोस्ती उतनी ही गहरी होती थी। अख्तर ने अक्सर स्पिनर हरभजन सिंह सहित कई भारतीय खिलाड़ियों के साथ अपने ब्रोमांस के किस्से सुनाए हैं।

ब्रोमांस की बात करें तो अख्तर और हरभजन ने हाल ही में यूएई में एक-दूसरे के साथ मुलाकात की। दोनों पूर्व खिलाड़ी वर्तमान में चल रही अबू धाबी टी10 लीग में विशेषज्ञ के रूप में काम कर रहे हैं। इस बीच दोनों ने मैच के बीच में एक दूसरे के साथ काफी मजाक किया। अख्तर ने इसका वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया है। वीडियो में अख्तर और हरभजन को स्प्रिंट रेस करते हुए देखा जा सकता है, जिसके बाद दोनों मजाक करते हैं।

अख्तर को यह कहते हुए सुना जा सकता है- हर बार मैं जब भी भज्जी के साथ कोई वीडियो पोस्ट करता हूं, लाखों व्यूज मिलते हैं। आज तू रेस हार गया न, व्यू बढ़वा दिए। इस पर हरभजन जवाब देते हैं- 40 लाख व्यूज आने चाहिए। इस पर अख्तर कहते हैं- 40 लाख नहीं, 4 करोड़। अख्तर का करियर चोट से भरा रहा है। उन्होंने भारत में 2011 विश्व कप के बाद घुटने से संबंधित कारणों से संन्यास का एलान कर दिया था।

1997 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले अख्तर ने 46 टेस्ट में 178 विकेट लिए, जिनमें से आखिरी 2007 में बैंगलोर में भारत के खिलाफ था। उन्होंने 163 वनडे मैचों में 247 विकेट हासिल किए और 15 टी20 में 19 विकेट भी लिए। दूसरी ओर, हरभजन ने 2021 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। ऑफ स्पिनर 2000 के दशक में सभी प्रारूपों में भारतीय टीम का एक अभिन्न हिस्सा थे और एमएस धोनी की कप्तानी में टीम के साथ 2007 आईसीसी टी20 और 2011 आईसीसी वनडे विश्व कप जीता था। हरभजन ने 2001 में प्रसिद्धि हासिल की क्योंकि उन्होंने भारत को स्टीव वॉ की ऑस्ट्रेलियाई टीम को घरेलू टेस्ट सीरीज में हराने में अहम भूमिका निभाई थी।

हरभजन ने 17 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मार्च 1998 में बेंगलुरू में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने 103 टेस्ट मैचों में 417 विकेट लिए। उन्होंने 236 वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने 269 विकेट लिए। उन्होंने 28 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 25 विकेट भी चटकाए।

आकाश दीप ने क्रॉले को 2 बार बोल्ड किया : सिराज की बाउंसर पर लड़खड़ाए इंग्लिश ओपनर

, DRS नहीं होने के कारण रॉबिनसन को जीवनदान; मोमेंट्स

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का चौथा मैच रांची में खेला जा रहा है। शुक्रवार को मुकाबले के पहले दिन इंग्लैंड ने 7 विकेट के नुकसान पर 302 रन बनाए। मुकाबले में तेज गेंदबाज आकाश दीप ने डेब्यू किया। वह तीन विकेट ले चुके हैं। आकाश ने चौथे ओवर में क्रॉले को बोल्ड किया, लेकिन उनकी गेंद नो-बॉल करार दी गई।

1. आकाश दीप भारत के लिए टेस्ट खेलने वाले 313वें खिलाड़ी

जसप्रीत बुमराह को चौथे टेस्ट के लिए रेस्ट दिया गया। उनकी जगह आकाश दीप ने डेब्यू किया। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने आकाश दीप को डेब्यू कैप दी। आकाश दीप भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले 313वें खिलाड़ी बने। इस दौरान उनकी मां भी स्टेडियम में मौजूद थीं।

आकाश दीप को भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने डेब्यू कैप पहनाई।

2. सिराज की बाउंसर पर बिगड़ा क्रॉले का बैलेंस

पहले ओवर में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के ओपनर जैक क्रॉले को बाउंसर डाली। इस बॉल को खेलते समय क्रॉले लड़खड़ा गए। वह बॉल संभाल नहीं सके और बॉल शॉर्ट लेग पर गई, हालांकि गिल के दूर रही।

3. आकाश दीप ने नो-बॉल पर क्रॉले को बोल्ड किया

आकाश दीप ने डेब्यू टेस्ट में शानदार शुरुआत करते हुए चौथे ओवर में जैक क्रॉले को बोल्ड कर दिया था, लेकिन फील्ड अंपायर ने उनकी इस बॉल को नो-बॉल करार दिया। क्रॉले इस बॉल को डिफेंस करने गए और बोल्ड हो गए।

आकाश दीप और बाकी प्लेयर्स खुशी मनाने लगे। क्रॉले भी 4 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौटने लगे, लेकिन अंपायर ने उन्हें रोक लिया। थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखा और गेंद को नो-बॉल करार दे दिया, क्योंकि आकाश का पैर क्रीज से बाहर था। हालांकि, उन्हें विकेट के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। उन्होंने 9वें ओवर की दूसरी बॉल पर बेन डकेट को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया।

4. आकाश दीप ने क्रॉले को दोबारा बोल्ड मारा

आकाश दीप ने जैक क्रॉले (42 बॉल पर 42 रन) को दूसरी बार बोल्ड कर दिया। 12वें ओवर की 5वीं बॉल गुड लेंथ पर टप्पा खाकर इन स्विंग हुई और स्टंप्स से टकरा गई। इससे पहले आकाश ने चौथे ओवर में क्रॉले को बोल्ड किया था, लेकिन वह नो-बॉल करार दी गई।

5. ओली पोप और बेयरस्टो DRS पर आउट

इंग्लिश बल्लेबाज ओली पोप और जॉनी बेयरस्टो DRS पर आउट हुए। इन दोनों को फील्ड अंपायर्स ने नॉटआउट करार दिया था। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने DRS लिया और थर्ड अंपायर ने फील्ड अंपायर का फैसला पलट दिया।

10वें ओवर की दूसरी बॉल पर आकाश दीप ने पोप को LBW किया। फिर 22वें ओवर की दूसरी बॉल पर रविचंद्रन अश्विन ने बेयरस्टो को पवेलियन की राह दिखाई।

6. DRS खत्म, आउट होने के बावजूद नॉटआउट रहे रॉबिनसन

81वें ओवर की तीसरी बॉल पर ओली रॉबिनसन को जीवनदान मिला। जब वह 8 रन पर खेल रहे थे। दरअसल, रवींद्र जडेजा की बॉल रॉबिनसन के पैड पर लगी। जडेजा ने LBW की अपील की, लेकिन फील्ड अंपायर ने अपील को नकार दिया। यहां भारत के पास DRS नहीं बचा था। बाद में रिप्ले देखने से पता चला कि अगर रिव्यू लिया जाता तो रॉबिनसन LBW हो जाते।

मुकेश अंबानी की इस कंपनी ने दिखाया जलवा, छप्पर फाड़ बरसा पैसा

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। एशिया के सबसे अमीर इंसान मुकेश अंबानी की एक कंपनी लोगों को छप्पर फाड़ रिटर्न दे रही है। रिलायंस ग्रुप की इस कंपनी को रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग करके हाल में ही शेयर बाजार में लिस्ट कराया गया है। शुक्रवार को कारोबार के दौरान कंपनी के शेयर प्राइस ने 14 प्रतिशत से अधिक छलांग लगाई है।

जी हां, यहां बात हो रही है रिलायंस ग्रुप की जियो फाइनेंशियल सर्विसेस लिमिटेड की। शुक्रवार को कंपनी का शेयर लगातार 5वें दिन बढ़त का रुख लिए रहा। ये दिन में कारोबार के दौरान 14 प्रतिशत से भी अधिक चढ़कर 347 रुपए के भाव पर पहुंच गया। अगर जनवरी 2024 की शुरुआत से अब तक देखें तो इसका शेयर प्राइस 44% तक चढ़ा है।

मार्केट कैपिटलाइजेशन पहुंचा 2 लाख करोड़ के पार

जियो फाइनेंशियल सर्विसेस के शेयर में उछाल के बाद इसका मार्केट कैपिटलाइजेशन 2 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। सुबह के कारोबार में जियो फाइनेंशियल का शेयर 8 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 326 रुपए पर खुला। फिर कारोबार के दौरान 347 रुपए के उच्च स्तर पर पहुंच गया। बीते 5 दिन में कंपनी के शेयर प्राइस में 23.67 प्रतिशत की ग्रोथ आई है। जबकि 1 महीने के अंदर इसका शेयर प्राइस 41.20 प्रतिशत चढ़ गया। अगर कंपनी के लिस्ट होने से अब तक देखें तो इसके शेयर प्राइस में 58.16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है।

लोगों के पास आया छप्पर फाड़ पैसा

जियो फाइनेंशियल सर्विसेस ने अपना आईपीओ 265 रुपए प्रति शेयर के भाव पर निकाला था। हालांकि बाद में अगस्त 2023 में लिस्टिंग के वक्त ये 214 रुपए तक गया और बाद में 204 रुपए तक के निचले स्तर पर भी गया। लेकिन सिर्फ 6 महीने में ही इसने जबरदस्त ग्रोथ हासिल की और अब अपने निवेशकों पर छप्पर फाड़ रिटर्न बरसाया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने फाइनेंस सर्विस बिजनेस को अलग करके जियो फाइनेंशियल को अलग से लिस्ट कराया है। कंपनी अभी बी2बी फाइनेंस में काम करती है, जल्द ही ये इंश्योरेंस सेक्टर में उतरने की योजना बना रही है।

पेटीएम ग्राहकों को बड़ी राहत आरबीआई के इस कदम से आसान होगा यूपीआई अकाउंट ट्रांसफर

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। आरबीआई ने पेटीएम को बड़ी राहत दी है। अब एनसीपीआई को पेटीएम की मदद करने को कहा है। इससे ग्राहकों को काफी फायदा पहुंचेगा। चलिए समझते हैं कि केंद्रीय बैंक के इस आदेश का आम जनता को कितना फायदा मिलने वाला है? आरबीआई के इस आदेश से ग्राहकों को यूपीआई अकाउंट ट्रांसफर करने में मदद मिलेगी। बता दें कि किसी भी यूपीआई अकाउंट को एक्टिव रखने के लिए बैंक अकाउंट से लिंक करने की आवश्यकता पड़ती है। अभी कई ऐसे ग्राहक हैं, जो पेटीएम पेमेंट्स बैंक के जरिए यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं। उनके लिए, आरबीआई ने 15 मार्च तक की डेडलाइन दे रखी है। अगर कोई ग्राहक 15 तारीख से पहले अपने यूपीआई अकाउंट को दूसरे बैंक के साथ लिंक नहीं करता है तो वह आगे ट्रांजैक्शन जारी नहीं रख सकता है।आरबीआई ने इस समस्या के समाधान के लिए एनसीपीआई को पेटीएम की मदद करने को कहा है। एनसीपीआई एक सरकारी संस्था है, जिसके नेतृत्व में देशभर में यूपीआई ट्रांजैक्शन किए जाते हैं। आरबीआई ने कहा है कि एनसीपीआई पेटीएम यूजर्स को 4 से 5 बैंकों का ऑप्शन प्रदान करने में मदद करे, ताकि वह आसानी से अपना यूपीआई अकाउंट नए बैंक से लिंक कर सके और अपनी यूपीआई सर्विस को 15 मार्च के बाद भी कंटिन्यू रख सके।

चाहते हैं रिटायरमेंट के बाद मिले एक लाख महीना, आज से ही शुरू कर दें ये काम

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। आज के युवा नौकरी शुरू करने के साथ ही रिटायरमेंट की प्लानिंग में लग जाते हैं। उसके लिए वह म्यूचुअल फंड में पैसा लगाना हो या पेंशन स्कीम में निवेश करना हो। वह उस हर काम को करने की कोशिश करते हैं, जिससे उन्हें रिटायरमेंट गोल को पूरा करने में मदद मिल सके, रिटायरमेंट गोल से यहां मतलब कि उस व्यक्ति द्वारा फिक्स मंथली इनकम की व्यवस्था करनी है। ताकि उसे रिटायर होने के बाद एक फिक्स इनकम होती रहे। हालांकि जब 1 लाख रुपए से अधिक प्रति महीना के हिसाब से फंड बनाने की बात होती है तो कई युवा यह सोच कर परेशान हो जाते हैं कि यह संभव नहीं हो पाएगा। अब खुश हो जाइए क्योंकि आज यह संभव कैसे होगा? हम आपको बताएंगे।

इतना होगा रिटायर होने पर खर्च

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज में प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट के हेड अनुपम गुहा इकोनॉमिक्स टाइम्स को बताते हैं कि अगर किसी व्यक्ति का मासिक खर्च एक लाख से 1.5 लाख रुपए के आसपास है तो 5% महंगाई के हिसाब से अगले 25 वर्षों में उसका मंथली खर्च 5.1 लाख रुपए के लगभग हो जाएगा। 85 वर्ष की जीवन प्रत्याशा को ध्यान में रखते हुए, आपको एक

रूढ़िवादी पोर्टफोलियो बनाना चाहिए, जो आपकी उम्र के अनुसार इक्विटी एक्सपोजर को 20% तक कम कर दे। अनुमानित आय के लिए, आप अपनी ग्रेच्युटी और ईपीएफ राशि को एचडीएफसी लॉन्ग ड्यूरेशन डेट फंड और निप्पॉन इंडिया लक्ष्य निवेश जैसे लंबे समय वाले डेट म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इसके लिए आपके पास म्यूचुअल फंड एक अच्छा विकल्प है अगर आप किसी दूसरे स्कीम में निवेश नहीं करना चाहते हैं। मनी टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक, 1 लाख रुपए के मंथली इनकम के लिए व्यक्ति के पास रिटायर होने के टाइम 4 करोड़ रुपए के करीब फंड की जरूरत होगी।

ऐसे होगा पेंशन का जुगाड़

अगर आप चाहते हैं कि जब आप 25 वर्ष बाद रिटायर हो तो आपके पास 4 करोड़ रुपए का फंड हो तो आपको आज से 12 हजार 500 रुपए की एसआईपी शुरू करनी होगी। यह अगल 25 सालों में 4.10 करोड़ रुपए का फंड बन जाएगा।

पीएम मोदी के बारे में जेमिनी-एआई ने दी गलत जानकारी

केंद्रीय मंत्री ने कहा- गूगल ने आईटी एक्ट के नियमों और क्रिमिनल कोड के प्रावधानों का उल्लंघन किया

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में जेमिनी एआई के जनरेटेड रिस्पांस के खिलाफ गूगल इंडिया को चेतावनी दी है। राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि गूगल ने आईटी एक्ट के नियमों और क्रिमिनल कोड के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। राजीव चंद्रशेखर ने एक्स पर एक पोस्ट को री-शेयर किया, जिसमें बताया गया है कि कैसे गूगल का जेमिनी एआई कुछ प्रॉमिनेंट ग्लोबल लीडर्स के बारे में पूछे गए सवालों पर गलत जानकारी देता है, जिसमें पीएम मोदी भी शामिल हैं।

गूगल ने क्रिमिनल कोड के प्रावधानों का उल्लंघन किया: राजीव चंद्रशेखर

राजीव चंद्रशेखर ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'ये सीधे तौर पर आईटी एक्ट के इंटरमीडियरी रूल्स (आईटी रूल्स) के नियम 3(1)(बी) का उल्लंघन है और क्रिमिनल कोड के कई प्रावधानों का भी उल्लंघन है।'

गूगल के जेमिनी एआई को आलोचना का सामना करना पड़ रहा

इतिहास के कुछ हिस्सों को गलत ढंग से पेश करने के लिए भी गूगल के जेमिनी एआई को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

कई जेमिनी एआई यूजर्स ने ऐतिहासिक रूप से कई गलत कंटेंट की इमेजेस सोशल मीडिया पर शेयर की हैं।

जेमिनी में आ रही समस्याओं को ठीक करने पर काम कर रहे: गूगल

इस पर गूगल ने कहा था कि हम पहले से ही जेमिनी के इमेज जनरेशन फीचर में आ रही समस्याओं का समाधान करने के लिए काम कर रहे हैं। ऐसा करते समय हम लोगों के इमेज जनरेशन को रोक देंगे और जल्द ही एक बेहतर वर्जन फिर से जारी करेंगे।

एक दिन में रिलायंस के मार्केट कैप से ज्यादा कमा गई यह कंपनी, एलन मस्क की कमाई भी कहीं नहीं टिकती

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। एआई चिप्स बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एनवीडिया ने गुरुवार को एक दिन में सबसे ज्यादा कमाई का रेकॉर्ड बना दिया। चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन के दम पर कंपनी का शेयर 16.4 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 277 अरब डॉलर बढ़ गया जो अब तक किसी भी कंपनी के वैल्यूएशन में एक दिन में आई सबसे बड़ी उछाल है। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि यह भारत के दो सबसे बड़े रईसों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ से ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी की नेटवर्थ 112 अरब डॉलर और अडानी की नेटवर्थ 102 अरब डॉलर है। दोनों की नेटवर्थ कुल मिलाकर 214 अरब डॉलर बैठती है। साथ ही यह भारत की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के कुल मार्केट कैप से ज्यादा है। रिलायंस का मार्केट कैप 243 अरब डॉलर है। साथ ही यह दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ से ज्यादा है। मस्क की नेटवर्थ 212 अरब डॉलर है। इसके साथ ही एनवीडिया का कुल मार्केट कैप 1.96 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। अब केवल तीन कंपनियां की मार्केट कैप एनवीडिया से ज्यादा रह गया है। दुनिया में पहली बार किसी कंपनी का मार्केट कैप एक दिन में 200 अरब डॉलर से ज्यादा बढ़ा है। एनवीडिया के रिजल्ट ने दुनियाभर में एआई से जुड़े शेयरों को हवा दे दी। इस कारण एसएंडपी 500, यूरोप का स्टॉक्स 600 और जापान का निक्केई रेकॉर्ड पर पहुंच गए। गुरुवार को ट्रेडर्स ने एनवीडिया के 65 अरब डॉलर मूल्य के शेयरों की खरीद-फरोख्त की। इससे पहले एक दिन में सबसे अधिक कमाई का रेकॉर्ड मार्क जकरबर्ग की मेटा प्लेटफॉर्म्स के नाम था। इसी साल दो फरवरी को इस कंपनी का मार्केट कैप 196 अरब डॉलर बढ़ा था। लेकिन 20 दिन में ही एनवीडिया ने यह रेकॉर्ड ध्वस्त कर दिया।

सातवें आसमान से गिरे सोने-चांदी के भाव, कीमत देखकर हो जाएंगे खुश, देखें कितने कम हुए दाम

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एक समय 62 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर चल रहा सोना अब सस्ता हो रहा है। गोल्ड की कीमतों में आने वाले समय में और गिरावट हो सकती है। पिछले दिनों सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली थी। अगर आप सोना खरीदने की योजना बना रहे हैं तो ये अच्छा मौका हो सकता है। हालांकि खरीदारी से पहले एक बार इसके लेटेस्ट रेट जरूर चेक कर लें।एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी शुक्रवार को 5 अप्रैल 2024 की डिलीवरी वाला सोना गिरावट के साथ 61,912 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है। सोना आज सुबह 62,108 रुपये के भाव पर खुला था। वहीं 5 जून 2024 को डिलीवरी वाला सोना आज लुढ़कर 62,431 रुपये के भाव पर ट्रेड कर रहा है।एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी शुक्रवार को 5 मार्च 2024 की डिलीवरी वाली चांदी गिरावट के साथ 70,013 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही है। वहीं 3 मई 2024 को डिलीवरी वाली चांदी लुढ़कर 71,703 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रही है।

सोने के वैश्विक भाव

शुक्रवार को सोने के वैश्विक कीमतों में भी गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.09 फीसदी या 1.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,028.80 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 2,020.28 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है।

चांदी की वैश्विक कीमत

सोने के साथ ही चांदी के वैश्विक भाव में आज गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.49 फीसदी या 0.11 डॉलर की गिरावट के साथ 22.89 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 22.66 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।सोने और चांदी की कीमतों में बीते दिनों तेजी देखने को मिली थी। सोने की कीमत 62 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम से ज्यादा चल रही थी। वहीं अब यह गिरावट के साथ 61 हजार रुपये के करीब पहुंच चुकी है। अब इसमें लगातार गिरावट देखी जा रही है।

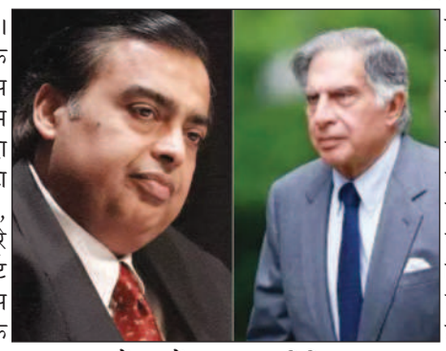

देश के सबसे महंगे इलाके में रिलायंस और टाटा के बीच चल रही 'स्पेस वॉर', जानिए पूरी कहानी

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। देश के दो सबसे बड़े औद्योगिक घरानों टाटा ग्रुप और रिलायंस इंडस्ट्रीज के बीच मुंबई के प्रीमियम रिटेल रियल एस्टेट में ज्यादा से ज्यादा हिस्सा कब्जाने की होड़ मची है। टाटा ग्रुप की कंपनियों जारा, स्टारबक्स, वेस्टसाइड और टाइटन के पास पूरे देश में करीब 2.5 करोड़ वर्ग फीट रिटेल स्पेस है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास 100 से अधिक लोकल और ग्लोबल ब्रांड्स के पास 7.3 करोड़ वर्ग फीट स्पेस है। यह टाटा ग्रुप की तुलना में करीब तीन गुना है। लेकिन मुंबई में दोनों के बीच कांटे का मुकाबला है। देश की आर्थिक राजधानी में इन दोनों ग्रुपों में से प्रत्येक के पास करीब 30 लाख वर्ग फीट रिटेल स्पेस है। मुंबई में रिटेल रियल एस्टेट को देश में सबसे महंगा माना जाता है और दोनों ग्रुप मुंबई में ज्यादा से ज्यादा रिटेल स्पेस लेना चाहते हैं। स्ट्रैटजी कंसल्टिंग फर्म तीसरी आँख के फाउंडर देवांशु दत्ता ने कहा कि मॉडर्न रिटेल

एनवायरमेंट में ज्यादा विजिबल लोकेशन्स में ज्यादा सफल या बड़े ब्रांड्स हैं। इनमें से ज्यादा ब्रांड्स रिलायंस या टाटा के पास हैं। टाटा ग्रुप लंबे समय से रिटेल में है लेकिन रिलायंस की तुलना में उसकी रफ्तार धीमी रही है। रिलायंस आक्रामक तरीके से रिटेल में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। जानकारों का कहना है कि मुंबई में डिमांड बहुत ज्यादा है और उसकी तुलना में सप्लाई कम है। यही वजह है कि मुंबई में कमर्शियल डेवलपर्स और मॉल ऑनर्स के लिए जाने-माने रिटेल ब्रांड्स को जगह देना एक बड़ी चुनौती है।कमर्शियल रियल एस्टेट कंसल्टेंट्स नाइट फ्रैंक इंडिया के डायरेक्टर (रिटेल) अभिषेक शर्मा ने कहा कि देश के रिटेल सेक्टर में इन कंपनियों की 40 से 45 फीसदी हिस्सेदारी है। किसी भी मॉल में इनके पास 40 से 45 फीसदी स्पेस हो सकता है। संभव है कि इन ग्रुप्स को वरीयता दी जाती है लेकिन इसके डायनैमिक्स बहुत कॉम्प्लेक्स हैं। डेवलपर्स को इन बड़े ब्रांड्स की डिमांड और डाइवर्स टेनेंट मिक्स के बीच संतुलन बनाना होगा। टाटा ग्रुप ने 1980 के दशक के आखिर में रिटेल में एंट्री मारी थी। इसकी शुरुआत टाइटन वॉच स्टोर्स के रूप में हुई थी। एक दशक बाद ग्रुप ने डिपार्टमेंट स्टोर वेस्टसाइट लॉन्च किया था। टाटा ग्रुप के देशभर में करीब 4,600 स्टोर हैं। इनमें तनिष्क, स्टारबक्स, वेस्टसाइड, जूडियो, जारा और क्रोमा शामिल हैं।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार में बिकवाली सेंसेक्स 15 अंक टूटा, निफ्टी 22250 के नीचे

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। शुक्रवार को सुबह से बाजार हरे और लाल निशान के बीच झूलता दिखा। आखिरकार सेंसेक्स 15.44 (0.02%) अंकों की गिरावट के साथ 73,142.80 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 4.75 (0.02%) अंक नीचे 22,212.70 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी सेशन के दौरान यस बैंक और एचएफसीएल के शेयर चार-चार प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे गिरकर 82.94 (अस्थाई) पर बंद हुआ।बंबई शेयर बाजार में शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआत को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क इंडेक्स बढ़त के साथ खुले, लेकिन बाद में निवेशकों की ओर से की गई मुनाफावसूली के कारण फिसल गए। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 73,413.93 से 73,022 अंक के दायरे में रहा। वहीं 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक एनएसई निफ्टी कारोबार के दौरान 22,297.50 अंक की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएलटेक, एशियन पेंट्स, मारुति, जेएसडब्ल्यू स्टील, टीसीएस, एसबीआई, आईटीसी और भारती एयरटेल के शेयर नुकसान में रहे। दूसरी ओर, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, एलएंडटी और विप्रो प्रमुख लाभ में थे। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर कारोबार के दौरान करीब एक प्रतिशत चढ़कर 52 सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गया। कंपनी की इकाई रिलायंस जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर 14.5 प्रतिशत से अधिक चढ़कर एक साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान इसकी मार्केट वैल्यू दो लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई। प्रौद्योगिकी कंपनी एनवीडिया के दिसंबर तिमाही के शानदार नतीजों के बाद अमेरिकी बाजारों में रातोंरात तेज आई। इसके असर से ज्यादातर वैश्विक बाजारों में भी बढ़त हासिल की।

शंघाई कंपोजिट सूचकांक 0.6 प्रतिशत बढ़ा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग अपरिवर्तित रहा। टोक्यो के बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। जर्मनी का डीएएक्स, पेरिस में सीएसी 40 और लंदन में एफटीएसई 100 0.1 प्रतिशत तक मजबूत हुए। घरेलू बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने गुरुवार को सकल आधार पर 1,410.05 करोड़ रुपये की प्रतिभूतियों की बिकवाली की।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य- कुंभ में	कुंभ... 06-05 बजे
चंद्र- सिंह में	मीन... 07-44 बजे
मंगल मकर में	मेष-- 09-20 बजे
बुध- कुंभ में	वृष-- 11-04 बजे
गुरु- मेष में	मिथुन.. 13-04 बजे
शुक्र- मकर में	कर्क... 15-17 बजे
शनि- कुंभ में	सिंह... 17-29 बजे
राहु- मीन में	कन्या.. 19-36 बजे
केतु- कन्या में	तुला..... 21-41 बजे
	वृश्चिक.. 23-51 बजे
	धनु..... 02-05 बजे
	मकर... 04-11 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-41
सूर्यास्त. - 18-17
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा -18:00 - तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - माघ शुक्ल पक्ष , शनिवार 24 February
नक्षत्र - मघा - 22 - 20 - तक उपरान्त पू.फाल्गुनी
योग - अतिगण्ड - 13 - 33 - तक उप सुकर्मा
करण- बव - 18 - 00 - तक उप- बालव
विशेष:- श्री ललिता जयंती
व्रत -त्योहार - श्रीगुरु रविदास जयंती

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
09:34 से
11:02 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:41 - 08:07	अशुभ	लाभ.	18:17 - 19:52	शुभ
शुभ.	08:07 - 09:34	शुभ	उत्पात	19:52 - 21:24	अशुभ
रोग	09:34 - 11:02	अशुभ	शुभ	21:24 - 22:57	शुभ
उत्पात	11:02 - 12:29	अशुभ	अमृत.	22:57 - 24:29	शुभ
चंचल	12:29 - 13:57	शुभ	चंचल.	24:29 - 02:02	शुभ
लाभ	13:57 - 15:25	शुभ	रोग	02:02 - 03:34	अशुभ
अमृत	15:25 - 16:52	शुभ	काल.	03:34 - 05:06	अशुभ
काल	16:52 - 18:17	अशुभ	लाभ	05:06 - 06:41	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपका मूड हल्का फुल्का और नाटकीय बना रहेगा और आज आप हर खुबसूरत चीज से प्रभावित होंगें । इससे आपका कुछ अनावश्यक खर्च भी हो सकता है । आज आप जो भी करेंगे,उसमें सौन्दर्यबोध का काफी असर रहेगा । आज सुन्दरता से सम्बंधित कोई उपचार ले सकते हैं ,पूरे दिन हंसी मजाक वाले मूड में रहेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी ।लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं ।आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं। लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है । ऐसी क्षणिक खुशियों के चक्कर में ना पड़ें जिनकी आपको बाद में काफी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं। आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे ।आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं ,क्योंकि आज आप शायद दूसरों को अच्छा लगने वाला व्यवहार ना कर पायें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अपने प्रति ईमानदार रहें क्योंकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे ।केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें । आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

विपक्ष के हंगामे के बीच विधानसभा सत्र शुरू

4981 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश

रांची, 23 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो गया। बजट सत्र के पहले दिन की शुरुआत काफी हंगामेदार रही। झारखंड स्टाफ सर्विस कमीशन कॉमन ग्रेजुएट लेवल एग्जाम 2023 के पेपर लीक की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर हंगामा किया। विपक्ष के हंगामे के बीच, वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने सदन में 4,981 करोड़ रुपये का तीसरा अनुपूरक बजट पेश किया। बता दें, बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होकर दो मार्च तक चलेगा।

सात दिवसीय विधानसभा सत्र के लिए सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक और आजसू विधायक लंबोदर महतो 28 जनवरी को हुए जेएसएससी संयुक्त स्नातक स्तर (सीजीएल) परीक्षा का पर्चा लीक होने के मामले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गए। बता दें, इस मामले में राज्य सरकार ने जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो ने हंगामा कर रहे विधायकों से अपनी सीटों पर वापस जाने का अनुरोध किया। साथ ही कहा कि इन मुद्दों को सत्र के दौरान लिया जाएगा। हालांकि, विधायक विरोध करते रहे। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि राज्य सरकार नौकरी की परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए कानून लाई थी। इसके बावजूद इतना बड़ा पेपर लीक हुआ। इसलिए हम पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं।

हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही करीब 40 मिनट तक चली। इसके बाद 26 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी। अध्यक्ष ने सदन को बताया कि सत्र के दौरान सात बैठकें होंगी, जिसमें 2024-25 वित्तीय वर्ष के लिए बजट पेश किया जाएगा। उन्होंने सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के सदस्यों से राज्य के लोगों के हित में सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने का आग्रह किया।

नींबू पहाड़ अवैध खनन मामला

सीबीआई जांच का रास्ता साफ, झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार की याचिका खारिज की

रांची, 23 फरवरी (एजेंसियां)। नींबू पहाड़ पर अवैध खनन के मामले में सीबीआई जांच पर लगी रोक को झारखंड हाईकोर्ट ने हटा दिया है। अब इस मामले की जांच को सीबीआई आगे बढ़ा सकेगी।

दरअसल, नींबू पहाड़ पर अवैध खनन मामले में राज्य सरकार की सहमति के बगैर सीबीआई की ओर से एफआईआर दर्ज करने को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

साहिबगंज के नींबू पहाड़ पर सीएम हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्र एवं अन्य के संरक्षण में अवैध खनन का आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच रोकने को लेकर याचिका दायर की थी।

याचिका में कहा था बगैर राज्य सरकार के आदेश के एफआईआर

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में राज्य सरकार की याचिका खारिज की। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। मामले में दोनों पक्षों की बहस पूरी होने पर कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रखा था। एक सप्ताह पहले ही इस मामले पर जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में राज्य सरकार की तरफ से पक्ष रखते हुए महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि हाईकोर्ट का आदेश केवल प्रारंभिक जांच यानी पीई दर्ज करने का था, लेकिन राज्य सरकार की अनुमति के बिना सीबीआई ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली, जो गलत है। सीबीआई की ओर से वरीय वकील अनिल कुमार ने कहा था कि हाईकोर्ट का आदेश था कि अगर पीई में कुछ आपराधिक घटनाओं की संलिप्तता मिलती है तो वह कानून सम्मत निर्णय लेकर आगे की कार्रवाई कर सकता है। पीई में आपराधिक संलिप्तता और हाईकोर्ट के आदेश के आलोक में सीबीआई डायरेक्टर ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था और मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। प्राथमिकी दर्ज करने के लिए सीबीआई को राज्य सरकार की अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। पीई दर्ज के बाद आगे की कार्रवाई के संबंध में हाईकोर्ट का आदेश काफी स्पेसिफिक था। राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय वकील कपिल सिब्बल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पक्ष रखा था जबकि महाधिवक्ता राजीव रंजन, वकील पीयूष चित्रेश भी मौजूद रहे। विजय हांसदा ने पूर्व में पंकज मिश्रा एवं अन्य द्वारा नींबू पहाड़ पर अवैध खनन को लेकर जो शिकायत की थी, उसकी सीबीआई जांच करने का आग्रह हाईकोर्ट से किया था। बाद में विजय हांसदा ने अपने उस याचिका को वापस लेने का अनुरोध कोर्ट से किया था, लेकिन हाईकोर्ट ने उसके इस आग्रह को नहीं मानते हुए दबाव में याचिका वापस लेने के आग्रह और नींबू पहाड़ अवैध खनन की वस्तुस्थिति की प्रारंभिक जांच करने का आदेश सीबीआई को दिया था। सीबीआई ने इसकी प्रारंभिक जांच में मिले तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट से साहिबगंज में नींबू पहाड़ में अवैध खनन मामले में एक संशोधित आदेश पारित करने का आग्रह किया, लेकिन हाईकोर्ट ने सीबीआई द्वारा नींबू पहाड़ में अवैध खनन को लेकर प्राथमिक दर्ज करने के आग्रह का निरस्त कर दिया था।

झारखंड में आज से 26 फरवरी तक बारिश का अलर्ट

रांची, 23 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के कई जिलों में आज बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग ने 24 फरवरी से लेकर 26 फरवरी तक राज्य में बारिश की आशंका जाहिर की है। 25 फरवरी को दक्षिणी और मध्य भाग में बारिश के आसार हैं। वहीं 26 को पश्चिमी और मध्य भाग में हल्की बारिश हो सकती है। 28 फरवरी को मौसम साफ रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश में बारिश को लेकर किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया है। विभाग के मुताबिक, बादल छाए रहने के बावजूद प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। ऐसे में प्रदेश का अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री तक रह सकती है। 23 फरवरी को मौसम विभाग ने जिन जिलों में बारिश की संभावना जाहिर की है, उनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद, देवघर, साहिबगंज, गोड्डा और पाकुड़ शामिल है। जबकि राज्य के दूसरे हिस्सों में बारिश नहीं होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे का मौसम कैसा रहा यह समझें तो राज्य में कई जगहों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। राज्य में सबसे अधिक बारिश 12.3 एमएम पाकुड़ के महेशपुर में हुई। सबसे अधिक तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में दर्ज किया गया। राज्य में सबसे कम तापमान लोहरदगा में 15.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश के बाद कभी तापमान में गिरावट महसूस हो रही है तो दूसरे दिन तेज धूप की वजह से मौसम फिर सामान्य हो रहा है।

इस बदलते मौसम में लोगों को सतर्क रहने की अपील भी मौसम विभाग ने की है। मौसम विभाग के अनुसार इस बदलते मौसम में बुजुर्ग और बच्चों का विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी गई है।

राम के नाम पर सामान्य सभा में जमकर हंगामा

रायपुर नगर निगम में मारपीट की बनी नौबत, बजट पास, नेता प्रतिपक्ष ने लगाए आरोप

रायपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर नगर निगम की सामान्य सभा के दूसरे दिन बजट सर्वसम्मति से पास हो गया। हालांकि नगर निगम की सामान्य सभा के दूसरे दिन गुरुवार को भाजपा और कांग्रेस पार्षदों के बीच भगवान राम के नाम को लेकर जमकर तकरार हुई। भाजपा पार्षद विकास नहीं होने का आरोप लगा रहे थे, कांग्रेसी पार्षद ने कह दिया राम के नाम पर हर बार नहीं जीत सकते। बस इसी बात पर हंगामा और विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों दलों के नेता अपनी-अपनी कुर्सियां छोड़कर सभापति के डायस के सामने पहुंच गए।

दोनों दलों के नेता एक-दूसरे के सामने तनकर खड़े हो गए और उंगलियां दिखाते हुए चेतावनी भरे लहजे में चिल्लाने लगे। करीब 15 मिनट तक इस तरह हंगामा चलता रहा। दोनों दल के वरिष्ठ नेताओं की समझाइश के बाद पार्षद अपनी-अपनी कुर्सियों पर लौटे। बुधवार को नगर निगम के बजट पर चर्चा अधूरी रहने के कारण गुरुवार को दूसरे दिन भी सभा बुलाई गई। इस दौरान भाजपा पार्षद दल के प्रवक्ता मृत्युंजय दुबे महापौर पर आरोप लगा रहे थे कि वे बजट में सिर्फ घोषणाएं ही करते हैं। इस पर कांग्रेस दल की ओर से किसी ने ये कह दिया कि हर बार राम के नाम पर जीत नहीं मिलेगी। इसके बाद भाजपा पार्षद आक्रोशित हो गए।

पार्षद मृत्युंजय दुबे अपनी जगह से उठकर डायस के सामने पहुंच गए। उनके साथ अन्य भाजपा पार्षद भी सरिता आकाश दुबे, दीपक जायसवाल, अमर बंसल, रोहित साहू, सरिता वर्मा, भोलाराम साहू भी वहां पहुंचकर विरोध जताने लगे। दूसरी तरफ कांग्रेस दल से भी पार्षद अमितेष भारद्वाज, कामरान अंसारी, रितेश त्रिपाठी तथा अन्य कांग्रेसी नेता भी डायस के सामने पहुंच गए। इस दौरान अमितेश और दीपक जायसवाल के बीच मौखिक तकरार हाथापाई में तब्दील होने की नौबत हो गई। मौके की नजाकत को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने वहां पहुंचकर बीचबचाव किया।

इधर रायपुर नगर निगम का बजट पास हो गया है। महापौर एजाज ढेबर ने कहा कि मुझे खुशी इस बात की है कि महिला पार्षदों ने बजट में बड़ी भागीदारी निभाई है। रायपुर शहर का बजट पेश हुआ और उसमें सभी ने अपनी बात रखी। वहीं नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने बजट को लेकर कहा कि पिछले 4 सालों से महापौर ने घाटे का बजट पेश किया था, लेकिन इस बार उन्होंने फायदे का बजट पेश किया है। इसके पीछे की सच्चाई ये है कि रायपुर नगर निगम में फायदे का बजट पेश करना आसान नहीं है। नगर निगम 200 करोड़ का बॉन्ड लाने वाला है।

नक्सलियों ने की दो ग्रामीणों की हत्या

जगदलपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सुकमा जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र के ग्राम दुल्लेड में रहने वाले दो ग्रामीणों की नक्सलियों ने पुलिस मुखबीरी का आरोप लगाते हुए देर रात हत्या कर दी। साथ ही नक्सलियों ने एक पर्चा भी जारी किया है। जिसमें नक्सलियों ने पुलिस के द्वारा खोले जा रहे कैंप का विरोध किया है। बताया जा रहा है कि 23 फरवरी की रात को नक्सलियों ने थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत दुल्लेड़ गांव के रहने वाले दो आम नागरिकों की हत्या कर दी थी। मृतकों में सोड़ी हूंगा व माड़वी नंदा ग्राम कहेर दुल्लेड़ गांव के निवासी है। नक्सली शासन के जन कल्याणकारी योजनाओं और विकास की धारा को आम नागरिकों तक पहुंचना नहीं देना चाह रहे है। जिसके चलते ग्रामीणों में डर बनाने के लिए निर्दोष ग्रामीणों की हत्या कर रहे है। नक्सली जनाधार को खत्म होता देख आम नागरिकों की हत्या कर क्षेत्र में दबाव बनाने का काम कर रहे हैं।

कलेक्टर ने दिए आदेश

आपदा से निपटने के लिए लोगों को करेंगे जागरूक, सभी विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही, 23 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के कलेक्ट्रेट में अरपा सभाकक्ष में आपदाओं से निपटने के लिए टेबल टॉक का आयोजन किया गया।

इस दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के द्वारा आपदाओं के दौरान राहत और बचाव कार्यों में इस्तेमाल होने वाली तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई।

राहत और बचाव कार्यों के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों और योजनाबद्ध तरीके से राहत कार्यों को अंजाम देने के संबंध में बताया गया।

कलेक्टर प्रियंका ऋषि महोबिया ने कहा कि आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ टीम के साथ सभी विभागों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

इस टेबल टॉक में विभागीय अधिकारी उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों को बारीकी से समझा। आपदा कभी भी बताकर नहीं आती, इसलिए इसकी तैयारी पहले से ही होना चाहिए। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों और समुदायों के बीच विभिन्न प्रकार के आपदाओं से निपटने किया गया। इसका उद्देश्य आपातकालीन सेवाओं, सरकारी एजेंसियों और समुदाय संगठनों के बीच समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर नम्रता आनंद डोंगरे, उप पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे, एसडीएम मरवाही दिलेराम डाहिरे सहित संबंधित अधिकारी और एनडीआरएफ की 30 सदस्यीय टीम उपस्थित थी।

ऊर्जा विभाग में एजेंसी के आने पर बढ़ा शोषण

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ का राज्य स्तरीय सम्मेलन कल

रांची, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रांची में झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ का राज्य स्तरीय सम्मेलन रविवार 25 फरवरी 2024 को होगा। उक्त विषय की जानकारी देते हुए संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ का राज्य स्तरीय सम्मेलन प्रेस क्लब राँची में आगामी 25 फ़रवरी को शुरू होगी।

अजय राय ने बताया कि 2017 के बाद झारखंड ऊर्जा विकास निगम ने पूरे राज्य में एजेंसी प्रथा लागू कर विद्युत कर्मियों का शोषण शुरू करा दिया है जिसे खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समान काम के बदले समान वेतन मिलना चाहिए, नौकरी में अनुभव के आधार पर पूर्व की तरह प्राथमिकता तय होनी चाहिए, वही 10 वर्ष काम किए हुए कर्मियों को नियमित नियुक्ति होनी चाहिए, साथ ही नियमित नौकरी कर रहे कर्मचारीयो को डिज्नेसन मैपिंग, कालबद्ध प्रोन्नति में विभाग लगातार सौतेला व्यवहार कर रहा है जिसपर लगाम लगनी चाहिए।

अजय राय ने कहा कि जिन अभ्यर्थियों की काल अवधि प्रमोशन के लिए पूर्ण हो चुकी है वैसे प्रत्येक अभ्यर्थी को प्रमोशन दिया जाए. अजय राय ने बताया कि जहां आज नए डिस्टिंशन मैपिंग का लाभ इसी विभाग के वरीय से लेकर कनीय पदाधिकारीओ तक के बीच लागू हो गया तथा उनका भुगतान एरियर के रूप में वर्ष 2018 से मिल भी चुका है वही इन बेचारे कर्मचारी वर्ग को नए डेस्टिनेशन मैपिंग का कोई भी लाभ प्राप्त नहीं हो पाया है।

डेस्टिनेशन मैपिंग के नियम का लाभ सभी वर्ग को मिलना चाहिए था, चाहे वह ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड हो या तीनों अनुसगी कंपनियां, राज्य स्तरीय सम्मेलन में कई ट्रेड यूनियन लीडर भाग लेंगे जहां इन सारे मुद्दों पर चर्चा कर आन्दोलन की रणनीति तय की जाएगी।

गृहमंत्री बोले- साधराम की हत्या विचारों से की गई

विजय शर्मा ने कहा– ये बिरनपुर की घटना से बिल्कुल अलग, एनआईए कर सकती है जांच

रायपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि साधराम की हत्या हथियार से नहीं बल्कि विचारों से की गई है। ये बिरनपुर की घटना से और अलग घटना है। जरूरत पड़ने पर इसकी जांच एनआईए से भी कराई जा सकती है। मामले में यूएपीए लगा है, और लोगों के कश्मीर से आने-जाने का लिंक भी मिला है। डिप्टी सीएम ने ये बात विधानसभा में कही है। प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने जो कहा, उससे इशारा मिल रहा है कि ये केस जल्द ही एनआईए को सौंपा जा सकता है। क्योंकि जिस तरह के केस की जांच एनआईए करती है कुछ-कुछ वैसे अपडेट इस केस में मिले हैं। मामला आतंकियों से कनेक्शन का भी बताया जा रहा है। दरअसल, कवर्धा से लगे लालपुर गांव में मवेशी चरवाहा साधराम यादव की 20 जनवरी की रात गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड के 1 नाबालिग समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कोर्ट ने आरोपियों को जेल भेजा। घटना के बाद शहर में तनाव का माहौल बना था। बता दें कि इस वारदात के बाद विहिप और बजरंग ने कवर्धा बंद और चक्काजाम कर दोषियों को फांसी की सजा की मांग की। लगातार विरोध प्रदर्शन किया गया। वहीं मृतक के परिवार ने शासन से मिले 5 लाख का चेक लौटा दिया था। फांसी की मांग की थी। यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम) की धारा-16 आतंकी गतिविधि को परिभाषित करती है। इसमें आतंकी घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए सजा का प्रावधान है। इसमें उम्रकैद तक हो सकती है। वहीं, यूएपीए की धारा 18 के तहत आतंकी घटना के षड्यंत्र को परिभाषित किया गया है। अगर ऐसे कार्य के परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो मृत्यु दंड या आजीवन कारावास और जुर्माना किसी अन्य मामले में कारावास की सजा होगी, जिसकी अवधि पांच वर्ष से कम नहीं होगी।

छॉलीवुड एक्टर मनोज राजपूत रेप केस में अरेस्ट

भिलाई की पीड़िता बोली– पिछले 12 सालों से था अफेयर, अब बोला नहीं करूंगा शादी

दुर्ग, 23 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ी फिल्मों के अभिनेता और निर्माता-निर्देशक मनोज राजपूत को रेप और अननेचुरल सेक्स के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। जीआरपी भिलाई-3 थाने में केस दर्ज हुआ है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। 29 साल की पीड़िता ने शादी का झांसा देकर रेप का आरोप लगाया है। मनोज राजपूत छत्तीसगढ़ी फिल्म 'गांव के जीरो शहर में हीरो' के लीड एक्टर हैं। पीड़िता ने बताया कि मनोज के साथ उसका अफेयर पिछले 12 सालों से चल रहा है। शादी का वादा कर वो पिछले कई सालों से उससे रेप और अप्राकृतिक अनाचार कर रहा है। युवती ने बताया कि शादी की बात पर एक्टर हमेशा उसे टाल देता था। अब उसने साफतौर पर शादी से इनकार कर दिया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मनोज राजपूत एक्टर और निर्माता-निर्देशक के साथ-साथ बिल्डर भी हैं। इससे पहले जमीन की धोखाधड़ी मामले में भी वो जेल काट चुका है।

छॉलीवुड एक्टर अक्सर विवादों में रहते हैं। दुर्ग में नागपुर हाईवे टोल प्लाजा के आगे कई सौ एकड़ जमीन पर अवैध प्लॉटिंग करने का भी आरोप इन पर है।

दीपका माइंस में मिट्टी धंसने से 3 युवकों की मौत

कोरबा में कोयला चोरी करने गए थे 5 ग्रामीण, सुबह तक चला रेस्क्यू अभियान

कोरबा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एसईसीएल की दीपका कोयला खदान में मिट्टी धंसने से 5 लोग दब गए। इनमें से दो को निकाल लिया गया था। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर रेस्क्यू अभियान चलाया गया। सुबह तक चले रेस्क्यू में दो लोग तो सुरक्षित निकाले गए, लेकिन 3 लोगों को नहीं बचाया जा सका।

बताया जा रहा है कि, हरदीबाजार थाना क्षेत्र के दीपका खदान के सुवाभोडी गांव में बम्हनी कोना निवासी 5 युवक गुरुवार दोपहर 3 बजे कोयला चोरी करने गए थे। तभी अचानक मिट्टी का एक बड़ा हिस्सा धंसक कर उनके ऊपर आ गिरा। खबर मिलते ही बचाव दल ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। हादसे की खबर मिलते ही प्रशासन के अधिकारी बचाव दल के साथ मौके पर पहुंचे। पहले मलबे में दबे दो युवकों प्रदीप पोर्ते (18 वर्ष) और शत्रुघ्न कश्यप (23 वर्ष) को बाहर निकाला गया। वहीं, एक किशोर लक्ष्मण ओढ़े (17 वर्ष) खदान के नीचे गहराई में घायल हालत में मिला। शुक्रवार तड़के उसे भी बाहर निकाला गया। मिट्टी धंसकने के बाद लक्ष्मण गहराई में गिरा था। रेस्क्यू करते समय बचाव दल की नजर उस पर पड़ी। वह टीम को अपना खून से सना हाथ दिखा रहा था। प्रशासन ने माइंस में रात भर रेस्क्यू चलाया। इस दौरान कलेक्टर, एसपी समेत तमाम अधिकारी रात भर डंट रहे। माइंस से दो युवकों को सुरक्षित तो तीन लोगों के शव निकाले गए हैं। इस हादसे में प्रदीप पोर्ते (18 वर्ष), लक्ष्मण ओढ़े (17 वर्ष), शत्रुघ्न कश्यप (27 वर्ष) और लक्ष्मण मरकाम की मौत हो गई।

पहले कराया इंश्योरेंस फिर बीमा राशि के लिए सांप से कटवाया

कांकेर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कांकेर में एक बुजुर्ग महिला की मौत के मामले में उसके नाती को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी युवक ने अपनी नानी के नाम पर बीमा की एक करोड़ रुपये की राशि के लिए हत्या की साजिश रची। इस हत्या की साजिश में आरोपी ने जहरीले सांप से कटवाकर मौत के घाट उतार दिया। मामला कांकेर के बांदे थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने आठ महीने पहले हुई रानी पठारिया नामक बुजुर्ग महिला की मौत के मामले में मर्ग कायम किया था। घटना के वक्त महिला की मौत सर्पदंश से बताया गया था। पीएम रिपोर्ट के बाद पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर घटना के कारणों की तफ्तीश कर रही थी। इसी दौरान मृतिका के भतीजे राजेश खसवा ने अपनी चाची की मौत पर सवाल उठाते हुए सामान्य सर्मदंश से न होकर हत्या करने का आरोप लगाया गया था। राजेश खसवा ने इस मामले की लिखित शिकायत एएसपी से भी की गयी थी। पुलिस ने इस मामले में एक बार फिर छानबीन शुरू की। जांच में खुलासा हुआ कि मृतिका का नाती आकाश पठारिया और जीवन बीमा एजेंट तारक देवानाथ ने मिलकर इस हत्याकांड की साजिश रची थी। बीमा की रकम दोगुना पाने के लिए बीमा एजेंट एक्सीडेंटल पॉलिसी कराने के बाद इस हत्या को अंजाम देने के लिए एक सपेरा से 30 हजार रूपये में सौदा किया गया। इसके बाद आरोपियों के बताये मुताबिक दो मई 2023 को संबलपुर में सपेरे पप्पू राम नेताम के डेरा में ले जाकर आरोपी ने अपनी नानी को सांप से डसवाकर वापस बांदे लौट गया था।

इसके बाद आरोपी आकाश ने इस साजिश को एक दुर्घटना बताकर सबको जानकारी दी । पुलिस ने खुलासा किया कि नानी की हत्या के बाद 15 नवंबर 2023 को बकायदा आकाश पठारिया ने बीमा एजेंट के साथ मिलकर एक करोड़ दो लाख रूपये का क्लेम भी हासिल कर लिया था। इसके बाद से ही आकाश पठारिया ऐश की जिंदगी बिता रहा था। इस हत्याकांड के खुलासे के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी आकाश पठारिया, बीमा एजेंट तारक देवनाथ और सपेरा पप्पू राम नेताम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 10 लाख रूपये कैश भी बरामद किया है।

बस्तर में जहां नक्सलियों के खेत, वहां अब फोर्स का कैंप

कमांडर हिड़मा के गांव को जवानों ने घेरा

सुकमा/बीजापुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनते ही बस्तर में नक्सल ऑपरेशन तेज हो गया है। बस्तर के सबसे ज्यादा संवेदनशील गांव पूवर्ती में जवानों ने कैंप स्थापित कर दिया है। खास बात है कि यह गांव नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा का है। नक्सलियों के प्रभाव वाले इस गांव को अब जवानों ने 5 लेयर की सुरक्षा में घेर रखा है। इसी गांव में नक्सलियों के वॉर रूम की पहली तस्वीर भी अब सामने आई है। जहां नक्सली कमांडर हिड़मा समेत दूसरे बड़े कैडर्स के नक्सली हमलों की स्ट्रैटजी बनाते थे। नक्सलियों के इस वॉर रूम को अब एसटीएफ ने अपने कब्जे में ले लिया है। यहां नक्सली खेती-किसानी और मछली पालन करते थे। पूवर्ती गांव सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र में आता है। सुकमा और बीजापुर जिले की सीमा पर बसे इस गांव तक पहले सिलगेर और फिर टेकलगुड़म होते हुए पहुंचा जा सकता है। सुकमा से इस गांव की दूरी लगभग 120 किलोमीटर है। सिलगेर के बाद आगे पक्की सड़क नहीं है। नक्सलियों के इस गांव तक पहुंचने के लिए पगडंडी सरीखे रास्तों का सफर तय करना होता है। बस्तर में जब भी नक्सलवाद का जिक्र होता है तब एक नाम हर किसी के जहन में आता है, और वह है नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा का नाम। पूवर्ती में हिड़मा का जन्म हुआ, 16 साल की उम्र में संगठन में शामिल हो गया। नक्सलियों की सबसे खतरनाक बटालियन नंबर-1 का चीफ बना। संगठन को कई कामयाबी दिलाई, अब सेंट्रल कमेटी का सदस्य है।

हिड़मा के अलावा बारसे देवा का भी जन्म इसी पूवर्ती गांव में हुआ था। देवा भी बचपन से नक्सली संगठन में चला गया था। पहले दरभा डिवीजन में सक्रिय था, अब हिड़मा की जगह इसे नक्सलियों की बटालियन नंबर-1 का चीफ बनाया गया है। इसके अलावा कुछ और भी बड़े कैडर के नक्सली हैं, जिनका पूवर्ती ही गृह ग्राम है। नक्सली पूवर्ती गांव को पुलिस के लिहाज से सबसे सेफ मानते थे। यही वजह थी कि उन्होंने यहां अपना एक वॉर रूम बनाया हुआ है, जो बांस और खपरैल से बना हुआ है। इस वॉर रूम में नक्सली बस्तर में घटनाओं को अंजाम देने के लिए रणनीति बनाते थे। यहां नक्सलियों ने अपने कमांडर्स के नाम भी लिख रखे हैं। इसी वॉर रूम में स्पीकर, किचन समेत अन्य जरूरत का सामान भी है। यहां बिजली के लिए बाहर सोलर पैनल लगा रखे हैं। अब पहली बार इनके वॉर रूम की तस्वीर सामने आई है।

चंद्रमा के साउथ पोल पर उतरा पहला प्राइवेट स्पेसक्राफ्ट

अमेरिकी कंपनी ने इतिहास रचा, भारत के चंद्रयान-3 के बाद ऐसा करने वाला दूसरा देश

वॉशिंगटन, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की ह्यूस्टन बेस्ड प्राइवेट कंपनी इंट्यूटिव मशीन्स का लैंडर ओडिसियस चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंड हो गया है। इसे 15 फरवरी 2024 को लॉन्च किया गया था।

भारतीय समय के मुताबिक, 4 बजकर 53 मिनट पर स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग हुई। इसी के साथ ओडिसियस मून लैंडिंग करने वाला किसी प्राइवेट कंपनी का पहला स्पेसक्राफ्ट बन गया है। वहीं, अमेरिका दूसरा देश है जो चंद्रमा के साउथ पोल पर उतरा। इससे पहले 23 अगस्त 2023 को भारत के चंद्रयान-3 की साउथ पोल पर सफल लैंडिंग हुई थी। लैंडिंग से पहले ओडिसियस के नेविगेशन सिस्टम में कुछ खराबी आई थी। इसके बावजूद लैंडिंग कराई गई। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, लैंडिंग के बाद ओडिसियस की जानकारी नहीं मिली है। उससे संपर्क भी नहीं है, लेकिन मिशन के डायरेक्टर टिम क्रेन ने कहा कि हम बिना किसी

संदेह के कह सकते हैं कि ओडिसियस चांद की सतह पर मौजूद है।

ओडिसियस मून मिशन का मकसद चांद पर मौजूद धूल की स्टडी करना है। दरअसल, अपोलो मिशन पूरा करके लौटे अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया था कि धूल की वजह से उनके इक्विपमेंट्स खराब हुए थे। इसलिए अब साइंटिस्ट समझाना चाहते हैं कि स्पेसक्राफ्ट के लैंड होने से उड़ने वाली धूल कैसे हवा में रहती है और फिर मून सरफेस पर बैठ जाती है। ब्रिटिश मीडिया बीबीसी के मुताबिक, लैंडर ओडिसियस जिस जगह पर लैंड हुआ है उसे मालापर्ट के नाम से जाना जाता है। यहां सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। ये एक खाई के करीब समतल यानी प्लेन जगह है।

मालापर्ट 17वीं सदी के बेल्जियन एस्ट्रोनॉमर थे। साइंटिस्ट्स का मानना है कि यहां पानी मौजूद है, लेकिन वो बर्फ के रूप में है। यह इलाका उन जगहों की शॉर्टलिस्ट में है, जहां अमेरिकी स्पेस एजेंसी एनएएसए आर्टिमिस मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने पर विचार कर रहा है।

स्पेसक्राफ्ट की स्पीड बढ़ी थी

वैसे तो ओडिसियस प्राइवेट मून मिशन है, लेकिन इसके पीछे अमेरिकी स्पेस एजेंसी एनएएसए का दिमाग है। मिशन में काम आने वाले 6 इंस्ट्रूमेंट्स एनएएसए ने ही तैयार किए हैं।

इधर, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्पेसक्राफ्ट की स्पीड लैंडिंग से पहले बढ़ी थी। इसलिए ओडिसियस ने मून का एक अतिरिक्त चक्कर लगाया था। एक चक्कर बढ़ने की वजह से लैंडिंग के समय में बदलाव हुआ। पहले यह भारतीय समय के मुताबिक सुबह 4 बजकर 20 मिनट पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला था।

आर्मीनिया में भिड़ेंगे भारत और पाकिस्तान

चीनी जेएफ- 17 लड़ाकू विमान का शिकार करेगा हिंदुस्तानी 'शिकारी'

बाकू, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अजरबैजान और तुर्की की साजिश के शिकार आर्मीनिया में भारत तथा पाकिस्तान के दो बड़े हथियार आमने-सामने हो सकते हैं। अजरबैजान की सेना ने पाकिस्तान से 1.6 अरब डॉलर में जेएफ-17सी फाइटर जेट खरीदने का सौदा किया है। यह पाकिस्तान के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा रक्षा सौदा है। इस जेएफ-17सी फाइटर जेट को पाकिस्तान ने चीन की तकनीकी मदद से बनाया है। एक तरफ जहां अजरबैजान चीन और पाकिस्तान के मिलकर बनाए हुए जेएफ-17 फाइटर को खरीदने जा रहा है, वहीं आर्मीनिया की सेना अब भारत की शरण में पहुंच गई है। पिनाका रॉकेट सिस्टम के बाद अब आर्मीनिया भारत के साथ आकाश एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद कर चुका है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पाकिस्तान और अज़रबैजान की सेना के बीच में साल 2003 में एक सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर के

बाद से एक मजबूत रक्षा साझेदारी है। इस गठबंधन के कारण 2016 में संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू हुआ था। हाल ही में पाकिस्तान ने अजरबैजान के साथ एक महत्वपूर्ण रक्षा सौदा किया है। दक्षिण काकेशस राष्ट्र का आर्मीनिया के साथ तनाव चल रहा है। वहीं मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान अजरबैजान को जेएफ-17सी ब्लॉक-III युद्धक विमानों का निर्यात करेगा, जो विदेश में हथियारों के निर्यात के लिए देश का सबसे बड़ा ऑर्डर है। इस समझौते के तहत, अजरबैजान को 8 जेएफ-17सी ब्लॉक-III फाइटर विमान एयर-टू-सरफेस मिसाइलों और अन्य गोला-बारूद के साथ प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त, पाकिस्तानी वायुसेना के सैन्य विशेषज्ञ अजरबैजानी सैनिकों को हवाई युद्ध का प्रशिक्षण देंगे। पाकिस्तान वायु सेना के जवान जेएफ-17सी ब्लॉक-III विमानों पर अज़रबैजानी पायलटों की उड़ानों की निगरानी करेंगे। अज़रबैजान अब म्यांमार और नाइजीरिया के साथ उन देशों में शामिल हो गया है जिन्होंने पाकिस्तान से जेएफ-17 थंडर जेट हासिल किए हैं। म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध के बीच यह चीनी विमान कबाड़ साबित हुआ है और उड़ान भी नहीं भर पा रहा है। बता दें कि पाकिस्तान अज़रबैजान और उसके प्रतिद्वंद्वी आर्मेनिया दोनों के साथ राजनयिक संबंध रखता है।

इसके बावजूद, पाकिस्तान आर्मेनिया के साथ लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष में अज़रबैजान का कट्टर समर्थक रहा है। नागर्नो-कराबाख क्षेत्र को लेकर आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच विवाद दशकों से चला आ रहा है। सितंबर 2023 तक यह क्षेत्र आर्मेनिया के प्रशासन के अधीन था। हालांकि, जनवरी 2024 में, अज़रबैजान ने नागोर्नो-कराबाख पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त कर लिया। इसमें तुर्की और इजरायल के ड्रोन तथा पाकिस्तानी हथियारों का बड़ा योगदान रहा।

तालिबान ने स्टेडियम में हत्या के दोषियों को मार डाला

हजारों लोगों के सामने 15 गोलियां चलाईं, परिजन माफी की गुहार लगाते रहे

काबुल, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के गजनी शहर में तालिबान ने गुरुवार को हत्या के मामले में 2 दोषियों को सर-ए-आम सजा-ए-मौत दी। दोनों दोषियों को एक फुटबॉल स्टेडियम में करीब से गोलियां मारी गईं। गोली मार दी गई। इस दौरान हजारों लोग मौजूद थे। किसी को भी फोन या कैमरा रखने की इजाजत नहीं दी गई थी।

इस मामले की जानकारी तालिबान के शरिया कोर्ट ने बयान जारी करके दी। इसके मुताबिक, दोनों दोषियों ने 2 लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुंदजादा की मंजूरी के बाद इन दोनों को सजा-ए-मौत दी गई। गजनी पुलिस के प्रवक्ता अबु खालिद सरहदी ने कहा- दोषियों को सजा मृतक व्यक्तियों के परिजनों ने ही दी। इस दौरान उन्होंने 15 गोलियां चलाईं।

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, स्टेडियम में दोषियों के परिजन भी थे, जिन्होंने माफी की गुहार लगाई। हालांकि, उनकी अपील ठुकरा दी गई। 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद यह तीसरी बार था, जब दोषियों को सार्वजनिक तौर पर सजा दी गई। यूएन ने इसे मानवीय अधिकारों का उल्लंघन बताया।

वॉइस ऑफ अमेरिका के मुताबिक, तालिबान ने अब तक इस तरह से 4 लोगों को मौत की सजा दी है। वहीं महिलाओं समेत करीब 350 दोषियों को कोड़े मारने की सजा भी दी जा चुकी है। इसस पहले दिसंबर 2022 में तालिबान ने एक और हत्या के दोषी को ऐसी ही सजा दी थी।

अखुंदजादा ने नवंबर 2022 में एक घोषणा की थी। इसमें शरिया अदालतों से कहा गया था कि गुनहगारों को सबके सामने सजा मिलनी चाहिए। इसके बाद 24 नवंबर को हजारों लोगों के सामने 12 दोषियों को कोड़े मारे गए। इनमें 3 महिलाएं भी थीं। तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद कहा था कि देश में शरिया कानून लागू होगा। दरअसल, शरिया इस्लाम को मानने वाले लोगों के लिए एक लीगल सिस्टम की तरह है।

वैश्विक रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने के लिए भारत आए थे अमेरिकी उप-विदेश मंत्री

मंत्रियों से की मुलाकात

वॉशिंगटन, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के उप विदेश मंत्री रिचर्ड वर्मा हाल ही में भारत की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए हुए थे। इसी को लेकर विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बताया कि वर्मा ने अमेरिका-भारत वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने और एक स्वतंत्र एवं खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए नई दिल्ली में वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों से मुलाकात की।

गौरतलब है, रिचर्ड ने असैन्य परमाणु समझौते के पारित होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्मा ने साल 2014 में भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में शपथ ली थी, इस पद को संभालने से वह पहले भारतीय-अमेरिकी बने। उन्होंने 2014 से 2017 तक भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्य किया। फिलहाल, वह प्रबंधन एवं संसाधन उप विदेश मंत्री हैं और विदेश मंत्रालय में सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय अमेरिकी हैं। रिचर्ड वर्मा 19 से 21 फरवरी तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर थे। मिलर ने गुरुवार को बताया कि वर्मा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विक्रम मिस्री से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान हुई मुलाकातों और बैठकों में, अमेरिका-भारत सहयोग और लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने के अवसरों का पता लगाया गया ताकि एक मुक्त, खुला, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित किया जा सके। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने आगे बताया, वर्मा ने अमेरिका-भारत के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों को विस्तार देने पर चर्चा करने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से भी मुलाकात की।

अमेरिकी कांग्रेस का चुनाव लड़ रहीं कश्मीरी क्रिस्टल कौल

बोलीं- सिख मूल्यों में मेरा गहरा विश्वास

वॉशिंगटन, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय मूल की क्रिसटल कौल, अमेरिकी कांग्रेस का चुनाव लड़ रही हैं। क्रिस्टल कौल एक रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों की जानकार हैं। एक हालिया इंटरव्यू में क्रिस्टल ने कहा कि उनका एकता के सिख मूल्यों में गहरा विश्वास है और उनकी इच्छा है कि वे समाज के लिए कुछ करें। क्रिस्टल कौल ने कहा कि 'मैं आधी कश्मीरी पंडित और आधी पंजाबी सिख हूं। मुझे अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व है।'

क्रिस्टल कौल नौ भाषाएं जानती हैं, जिनमें अंग्रेजी, हिंदी, ऊर्दू, पंजाबी, स्पैनिश, इटैलियन, अरबी, दारी और कश्मीरी भाषा शामिल हैं। क्रिस्टल कौल अमेरिका के वर्जीनिया जिले की 10वीं कांग्रेसनल सीट से चुनाव लड़ रही हैं। कौल ने बताया कि 'वह अपनी नानी विमल चड्ढा मलिक के साथ न्यूयॉर्क के ग्लेन कोव गुरुद्वारे जातीं थी, जहां वे लंगर में सेवा करतीं थी। मैंने सिख परंपरा के बारे में बहुत सीखा है और सिख मूल्यों की एकता की भावना से मैं बहुत प्रभावित हूं।' क्रिस्टल ने कहा कि उन्हें अपने हिंदू और सिख, दोनों होने पर गर्व है और उन्हें इस बात की खुशी है कि वे एकमात्र सिख महिला हैं, जो यूएस कांग्रेस का चुनाव लड़ रही हैं। क्रिस्टल ने अमेरिकी संसद के लिए चुने गए पहले भारतीय सिख दलीप सिंह सौंद को भी याद किया और कहा कि उन्होंने ही भारतीय मूल के लोगों के लिए राजनीति के द्वार खोले थे। अभी यूएस कांग्रेस में भारतीय मूल के पांच सांसद हैं, जिनमें डॉ. एमी बेरा, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार शामिल हैं। ये सभी लोग अमेरिका के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के सदस्य हैं। क्रिस्टल कौल ने कहा कि 'आज भारतीय अमेरिकी समुदाय काफी तरक्की कर रहा है और हम शिक्षा, व्यापार, इंजीनियरिंग और आईटी, मेडिसिन जैसी क्षेत्रों में काफी आगे हैं, लेकिन हमें राजनीति में भी प्रतिनिधित्व की जरूरत है क्योंकि अभी भी अमेरिका में सिखों के खिलाफ काफी भेदभाव होता है, जो कि काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं चाहती हूं कि हमारे लोग यूएस कांग्रेस पहुंचे और जब वहां से लोगों को जागरुक किया जाएगा।

कश्मीरी पत्रकार ने ब्रिटिश संसद में पाकिस्तानी दुष्प्रचार तंत्र की उड़ाईं धज्जियां

लंदन, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीरी कार्यकर्ता याना मीर ने भारत की छवि को धूमिल करने के लिए पाकिस्तानी दुष्प्रचार तंत्र की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा है और वह वहां पूरी तरह से सुरक्षित और आजाद हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मीडिया से आग्रह किया कि वह केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को बांटना बंद करे। मीर ब्रिटेन की संसद की ओर से आयोजित 'संकल्प दिवस' में यह बयान दिया। उन्होंने यह भी कहा कि वह मलाला यूसुफजई नहीं हैं, जिन्हें आतंकवाद के गंभीर खतरों के कारण अपने देश (पाकिस्तान) से भागना पड़ा। उन्होंने कहा, भारत हमेशा आतंकवादी ताकतों के खिलाफ मजबूत और एकजुट रहेगा। पत्रकार याना मीर ने कहा, मैं मलाला यूसुफजई नहीं हूं। मैं अपने देश भारत में आजाद और सुरक्षित हूं। मेरी मातृभूमि कश्मीर भारत का हिस्सा है। मुझे कभी भी भागकर आपके देश में शरण लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं कभी

मलाला यूसुफजई नहीं बनूंगी।

मीर ने कहा, मुझे मलाला के बयानों पर आपत्ति हैं, क्योंकि वह मेरी प्रगतिशील मातृभूमि को पीड़ित कहकर बदनाम कर रही है। मैं सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के ऐसे सभी टूलकिट सदस्यों पर आपत्ति जताती हूं, जिन्होंने कभी भारतीय कश्मीर जाने की परवाह नहीं की। लेकिन, वहां के उत्पीड़न की तरह-तरह की कहानियां गढ़ते हैं।

मीर ने कहा, मैं आपसे धर्म के आधार पर भारतीयों का ध्रुवीकरण बंद करने का आग्रह करती हूं। हम आपको हमें बांटने की अनुमति नहीं देंगे। इस साल संकल्प दिवस के मौके पर मुझे उम्मीद है कि ब्रिटेन और पाकिस्तान में रहने वाले अपराधी अंतरराष्ट्रीय मीडिया या अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार के मंचों पर मेरे देश को बदनाम करना बंद कर देंगे। उन्होंने आगे कहा, ब्रिटेन में अपने कमरे से रिपोर्टिंग करके भारतीय समाज का ध्रुवीकरण करने की कोशिश करना बंद करें। हजारों कश्मीरी माताएं आतंकवाद के कारण पहले ही अपने बेटों को खो चुकी हैं। हमारे पीछे आना बंद करें। मेरे कश्मीरी समुदाय को शांति से रहने दें। धन्यवाद और जय हिंद।

नवलनी की पत्नी का नाम गलत बोल गए बाइडेन

यूलिया को योलांडा कहा, याददाश्त पर सफाई देते हुए मैक्सिकन राष्ट्रपति का नाम भूल गए थे

वॉशिंगटन, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की जुबान एक बार फिर फिसल गई। ताजा मामले में बाइडेन नवलनी की पत्नी का नाम गलत बोल गए। हालांकि व्हाइट हाउस ने इस पर टिप्पणी नहीं की है। दरअसल, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के सबसे बड़े विरोधी एलेक्सी नवलनी की मौत के 6 दिन बाद बाइडेन ने उनकी पत्नी यूलिया नवलनया और बेटी दाशा नवलनया से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नवलनी की पत्नी यूलिया को योलांडा कह दिया। मुलाकात के बारे में जानकारी देते हुए बाइडेन ने कहा- नवलनी की पत्नी और बेटी के साथ हुई मुलाकात के दौरान मैंने दोनों से कहा कि नवलनी बहुत बहादुर थे। पुतिन एलेक्सी की मौत के जिम्मेदार हैं। हम कल (24 फरवरी 2024 को) पुतिन के खिलाफ प्रतिबंध लगाएंगे। लेकिन एक बात तो साफ है कि योलान्डा (सही नाम-यूलिया) वो लड़ाई जारी रखेंगी जो नवलनी लड़ रहे थे। इसलिए हम हार नहीं मानेंगे।

अमेरिकी मीडिया 'न्यूयॉर्क टाइम्स' के मुताबिक, कुछ दिन पहले बाइडेन ने याददाश्त के आरोपों का खंडन करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान गाजा को लेकर सवाल पर हमास का नाम भूल गए। इसके बाद मिस्र के नेता अब्देल फतह अल-सिसी को मैक्सिको का राष्ट्रपति बता बैठे।

इसके पहले नेवादा में डेमोक्रेटिक पार्टी के दौरान बाइडेन ने कई मिनिट तक फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रेंकोइस मिटरेंड से बातचीत का जिक्र किया था। फ्रेंकोइस का 1996 में निधन हो चुका है। इतना ही नहीं वो फ्रांस को जर्मनी भी बोल गए थे। इतना ही नहीं, 2022 में बाइडेन डेमोक्रेटिक पार्टी के एक टाउनहॉल में पहुंचे थे।

यहां स्पीच के दौरान उन्होंने अपनी ही पार्टी के सांसद का नाम लेकर उन्हें तीन बार स्टेज पर इनवाइट किया था। इस सांसद का निधन हो चुका था। इसके बाद बाइडेन ने माफी मांगी थी। बाइडेन अमेरिकी संसद में हुई हिंसा की तारीख भूले गए थे। वो 6 जनवरी की जगह 6 जुलाई बोल गए थे। उन्होंने कहा था- 6 जुलाई को जो कुछ हुआ उसका इंटरनेशनल लेवल पर जो असर हुआ था, उसे आप समझ ही सकते हैं।

कर्ज लेकर कर्ज चुकाएगा कंगाल पाकिस्तान

आईएमएफ से छह अरब डॉलर मांगने की तैयारी, क्या होगा डिफॉल्ट?

इस्लामाबाद, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में नई सरकार अभी तक नहीं आ पाई है। लेकिन नई सरकार आने से पहले ही पाकिस्तान दुनिया में भीख मांगने को तैयार हो रहा है। पाकिस्तान छह अरब डॉलर की मांग के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जाने वाला है। यह ऋण पाकिस्तान इसलिए लेगा क्योंकि उसे अरबों का कर्ज इस साल चुकाना है। ब्लूमबर्ग ने एक अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में कहा कि देश आईएमएफ के साथ एक विस्तारित फंड फैसिलिटी पर बातचीत करना चाहेगा। यह बातचीत मार्च या अप्रैल में शुरू होने की उम्मीद है। पाकिस्तान पिछले साल डिफॉल्ट होने के करीब पहुंच गया था। लेकिन अब यह प्रोग्राम अगले महीने खत्म हो रहा है। पाकिस्तान की नई सरकार के सामने अर्थव्यवस्था की एक बड़ी चुनौती आने वाली है। नई सरकार को पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने के लिए दीर्घकालिक व्यवस्था पर बातचीत करनी होगी। बेलआउट से पहले पाकिस्तान को आईएमएफ की ओर से कई शर्तें माननी पड़ी, जिसमें बजट में बदलाव, ब्याजदरों में बढ़ोतरी, बिजली और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी शामिल है। आईएमएफ ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया है। कुछ दिन पहले इंटरनेशनल क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने चेतावनी दी थी कि 8 फरवरी के आम चुनावों के बाद आई राजनीतिक अनिश्चितता आईएमएफ के साथ एक समझौते को मुश्किल बना सकते हैं। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर सोमवार को जारी अपनी रिपोर्ट में कहा, 'चुनावों में इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ से जुड़े उम्मीदवारों के मजबूत प्रदर्शन के बावजूद पीपीपी और पीएमएल-एन का गठबंधन बनता दिख रहा है।'

रूस में फंसे भारतीयों का मामला

विदेश मंत्रालय ने दिलाया भरोसा- जल्द वापसी के प्रयास जारी, संपर्क में है सरकार

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रूस में फंसे भारतीयों के मामले में विदेश मंत्रालय ने मदद का भरोसा दिलाया है। सरकार ने कहा है कि रूसी सेना के साथ सपोर्ट स्टाफ के रूप में काम कर रहे लोगों को सुरक्षित भारत लाने का प्रयास किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार रूसी सेना में सहायक कर्मचारियों के रूप में कार्यरत भारतीयों को जल्द मुक्त कराने के लिए मॉस्को से लगातार संपर्क में बनी हुई है। भारत ने अपने नागरिकों से कहा है कि रूस के साथ जारी युद्ध के कारण हिंसाग्रस्त इलाकों में जाने से बचें।

विदेश मंत्रालय का बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह बात सामने आई कि कुछ भारतीय युद्धग्रस्त इलाकों में रूसी सेना के सहायक के रूप में काम कर रहे हैं। जायसवाल ने कहा, सरकार इस बात से अवगत है कि कुछ भारतीय रूसी सेना में सहायक पदों पर नौकरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मॉस्को में भारतीय दूतावास नियमित रूप से इस मामले पर संबंधित रूसी अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहा है।

दम दिखाने को 'सारंग' कर रही जी-तोड़ मेहनत

हवा में दिखेंगे ऐसे कारनामे कि आप रह जाएंगे दंग

सिंगापुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सिंगापुर के आसमान में भारत की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम अपना करतब दिखाएगी। ये हेलीकॉप्टर हवा में ऐसे कारनामें करेंगे, जिसे देख दर्शक हैरान हो जाएंगे। भारतीय वायुसेना की सारंग एरोबेटिक टीम सिंगापुर में अपने साहस का प्रदर्शन करने के लिए जी-जान से मेहनत कर रही है। वह अगले सप्ताह आयोजित होने वाले सिंगापुर एयरशो-2024 में अपने शानदार 'एयरोबेटिक्स' (हवाई जहाज की कलाबाजी) का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। आयोजकों के मुताबिक चांगी प्रदर्शनी केंद्र में 20-25 फरवरी तक आयोजित होने वाले पांच दिवसीय एयरशो में 50 से अधिक देशों और क्षेत्रों की 1,000 से अधिक कंपनियां भाग लेंगी। इस विशाल एयरशो में सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शनी टीम के 71 कर्मियों की एक टीम पांच उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर 'ध्रुव' के साथ भाग लेगी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा डिजाइन और परिकल्पित 'ध्रुव' हेलीकॉप्टर सभी प्रकार के मौसम में काम करने के अलावा कई तरह के मिशन में कार्य करने में सक्षम है। सारंग के जनसंपर्क अधिकारी और ग्रुप कैप्टन आशीष मोघे ने शुक्रवार को कहा, 'सारंग की टीम दुनिया के सबसे बड़े एयरशो में से एक में भारतीय वायु सेना का प्रतिनिधित्व करने के लिए सिंगापुर में आकर सम्मानित महसूस कर रही है।

'सुपर मेयर' टिफनी हेनयार्ड के खिलाफ एफबीआई ने शुरू की जांच

भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के गंभीर आरोप

वॉशिंगटन, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने डॉल्टन की मेयर टिफनी हेनयार्ड के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। यह जांच थ्रॉन्टन टाउनशिप में कथित भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के मामले में हो रही है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, एफबीआई ने अभी इस मामले में गवाहों से पूछताछ शुरू की है।

डॉल्टन शहर के ही रहने वाले लॉरेंस गार्डनर ने मेयर टिफनी हेनयार्ड के खिलाफ आरोप लगाए हैं। गार्डनर एक रेंटल और ट्रकिंग कंपनी का संचालन करते हैं।

गार्डनर ने दावा किया है कि डॉल्टन प्रशासन की तरफ से उनका लाइसेंस रिन्यू नहीं कर रहा है। गार्डनर ने ये भी आरोप लगाया कि डॉल्टन पुलिस द्वारा उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। गार्डनर का आरोप है कि उन्होंने मेयर टिफनी हेनयार्ड द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के लिए फंडिंग करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद से उन्हें परेशान किया जा रहा है। लॉरेंस गार्डनर ने मेयर पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं और एफबीआई से इसकी शिकायत की है। डॉल्टन प्रशासन के किसी शीर्ष अधिकारी से इस मामले में पूछताछ नहीं हुई है। आरोप है कि मेयर हेनयार्ड ने सार्वजनिक धन और संसाधनों का गलत इस्तेमाल किया और जनता के पैसों को निजी उपयोग के लिए खर्च किया गया।

योजना भवन में कैश-गोल्ड बरामदगी का मामला फिर गरमाया

एसीबी के बाद अब ईडी की भी एंट्री

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सरकारी लॉकर में कैश और गोल्ड बरामदगी के मामले में राजस्थान के कुछ बड़े अफसर जल्द ईडी के निशाने पर होंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम हाल में इस मामले को लेकर राजस्थान के सूचना एवं प्रोद्योगिकी विभाग के दफ्तर भी पहुंची, जहां उसने अधिकारियों के बयान दर्ज किए हैं। गौरतलब है कि इसी मामले में एसीबी ने भी सरकार को पत्र लिखकर सीनियर आईएएस अखिल अरोड़ा के खिलाफ अनुसंधान की अनुमति भी मांग रखी है। लेकिन चार महीने से लंबा समय बीतने के बाद भी राज्य सरकार की तरफ से अब तक इस पर कोई जवाब एसीबी को नहीं भेजा गया है।

'एसीबी के पास मामला, सीबीआई की जरूरत नहीं'

जानकारी के मुताबिक, पिछले साल इस मामले में हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी जिसमें मामले की सीबीआई से जांच करवाने की मांग की गई थी। इस पर महाधिवक्ता ने सरकारी जवाब में कहा था कि 19 मई को योजना भवन के बेसमेंट में नकदी और सोने के मामले में एसीबी चालान पेश कर चुकी है। इसके बाद जनहित याचिका पेश हुई है। ईडी अपने स्तर पर जांच कर रही है और एसीबी प्रभावी ढंग से जांच कर रही है। ऐसे में सीबीआई जांच का कोई औचित्य नहीं है। जबकि एसीबी को अब सरकार की तरफ से ही अनुसंधान की अनुमति नहीं दी जा रही।

सीबीआई जांच की पीआईएल भी लंबित

पब्लिक एगेंस्ट करप्शन के पूर्व सचिव व अधिवक्ता टीएन शर्मा का कहना है कि यह मामले की जांच उनकी शिकायत पर ही शुरू की गई थी। इस मामले में हाईकोर्ट में दायर पीआईएल में उन्होंने भी पार्टी बनने की एप्लीकेशन दायर कर रखी है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले में अखिल अरोड़ा तक सभी लोग लिप्त हैं, इसलिए जांच नहीं की जा रही। वीडियो वॉल और ई-मित्र प्लस मशीन मामले में सीबीआई जांच की पीआईएल पहले से लंबित है। कैश और गोल्ड मामले को लेकर दर्ज की गई एफआईआर संख्या 125/2023 को आधार मानकर एसीबी ने अखिल अरोड़ा के खिलाफ केस दर्ज करने की अनुमति सरकार से मांगी रखी है। इस एफआईआर के आधार पर ईडी भी इस मामले की जांच करना चाहती है।

यह है पूरा मामला

तत्कालीन सरकार में डीओआईटी के ऑफिस के लॉकर में गोल्ड और करोड़ों रुपये का कैश बरामद हुआ था। मामले में डीओआईटी के तत्कालीन ज्वाइंट डायरेक्टर वेदप्रकाश यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। हालांकि, वेदप्रकाश यादव की स्वीकारोक्ति के बाद बिना जांच किए चालान पेश कर दिया गया था। ऐसे में अब जांच इस आधार आगे बढ़ सकती है कि ये गोल्ड और कैश कहां से आया?

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मनोहर जोशी के निधन पर राज्यपाल और सीएम की शोक संवेदना

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ओर लोकसभा अध्यक्ष रहे मनोहर जोशी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल मिश्र ने कहा की स्व. जोशी संसदीय परंपराओं और मूल्यों में आस्था रखने वाले राजनीतिज्ञ थे। सार्वजनिक जीवन में आम जन के विकास के लिए किए उनके कार्य सदा याद किए जाएंगे।

राज्यपाल ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी पूर्व लोकसभा अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर जोशी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि लोकसभा अध्यक्ष रहते हुए स्व. जोशी ने लोकतांत्रिक मूल्यों को समृद्ध बनाते हुए श्रेष्ठ संसदीय परंपराएं स्थापित की।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा बोले-प्रधानमंत्री नहीं होकर प्रचार मंत्री हो गए हैं मोदी

दौसा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दौसा में आयोजित कांग्रेस संवाद कार्यक्रम में आए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं बल्कि प्रचार मंत्री हो गए हैं। जिस राज्य में भी चुनाव होते हैं बस अपने नाम से चुनाव लड़ते हैं और वोट लेने के बाद गायब हो जाते हैं। दिल्ली से पर्ची आती है तो मुख्यमंत्री बनाए जाते हैं। दिल्ली के इशारे पर शासन चलाया जाने लगा है, जो कि प्रजातंत्र के खतरनाक है। इस कार्यक्रम में डोटासरा समेत राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुरजीत सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और अन्य गणमान्य नेता भी मौजूद थे।

राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को सौंपे गए विभाग पर चर्चा करते हुए डोटासरा ने कहा कि सरकार ने कृषि एवं पंचायत विभाग के टुकड़े

कर दिए। ईआरसीपी पर बोलते हुए डोटासरा ने कहा कि ईआरसीपी से राजस्थान के 13 जिलों को जो पानी मिलना था, वह अब नहीं मिलेगा क्योंकि मध्यप्रदेश ने तीन बांध बना लिए हैं और जो पानी राजस्थान को मिलेगा वह उन तीन बांधों को भरने के बाद मिलेगा। भाजपा लोकसभा चुनावों के लिए जनता को तक भ्रमित कर रही है, बाद में सच्चाई आपके सामने आ जाएगी। डोटासरा ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने हर वर्ग में विकास कार्य किए हैं। भाजपा ने अपराध के ग्राफ को मुद्दा बनाया था, वर्तमान समय प्रदेश में कई रेप की घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि पर्ची से बनी राजस्थान सरकार ने लोगों को निराश किया है। भाजपा पेपर लीक की बात करती थी लेकिन यहां तो एकेडमी के पेपर ही लीक हो रहे हैं। सरकार जिन मुद्दों के आधार पर सत्ता में आई थी उन पर ही अमल नहीं हो पा रहा है।

एसएमएस अस्पताल में गलत ब्लड चढ़ाने से मरीज की मौत

दोनों किडनी हो गई थी खराब-अब कमेटी जांचेगी, किसकी गलती से गई जान

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। एसएमएस अस्पताल में गलत ब्लड चढ़ाने से बांदीकुई निवासी 23 साल के सचिन शर्मा की शुक्रवार को मौत हो गई। ट्रॉमा वार्ड में 12 फरवरी को सचिन को रोड एक्सीडेंट के बाद भर्ती कराया गया था। यहां मरीज को ओ पॉजिटिव की जगह एबी पॉजिटिव ब्लड और प्लाज्मा चढ़ा दिया था। जिससे दोनों किडनी खराब हो गई थी।

पड़ताल में सामने आया कि ट्रॉमा सेंटर में परिजनों को ब्लड लाने के लिए जो सैंपल और पर्ची दी गई, वह किसी और मरीज की थी। जब परिजनों ने ट्रॉमा ब्लड बैंक में यह पर्ची दी तो स्टाफ ने वही ब्लड ग्रुप एबी पॉजिटिव थमा दिया था, जबकि सचिन का ग्रुप ओ पॉजिटिव था। इसी वजह से गलत ब्लड और प्लाज्मा सचिन को चढ़ा दिया गया था।

कैसे आया मामला सामने

ब्लड चढ़ाने के बाद ट्रोमा में ऑपरेशन के बाद उसे प्लास्टिक सर्जरी विभाग में शिफ्ट कर दिया गया था। यहां जब मरीज को दोबारा ब्लड की जरूरत पड़ी तो डॉक्टरों ने फिर से पर्ची बनाकर दी थी। जब मरीज के परिजन ब्लड लेकर पहुंचे तो ब्लड ग्रुप ओ पॉजिटिव (O+) बताते हुए ब्लड दिया और युवक के चढ़ा भी दिया था। यदि सचिन प्लास्टिक सर्जरी विभाग में एडमिट नहीं किया जाता और एसएमएस से ब्लड नहीं मंगाते तो यह लापरवाही सामने ही नहीं आती। दूसरी ओर, पड़ताल में यह भी सामने आया है कि ट्रॉमा सेंटर से मिले ब्लड की रिपोर्ट और पूरी जानकारी सचिन की फाइल पर नहीं लिखी गई थी। ट्रॉमा ब्लड बैंक से ब्लड लेने के बाद इसकी पूरी डिटेल मरीज की फाइल पर चढ़ानी होती है। इसमें ब्लड ग्रुप से लेकर ब्लड बैग पर लगे टैग तक को क्रॉस चेक करना होता है, लेकिन पड़ताल में सामने आए सचिन की फाइल पर ऐसी कोई डिटेल नहीं लिखी गई थी। ऐसे में जब सचिन को प्लास्टिक सर्जरी विभाग में रेफर किया गया तो ब्लड की जानकारी ही नहीं लग सकी थी। डिटेल पूरी होती तो प्लास्टिक सर्जरी विभाग में ब्लड सैंपल दिए जाने से पहले ही ब्लड ग्रुप का पता चल जाता।

बेटे की हैवानियत, लकड़ी की तरह कुल्हाड़ी से काटा पिता का गला

पाली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बेटे ने पिता की बेहरमी से हत्या कर दी। आरोपी बेटा कुल्हाड़ी से पिता की गर्दन पर तब तक वार करता रहा, जब तक वह कटकर लटक नहीं गई। जिंदगी देने वाले को दर्दनाक मौत देने के बाद आरोपी परिवार के अन्य लोगों की तरफ भी दौड़ा, लेकिन उन्होंने गांव में भागकर अपनी जान बचा। आरोपी गांव तक उनके पीछे-पीछे भागा और चिल्लाते हुए कहता रहा- मैंने पिता को मार दिया, पुलिस बुलाओ। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार घटना पाली जिले के गिरादड़ा गांव की है। बुधवार देर शाम को 32 साल के ताराराम बावरी ने शराब के नशे में चूराराम (65) साल की हत्या कर दी। पिता ने शराब छोड़ने के लिए कहा तो आरोपी ने कुल्हाड़ी से उन पर हमला कर दिया। गर्दन और सीने पर लगातार छह-सात वार करने के बाद चूराराम की गर्दन कटकर लटक गई। इसके बाद आरोपी मां, छोटे भाई की पत्नी और उसके बच्चों की तरफ भी कुल्हाड़ी लेकर दौड़ा, लेकिन उससे बचने के लिए वे गांव की ओर भाग गए।

शराब का आदी है हत्या बेटा

आरोपी ताराराम बावरी शराब पीने के आदी है। दिन रात वह शराब के नशे में रहता है और कोई काम भी नहीं करता। इससे परेशान होकर उसकी ने उसे छोड़ दिया और अपने पीहर चली गई। वारदात से पहले आरोपी ताराराम शराब के नशे में धुत था, उसके आने पर चूरारान ने उससे फटकारा और शराब छोड़ने की बात कही। पिता चूराराम ने कहा कि रोज-रोज शराब पीता है, कब तक मैं तुझे पालता रहूंगा। अब अगर, नहीं सुधरा तो तुझे घर से निकाल दूंगा। इस बाद पर आरोपी बेटा भड़क गया, उसने अचानक कुल्हाड़ी उठाकर पिता पर हमला कर दिया। छह-सात वार में चूराराम की गर्दन कट कर लटक गई।

मृतक की पत्नी घाव पर लगाती रही राख

बेटे के हमले से जमीन पर घायल पड़े पति को देख पत्नी ने चूल्हे की राख घाव पर लगाना शुरू कर दिया। उसकी कोशिश थी कि खून बहने से रुक जाएगा तो पति चूराराम को बचा लिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। छोटे भाई की बहू की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसने कलयुगी बेटे को फांसी देने की मांग की है।

कुत्ते ने मासूम को 5 मिनट नोचा, घसीटकर ले गया

परिजनों ने पीछे दौड़कर छुड़ाया; चेहरे पर दांत गड़ाए, 17 टांके लगे

बांसवाड़ा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मां ने 5 साल के मासूम बच्चे को नहलाकर धूप में बिठाया तो आवारा कुत्ता उस पर टूट पड़ा। पांच मिनट तक कुत्ते ने बच्चे को नोचा फिर घसीट कर ले गया। परिजनों ने पीछे दौड़कर बच्चे को कुत्ते से छुड़ाया। बच्चे का चेहरा जगह-जगह से कट गया। बच्चे को 17 टांके लगे हैं। घटना बांसवाड़ा जिले के बड़ोदिया कस्बे के पास केवड़िया गांव में सुबह 11.45 बजे हुई।

पड़ोसी पुष्पेन्द्र ने बताया- घटना के वक्त घर में बच्चे हंसराज (5) की मां लक्ष्मी थी। उसका बड़ा भाई (6) स्कूल गया हुआ था। पिता कमलेश नवोदय स्कूल में खाना बनाने का काम करने गए थे और दादा बाजार गए थे। इस दौरान कुत्ते ने बच्चे पर हमला किया। परिजनों का कहना है कि वक्त रहते अगर हंसराज को कुत्ते से नहीं छुड़ाते तो वह उसे मार डालता। सुबह 11.30 बजे मां ने बच्चे को नहलाकर शॉल में लपेट पर आंगन में धूप में बैठाया था। किसी काम से मां थोड़ी देर के लिए अंदर गई तो आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। बच्चे के रोने की आवाज आई तो मां और पड़ोसी भागे। घायल बच्चे को तुरंत बांसवाड़ा के एमजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जब परिजन बच्चे को इलाज के लिए एमजी अस्पताल लाए तब यहां इलाज के दौरान बच्चा दर्द के मारे तड़पता रहा। आखिर में बच्चे को प्राथमिक इलाज के बाद वार्ड में भर्ती कर दिया गया। बच्चे को डॉक्टर ने 17 टांके लगाए। सर्जन डॉ. दिनेश माहेश्वरी ने कहा बच्चे को कुत्ते ने काफी नोच डाला है। हालांकि उसकी हालत अब खतरे से बाहर है। लेकिन यह घाव भरने में काफी समय लगेगा। कुछ दिन अस्पताल में भर्ती रखना पड़ेगा।

भीलवाड़ा में वकील की पीट-पीटकर हत्या

जंगल में हाथ-पैर तोड़े, बाप-बेटे समेत 10 लोगों ने लाठी-डंडों से किया हमला; हाईवे पर फेंका

भीलवाड़ा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। वकील को बाप-बेटे समेत 10 लोगों ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना गुरुवार रात 11 बजे भीलवाड़ा के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र के तखतपुरा गांव की है। बताया जा रहा है कि मौत से पहले वकील ने एक वीडियो भी बनाया। इधर, घटना के बाद से स्थानीय वकीलों में रोष है।

जानकारी के अनुसार वकील मोहन अहीर (40) गुरुवार रात को गांव औज्याडा से शादी समारोह में शामिल होकर अपनी कार से तखतपुरा गांव की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर में सवार होकर आए करीब 10 से ज्यादा लोगों ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर हाईवे के एक तरफ रुक गई तो बदमाशों ने उन्हें कार से बाहर निकाला। इसके बाद हाईवे पर ही उनके साथ लाठी-डंडे और सरिया से मारपीट कर हाथ-पैर तोड़ डस्टर गाड़ी में डालकर पास के जंगल में ले गए। बताया जा रहा है कि यहां भी वकील के साथ मारपीट की गई और इसके बाद वहीं छोड़ फरार हो गए। इसी बीच कुछ लोग वहां से निकले तो उनकी नजर मोहन पर पड़ी। इस पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और रात 12 बजे उन्हें भीलवाड़ा लेकर आए। जहां हालत गंभीर देखते हुए उदयपुर रेफर किया। यहां इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह 7 बजे मौत हो गई।

'तुझे दोस्ती करनी होगी, नहीं तो जान से मार दूंगा'

जयपुर में 8वीं क्लास की छात्रा का पीछा करते हुए घर तक पहुंचा बदमाश, फिर धमकाया

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में एक शॉप कीपर के 8वीं क्लास की छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। स्कूल से घर लौटते समय आरोपी शॉप कीपर ने उसका पीछा किया।

अपार्टमेंट की लिफ्ट में पकड़कर आरोपी ने छेड़छाड़ कर धमकाया। विरोध कर चिल्लाने पर लिफ्ट के पास लोगों के इकट्ठा होने पर आरोपी भाग निकला। शिवदासपुरा थाने में नाबालिग पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ (शिवदासपुरा) दौलतराम गुर्जर कर रहे है। पुलिस ने बताया- शिवदासपुरा निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह अपार्टमेंट में फ्लैट लेकर परिवार सहित रहते हैं। उनकी 13 साल की बेटी प्राइवेट स्कूल में 8वीं क्लास में पढ़ती है। 19 फरवरी को स्कूल की छुट्टी होने पर पैदल घर लौट रही थी। रास्ते में सैलून की शॉप चलाने वाला बुद्धिप्रकाश ने नाबालिग का पीछा किया। स्कूल से घर लौटते समय पीछा करते हुए अपार्टमेंट तक आ गया। फ्लैट में पहुंचने के लिए नाबालिग बेटी के लिफ्ट में जाते ही आरोपी भी अंदर घुस गया।

धमकाया-तुझे दोस्ती करनी होगी, नहीं तो जान से मार दूंगा

लिफ्ट में आरोपी बुद्धिप्रकाश ने नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ की। धमकाया- तुझे दोस्ती करनी होगी, नहीं तो जान से मार दूंगा। मैं तुझको बहुत पैसे दूंगा। विरोध कर नाबालिग बेटी के शोर मचाने पर आस-पड़ोस के लोग लिफ्ट के पास इकट्ठा होने पर आरोपी भाग निकला। शिवदासपुरा थाने में नाबालिग बेटी के पिता ने आरोपी शॉप कीपर बुद्धिप्रकाश के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीएनबी बैंक में कैशियर को गोली मारी

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब नेशनल बैंक(पीएनबी) में शुक्रवार सुबह 9:45 बजे लूट की कोशिश की गई। हथियार लेकर घुसे दो नकाबपोश बदमाशों ने कैशियर को गोली मार दी। घटना जयपुर के झोटवाड़ा इलाके में शुक्रवार सुबह हुई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल कैशियर नरेंद्र सिंह शेखावत को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया है।

एडिशनल कमिश्नर कैलाश चंद बिश्नोई ने बताया- वारदात झोटवाड़ा के जोशी मार्ग पर पीएनबी की ब्रांच है। बैंक में 8 कर्मचारी काम करते हैं। रोज की तरह सुबह 9:30 बजे बैंक खुला था। बैंक में बैंक मैनेजर मनीष सैनी, महिला कर्मचारी विनेश चौधरी और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रमेश सैनी मौजूद थे। करीब 9:45 बजे बैंक में दो बदमाशों ने चेहरे पर मास्क लगाकर एंट्री की। जो तीनों बैंककर्मियों को गन पॉइंट पर रखकर लूट की कोशिश में एक कमरे में बैठा दिया। इस दौरान बैंक के कैशियर नरेंद्र सिंह शेखावत एंट्री करते हैं। कैशियर की लुटेरों से झड़प हो जाती है। इस दौरान बदमाश गोली चला देता है, जो कैशियर के पेट में लग जाती है।

10 वर्ष से फरार 25 हजार के इनामी आतंकी मेराजुद्दीन को गंगापुर सिटी से पकड़ा

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहे 25 हजार रुपये के इनामी आतंकी मोहम्मद मेराजुद्दीन पुत्र मोहम्मद नियाजउद्दीन (31) निवासी वार्ड नंबर 18 बजरिया रेलवे स्टेशन थाना गंगापुर सिटी को पकड़ा है। जयपुर एटीएस की टीम को 10 सालों से इसकी तलाश थी।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन बताया कि साल 2014 में स्लीपर सेल द्वारा भारत के विभिन्न स्थानों पर आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने की योजना थी। इस मामले में प्रदेश के सीकर, जोधपुर एवं जयपुर जिले से कुल 13 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। जिनमें से 12 को कोर्ट द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। एडीजी एमएन ने बताया कि इस मामले में थाना एसओजी जयपुर में प्रकरण संख्या 3/2014 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम व विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। पकडा गया आतंकी मोहम्मद मेराजुद्दीन घटना के वक्त से फरार चल रहा था। एटीएस-एसओजी एडीजी द्वारा 24 जनवरी 2018 को 25000 का इनाम घोषित किया गया था। एमएन ने बताया कि आपराधिक गिरोह एवं गैंगस्टर की धरपकड़ अभियान के सफलता के लिए आईजी क्राइम प्रफुल्ल कुमार के पर्यवेक्षण एवं एजीटीएफ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विद्या प्रकाश के सुपरविजन तथा एसआई नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में एएसआई शैलेंद्र शर्मा, हेड कांस्टेबल शाहिद अली, कांस्टेबल रविंद्र सिंह, महेंद्र सिंह व बृजेश कुमार की टीम को आसूचना संकलन के लिए भरतपुर रेंज की ओर रवाना किया गया है। एजीटीएफ को सूचना मिली कि एटीएस से इनामी आतंकी मोहम्मद मेराजुद्दीन गंगापुर सिटी आया हुआ है। सूचना पर टीम द्वारा आतंकी के निवास और आसपास के क्षेत्र में सघन निगरानी की। सूचना पुख्ता होने के बाद सीओ सिटी बाबूलाल बिश्नोई मय जाब्ता की मदद से बमुश्किल इसे पकड़ा गया। शुक्रवार को इसे अग्रिम कार्रवाई के लिए एटीएस टीम को सुपुर्द कर दिया गया है। एडीजी ने बताया कि आतंकी मोहम्मद मेराजुद्दीन दिल्ली में ओखला स्थित मरकस, गुजरात एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों में फरारी काट रहा था। प्रारंभिक पूछताछ में इसने बताया कि यह और इसके साथी इंडियन मुजाहिद्दिन एवं अन्य इस्लामी संगठनों से संपर्क में थे। साल 2014 में इनके द्वारा विभिन्न स्थानों पर आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की योजना थी, पर इससे पहले ही इनके साथी सुरक्षा एजेंसियो की गिरफ्त में आ गए थे।

एमएन ने बताया कि आतंकी मोहम्मद मेराजुद्दीन को राजस्थान एटीएस को सुपुर्द किया जा चुका है। अग्रिम कार्रवाई उनके द्वारा की जा रही है। अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है जिसमें और भी खुलासे हो सकते हैं। एडीजी ने बताया कि इस संपूर्ण कार्रवाई में एजीटीएफ के एसआई नरेंद्र सिंह, एएसआई शैलेंद्र शर्मा, हेड कांस्टेबल शाहिद अली, कांस्टेबल रविंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, बृजेश कुमार की विशेष भूमिका तथा एएसआई दुष्यंत सिंह एवं कांस्टेबल संजय का तकनीकी सहयोग रहा। साथ ही सीओ गंगापुर सिटी बाबूलाल बिश्नोई मय जाब्ता द्वारा सहयोगी की भूमिका निभाई।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद अपनाएं : डॉ प्रसाद

हैदराबाद, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जीपी प्रसाद ने पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में 'सभी के लिए आयुर्वेद अर्थात हर दिन हर घर आयुर्वेद' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने उपस्थितियों को स्वास्थ्य पूर्ण जीवन के लिए आयुर्वेद को दैनंदिन जीवन में अपनाने का आवाहन किया।

डॉ. प्रसाद ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, एएफएस बेगमपेट का दौरा किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य एन शंकर उपस्थित थे।

इस दौरान "दिनचर्या और ऋतुचर्या: दीर्घायु के लिए आयुर्वेद के दो मूलभूत स्तंभ' विषय पर डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी आयुर्वेद ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। साथ ही इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारीयों को संशमनीवटी, अश्वगंधा घनवटी और च्यवनप्राश आदि रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाली औषधियों का वितरण किया गया। इसके अलावा पोस्टर्स, ब्रोशर आदि आयुर्वेद सूचना प्रसार एवं शिक्षा सामग्री के साथ साथ औषधीय पौधों का उपस्थिति समुदाय के बीच वितरण किया गया। इस में लगभग 50 शिक्षक एवं कर्मचारीयों तथा 150 से ज्यादा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इसमें संस्थान कि ओर से के श्रीनिवास राव, एलआयए एवं जी रवि बाबू ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

2.48 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। जासूसी विभाग की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के अधिकारियों ने शुक्रवार को चार्टर्ड अकाउंटेंट से 2.48 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में काचीगुडा निवासी श्रीनाथ राठी (29) को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, श्रीनाथ ने विभिन्न कारण बताकर चार्टर्ड अकाउंटेंट से पैसे एकत्र किए और भुगतान से बचकर उनके साथ धोखाधड़ी की। उसे अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सड़क दुर्घटना मामले में व्यक्ति को जेल

हैदराबाद, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने शुक्रवार को एक व्यक्ति को लापरवाही से गाड़ी चलाने के लिए दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। यह व्यक्ति 2016 में मेडचल में हुई सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत मामले में अपराधी था। अगस्त 2016 में, दोषी व्यक्ति शैलेन्द्र पांडे (45) ने लापरवाही से एक लोडेड ट्रक चलाया और एक कार से टकरा गया, जिससे मेडचल के सुथारीगुडा में सभी आठ यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई।

जीडिमेटला श्री आईमाताजी बडेर में ध्वजारोहण कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित शहर के हृदयस्थल मे बसी सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाताजी मंदिर में प्रति वर्ष की भांति श्री आईमाताजी के प्रमुख मंदिर व श्री शीतलामाताजी मंदिर पर बाबूलाल चोयल, हुक्माराम सोलंकी परिवार एवं समाज बन्धुओं के सानिध्य में गाजे-भाजे के साथ भव्य शोभा यात्रा, पूजा-अर्चना के पश्चात् पंडित बालराज के मंत्रोच्चारण से ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति मेसचिव नारायणलाल वरपा ने बताया कि हर वर्ष की भांति 23 फरवरी शुक्रवार को प्रात: 9.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर गाजे-बाजे के साथ नाचते गाते हुए भव्य शोभा यात्रा, पूजा-अर्चना के पश्चात् प्रात: 10.15 बजे श्री आईमाताजी मंदिर पर बाबूलाल चोयल के सुपुत्र संतोष कुमार परिवार व श्री शीतलामाताजी मंदिर पर हुक्माराम सोलंकी परिवार द्वारा ध्वजा रोहण समारोह में नई ध्वजा लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

लाभार्थी परिवार का समाज के पदाधिकारियों ने पुष्प-माला व दुपट्टे से विशेष सम्मान किया। समाज बंधुओ व महिलाओ ने राजस्थानी वेष-भूषा में नाचते-गाते हुए महोत्सव का लाभ लिया। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। जिसका समाज बन्धुओं ने सपरिवार लाभ लिया। ध्वजा रोहण महोत्सव पर समाज को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष मांगीलाल काग ने बताया कि सपरिवार समाज बंधुओं द्वारा सम्मलित होकर ध्वजा रोहण कार्यक्रम मनाना समाज के लिए बडे गर्व की बात है। उन्होंने पधारे सभी समाज बंधुओं का तहदिल से आभार व्यक्त किया। पूर्व अध्यक्ष बाबुलाल चोयल ने पैत्रिक गांव राजस्थान से समाज बन्धुओं को ध्वजा रोहण समारोह की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मांगीलाल काग, सचिव नारायणलाल वरपा, केराराम सिन्दड़ा, प्रेम पंवार, सोहनलाल परिहार, रावतराम बर्फा, पूर्व अध्यक्ष चेनाराम चोयल, मांगीलाल सोलंकी, भुन्डाराम बर्फा, मोहनलाल सीरवी, पदाधिकारी व समाज बंधु सपरिवार उपस्थित रहे। मंच का संचालन सोहनलाल परिहार ने किया अध्यक्ष मांगीलाल काग के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

जिताऊ उम्मीदवार की तलाश में कांग्रेस

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस को लोकसभा प्रत्याशियों को चुनने में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती असली जीत का घोड़ा तलाशना है। पार्टी को अभी तक नलगोंडा, भोंगिर, खम्मम, पेद्दापल्ली और नगरकुर्नूल लोकसभा सीटों के लिए उपयुक्त उम्मीदवार की पहचान नहीं हो सकी है।

राज्य कांग्रेस नेतृत्व ने लगभग 10 से 11 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी सहित पार्टी नेता, जो अभी दिल्ली में हैं, एआईसीसी नेताओं के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे, जहां उम्मीदवारों, उनकी पृष्ठभूमि, लोगों के साथ उनके जुड़ाव और सर्वेक्षण रिपोर्ट के परिणामों की गहन समीक्षा करेंगे। बहरहाल, पार्टी हाईकमान अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है।

पता चला है कि इन सीटों के लिए लगभग 12 उम्मीदवार दौड़ में हैं। दावेदारों में डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्का की पत्नी मल्लू नंदिनी और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के भाई पोंगुलेटी प्रसाद रेड्डी शामिल हैं। जबकि अन्य जो दौड़ में हैं वे हैं पूर्व सांसद वी हनुमंत राव और वी राजेंद्र प्रसाद। पेद्दापल्ली (एससी) सीट के लिए 29 उम्मीदवार हैं। शीर्ष दावेदारों में विवेक वेंकट स्वामी (विधायक) के बेटे गद्दाम वामसी कृष्णा, पीसीसी सचिव पेर्का श्याम, रामिला राधिका, कटकुरी संदीप सहित अन्य शामिल हैं। कहा जा रहा है कि इनके अलावा निवर्तमान सांसद बोरलाकुंटा वेंकटेश नेता जो हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए हैं, उनके भी नाम संभावित उम्मीदवारों में है। काफी प्रभाव डालने वाला सवाल यह है कि पार्टी का उम्मीदवार कौन होगा जो इन सभी नेताओं को स्वीकार्य होगा। जबकि नलगोंडा से 9 उम्मीदवार हैं जिनमें पूर्व मंत्री के जना रेड्डी के बेटे, रघुवीर रेड्डी, पार्टी के सूर्यापेट नेता पटेल रमेश रेड्डी शामिल हैं, जो सीएम के करीबी माने जाते हैं। वहीं भोंगिर से 28 दावेदार हैं। इनमें प्रमुख हैं टीपीसीसी उपाध्यक्ष और सीएम के करीबी चमाला किरण कुमार रेड्डी, विधायक कुंबम अनिल कुमार रेड्डी की बेटी कीर्ति रेड्डी, डॉ. कोमाटिरेड्डी सूर्य पवन रेड्डी और पी कैलाश नेता। नगरकुर्नूल (एससी) से कुल 26 लोगों ने आवेदन किया है। इन शीर्ष दावेदारों में डिप्टी सीएम के भाई मल्लू रवि, पूर्व विधायक एस ए संपत कुमार, पीसीसी सचिव चरकोंडा वेंकटेश आदि शामिल हैं।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में हुई कृषि के डिजिटलीकरण पर चर्चा

हैदराबाद, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोफिजिक्स, कृषि प्रभाग द्वारा आईसीएआर-सीआरआईडीए, हैदराबाद में आयोजित "स्थायी कृषि और पर्यावरण के लिए स्मार्ट टेक्नोलॉजीज" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा एनालिटिक्स, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, सेंसर और संचार नेटवर्क सहित कृषि उत्पादन प्रणाली और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में अत्याधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करके कृषि के डिजिटलीकरण के पहलुओं पर प्रस्तुति दी और चर्चा की और किसान-वैज्ञानिक बातचीत की।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में वैज्ञानिकों, अनुसंधान कार्यकर्ताओं, किसानों और छात्रों सहित लगभग 350 हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, आईसीएआर थे।

समापन समारोह में आईसीएआर-सीआरआईडीए के निदेशक डॉ. वीके सिंह ने अपने संबोधन में सदन को बताया कि सेमिनार प्रस्तुतियों की विभिन्न श्रेणियों - आमंत्रित व्याख्यान, मौखिक और पोस्टर सत्र के तहत आयोजित किया गया था। विभिन्न सत्रों के प्रतिवेदकों ने सिफ़ारिशें प्रस्तुत कीं।

डॉ प्रगति परमाणिक मैती, सचिव, आईएसएपी ने सेमिनार की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। आईएसएपी के अध्यक्ष डॉ. वाई. एस. शिवाय ने इस सेमिनार के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया और सेमिनार के आयोजन में उनके सहयोग के लिए सभी समितियों की सराहना की।

मुख्य अतिथि डॉ. एसके चौधरी ने प्रतिनिधियों को दो दिवसीय सेमिनार की सिफारिशों के आधार पर स्मार्ट प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके परियोजनाओं को विकसित करने पर जोर दिया।

किसान आंदोलन के समर्थन में दिया धरना

भैंसा, 23फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय रैथू कुली संघने पंजाब, हरियाणा सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में भैंसा में धरणा आंदोलन किया। संघ के उपाध्यक्ष जे राजू ने कहा कि, आंदोलन कर रहें किसानों पर रबर की गोलियां चलाई जा रही है, उनके रास्तों में किले बिछाई गई और पानी के फवारों से उन्हे खदेडने का प्रयास सरकार द्वारा किया गया। यह कैसी सरकार है जो किसानों पर गोली चलवा रही है।

शुभकरण नामक एक युवा किसान की इसमें मौत हो गई और कई किसान घायल हो गए। सरकार के इस रवैय्ये का हम विरोध करतें है और आंदोलन के दौरान मृत किसान शुभकरण के परिवार को 1 करोड की अनुग्रह राशि देने कि मांग भी उन्होंने रखी। आंदोलन में इफ्टू जिला सचिव एम हरिता, मुथन्ना, एआईकेएमएस नेता गंगाधर, साईनाथ, निम्मा राजन्ना और प्रसाद ने भाग लिया।

आसिफाबाद में लाइब्रेरी का उद्घाटन

आसिफाबाद, 23 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को आसिफाबाद कस्बे में नौकरी परीक्षाओं के सभी समूहों के लिए अध्ययन सामग्री के साथ सभी पुस्तकालयों का उद्घाटन किया। इस मौके पर विधायक कोवा लक्ष्मी ने कहा कि कुमरमभीम आसिफाबाद हमारा जिला भले ही पिछड़ा जिला हो लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी जिला रहेगा। स्थानीय जेडपीटीसी अरिगेला नागेश्वर राव, जिन्होंने छात्रों को विभिन्न नौकरियां दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की, उनको प्रतिस्पर्धी पुस्तकें प्रस्तुत करने वाले नक्का बंधुओं को बधाई दी।

इस मौके पर स्थानीय कलेक्टर बोरकड़े हेमंत ने नौकरी की तैयारी करने वाले कुमरमभीम आसिफाबाद के युवाओं और युवतियों को सलाह दी कि वे इस लाइब्रेरी को एक सुनहरा अवसर मानें और अपनी योग्यता साबित करें।

स्थानीय जेडपीटीसी अरिगेला नागेश्वर राव, नक्का उमेश कुमार यादव एवं नक्का श्रीनिवास यादव, नक्का वेंकटम्मा यादव ने अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक आत्रम सक्कू, स्थानीय अधिकारी, अरिगेला सरथ यादव सहित यादव समुदाय के नेता, गांव के बुजुर्ग, छात्र और अन्य लोग शामिल हुए।

रामनगर बस डिपो क्षेत्रों में हुई सफाई

वारंगल, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बल्दिया जीवविज्ञानी माधव रेड्डी ने कहा कि मलेरिया कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से सफाई का काम किया। इस मौके पर उन्होंने कहा पर्यावरणीय स्वच्छता और मच्छर नियंत्रण उपायों के तहत 52 डिवीजन के अंतर्गत रामनगर बस डिपो क्षेत्रों में गिरोह का काम करें और जल निकासी नहरों और सड़कों को साफ करें। उन्होंने बताया कि मलेरिया कर्मचारियों ने झाड़ियों और जंगली पौधों को हटाने के साथ-साथ जल भंडारण क्षेत्रों में टेमोपास स्प्रे और घर के परिसर में इनडोर स्पेस स्प्रे और पाइरिथ्रम एसीएम का छिड़काव किया। इस कार्यक्रम में सिनेटरी सुपरवाइजर भास्कर, सब यूनिट ऑफिसर लिंगा मूर्ति, स्वास्थ्य निरीक्षक रवि, स्वच्छता निरीक्षक भीमैया, यादैया, स्वास्थ्य सहायक संपत, अजीज शहरी मलेरिया और स्वच्छता कर्मचारियों ने भाग लिया।

भैंसा नगर निगम के 56.22 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी

भैंसा, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा नगर निगम को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 56.22 करोड रुपए के बजट को गवर्निंग बॉडी ने मंजूरी दी। आयुक्त वेंकटेश्वरलू ने परिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान की प्रतियां प्रस्तुत कीं। बाद में इसे परिषद के सदस्यों को पढ़कर सुनाया गया।

शहर के नगर पालिका सभाकक्ष में गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट के अनुमोदन के लिए चेयरपर्सन साबिया बेगम ने परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में विधायक रामाराव पटेल, अपर समाहर्ता फैजान अहमद शामिल हुए।

पिछले वर्ष (2023-24) बजट अनुमान 15.52 करोड़ रुपये स्वीकृत किया गया था, जिसमें प्रारंभिक आरक्षित राशि 2.26 करोड़ रुपये, सामान्य निधि से आय 4.86 करोड़ रुपए और अनुदान और ऋण से 8.40 करोड़ रुपये थी। इसमें से 15.47 करोड़ रुपये खर्च किये गये और 7 लाख रुपये का सरप्लस दिखाया गया। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल 56.22 करोड़ रुपये पेश किए गए हैं, सामान्य निधि से अनुमानित आय 7.15 करोड़ रुपये है। अनुदान और ऋण से अनुमानित आय 49 करोड़ रुपये है। बताया जाता है कि नगर निगम की आय का 10 प्रतिशत वेतन, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन, स्वच्छता के रखरखाव, वर्तमान बिल, ऋण किस्तों के भुगतान और 10 प्रतिशत हरित कार्यों के लिए आवंटित किया गया है। शेष धनराशि में से 1/3 धनराशि अविकसित, कमजोर वर्गों, अल्पसंख्यक और स्लम क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए निर्धारित की गई है। इसके अलावा, पार्कों, अभयारण्यों, सार्वजनिक शौचालयों, एकीकृत बाजारों के विकास, पशु वधशालाओं और डंप यार्डों के विकास के लिए आवंटन किया गया है।

इस बैठक में कई पार्षद शहर में चल रहे मिशन भगीरथ कार्यों को लेकर नाराज दिखे। बैठक में उपाध्यक्ष एमडी जाबिर अहमद और पार्षद मौजूद रहे।

संसदीय चुनाव शांतिपूर्ण कराने में सहयोग करें : आशीष सांगवान

निर्मल, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संसदीय चुनाव के संचालन को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए जिलाधिकारी आशीष सांगवान ने राजनीतिक दलों से जिले में शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न कराने में अपना सहयोग देने को कहा।

उन्होंने कहा कि संसदीय चुनाव के लिए 1564 बैलेट यूनिट, 1067 कंट्रोल यूनिट और 1322 वीवी एफएटी का प्रथम चरण का निरीक्षण पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को सूचियां सौंप दी गयी हैं। जिले को आवंटित ईवीएम निरीक्षण इस महीने की 26 तारीख से शुरू होगा और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को इसमें भाग लेने की सलाह दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतिम मतदाता सूची इस महीने की 8 तारीख को प्रकाशित की गई थी और निर्मल, खानापुर और मुधोल निर्वाचन क्षेत्रों में 922 मतदान केंद्रों पर 379880 महिलाएं, 353786 पुरुष और 51 अन्य मतदाता थे। 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को फॉर्म 6 भरना चाहिए और मतदाता के रूप में पंजीकरण कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की मैदानी स्तर पर जांच कराई जायेगी और फर्जी एवं मृत मतदाताओं को हटाया जायेगा। राजनीतिक दलों को व्यापक मतदाता सूची बनाने में सहयोग करना चाहिए।

इस बैठक में अपर समाहर्ता किशोर कुमार, आरडीओ रत्नकल्याणी, निर्वाचन विभाग के पर्यवेक्षक श्रीनिवास, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि जगन मोहन, श्रवण रेड्डी, रवि कुमार, सैयद हैदर, गंद्रथ रमेश, सैयद मजार, सिरिकोंडा रमेश, नूतन कुमार और अन्य ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'जाति के नाम ...

पीएम मोदी ने बताया कि संत रविदास जी की जन्मस्थली के विकास के लिए कई करोड़ की योजनाओं का आज शुभारंभ हो रहा है। मंदिर तक आने-जाने वाली सड़कों, इंटरलॉकिंग ड्रेनेज सिस्टम, संत्संग भवन और प्रसाद ग्रहण करने के लिए अलग-अलग सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक सुख तो मिलेगा ही कई अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर संत रविदास की नई प्रतिमा का लोकार्पण किया और म्यूजिम की आधारशिला रखी। उन्होंने इस अवसर पर गाडगे महाराज की जयंती पर भी अपनी ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

पीएम ने कहा कि जब मैं राजनीति में नहीं था तब भी श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं से मार्गदर्शन प्राप्त करता था। मेरे मन में भावना थी कि उनकी सेवा का अवसर मिले। आज काशी ही नहीं पूरे देश में उनकी शिक्षाओं का प्रसार किया जा रहा है। हाल ही में मध्य प्रदेश के सतना में संत रविदास स्मारक कला केंद्र के शिलान्यास का सौभाग्य मिला।

'नीतियां लागू करना ...

साथ ही ये भोजन के अधिकार का भी उल्लंघन है। याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने ऐसा कोई भी निर्देश देने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि भुखमरी और कुपोषण से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें पहले ही राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून और अन्य कल्याणकारी योजनाएं लागू कर चुकी हैं। पीठ ने कहा कि यह सर्वविदित है कि नीतिगत मामलों की न्यायिक समीक्षा का दायरा बहुत सीमित है। अदालतें किसी नीति या योजना की उपयुक्तता की जांच नहीं करती हैं और न ही कर सकती हैं। न ही अदालतें नीति के मामलों में कार्यपालिका की सलाहकार हैं। पीठ ने कहा कि नीतियां लागू करने का अधिकार कार्यपालिका के पास है।

चंदा लेने के ...

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि वित्तीय वर्ष 2018-19 और 2022-23 के बीच भाजपा को कुल लगभग 335 करोड़ रुपये का दान देने वाली कम से कम 30 कंपनियों को केंद्रीय एजेंसियों द्वारा कार्रवाई का सामना करना पड़ा। जयराम ने कहा कि हमने इस मुद्दे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। भाजपा को घेरते हुए जयराम रमेश ने पूछा कि क्या सरकार भाजपा के वित्त पर श्वेत पत्र लाएगी। क्या भाजपा यह बताएगी कि जांच एजेंसियों को दुरूपयोग दान देने के लिए मजबूर करने के लिए किया गया था।

भाजपा को घेरते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि एगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो क्या भाजपा घटनाओं के क्रोनोलॉजी पर बिंदु-दर-बिंदु खंडन पेश करने को तैयार है। यदि आप तथ्यात्मक स्पष्टीकरण देने को तैयार नहीं हैं, तो क्या आप भाजपा के लिए चंदा लूटने के इन संदिग्ध सौदों की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच के लिए खुद को पेश करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की जरूरत है।

एसपी ने सीसीएस इंस्पेक्टर को किया सम्मानित

आसिफाबाद, 23 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस कार्यालय में सीसीएस इंस्पेक्टर के रूप में कार्यरत मुत्यम राजू का स्थानांतरण सिद्दीपेट आयुक्तालय में हुआ है।

इस उपलक्ष्य में जिला पुलिस कार्यालय में एसपी के सुरेश कुमार ने इंस्पेक्टर मुत्यम राजू को सम्मानित किया और जिले में उनकी सेवाओं की सराहना की। कार्यक्रम में कागज नगर डीएसपी करुणाकर, टास्क फोर्स और विशेष शाखा निरीक्षक राणा प्रताप, आसिफाबाद सीआई सतीश, डीपीओ एओ श्रीनिवास, फिंगरप्रिंट अनुभाग सीआई मार्कंडेय, आरआई एडमिन पेडन्ना, आरआई एमटीओ अंजना, एसबी एसआई रामकृष्ण, वेंकटेश, आसिफाबाद एसआई महेंद्र, आरएसआई ओडेलू और किरण ने भाग लिया।

गीत चाँदनी की कवि गोष्ठी आज

हैदराबाद, 23 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी की ओर से 24 फ़रवरी को सायं 5 बजे से नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया है।

इस कार्यक्रम कि अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद करेंगे। इस अवसर पर कवि अंजनी कुमार गोयल, श्रुतिकांत भारती और ठाकुर दिनेश सिंह बतौर विशेष अतिथि उपस्थित रहेंगे।

संचालक गोविंद अक्षय ने बताया कि यह कवि गोष्ठी राष्ट्रीय समस्याओं पर आधारित होगी, जिस में नगर द्वय के कवि गण राष्ट्र की रक्षा के निमित्त, देश की समसामयिक समस्याओं और जीवन के विभिन्न विषयों पर अपने गीत, ग़ज़ल और हास्य-व्यंग्य की कविताओं का पाठ करेंगे। कोषाध्यक्ष रत्नकला मिश्र ने सभी कवियों और हिंदी प्रेमी श्रोताओं से कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पहला सत्र भारत के तो आखिरी दो सत्र इंग्लैंड के नाम

रुट ने जड़ा 31वां शतक, आकाशदीप छाए

रांची, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच रांची में चौथा टेस्ट खेला जा रहा है। पहले दिन की समाप्ति के बाद इंग्लैंड ने सात विकेट गंवाकर 302 रन बना लिए हैं। फिलहाल ओली रॉबिन्सन 31 रन और जो रूट 106 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच 57 रन की साझेदारी हो चुकी है।

आज पहला सत्र भारत के नाम रहा था। आकाश दीप के तीन विकेट ने इंग्लैंड के शीर्ष क्रम को उखाड़ कर रख दिया था। उन्होंने बेन डकेट (11), ओली पोप (0) और जैक क्राउली (42) को पवेलियन भेजा। इसके बाद आकाश के कहर बरपाने के बाद बारी स्पिनर्स की थी। अश्विन ने जॉनी बेयरस्टो को और रवींद्र जडेजा ने बेन स्टोक्स को आउट कर इंग्लैंड की आधी टीम को पवेलियन भेज दिया। बेयरस्टो 38 और स्टोक्स तीन रन बना सके।

रुट ने जड़ा करियर का 31वां शतक

लंच तक पहले सत्र में इंग्लैंड ने पांच विकेट गंवाकर 112 रन बनाए थे। इसके बाद दूसरे सत्र में यानी चायकाल तक जो रूट और बेन फोक्स ने कोई विकेट नहीं गिरने दिया। दोनों ने मिलकर उस सत्र में 86 रन जोड़े। तीसरे सत्र यानी चायकाल के बाद सिराज ने टीम इंडिया की वापसी कराई। उन्होंने रूट और फोक्स की 113 रन की साझेदारी को तोड़ा। फोक्स अर्धशतक से चूक गए। वह 47 रन बनाकर सिराज की गेंद पर कैच आउट हुए। वहीं, टॉम हार्टले 13 रन बनाकर सिराज की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए।

रूट ने टेस्ट करियर का 31वां शतक जड़ा। उन्होंने ओली रॉबिन्सन के साथ मिलकर इंग्लैंड की पारी को संभाला है। भारत की ओर से अब तक आकाश ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए हैं। वहीं, सिराज को दो विकेट मिले। रवींद्र जडेजा और अश्विन को एक-एक विकेट मिला। तीसरे सत्र में इंग्लैंड ने 29 ओवर में दो विकेट गंवाकर 104 रन बनाए। भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज के चौथे मुकाबले में तेज गेंदबाज आकाश दीप ने डेब्यू किया। उन्होंने तीन विकेट हासिल किए। आकाश ने बेन डकेट (11), ओली पोप (0) और जैक क्राउली (42) को पवेलियन भेजा। पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद उन्होंने बताया कि मैच से पहले वह घबराए हुए थे। उन्होंने कहा, मैं घबराया हुआ नहीं था, मैंने अपने कोचों से बात की थी, इसलिए मैं खेल से पहले तनावग्रस्त नहीं था। मुझे नहीं पता कि यह कैसे हुआ, लेकिन मैं हर गेम को अपना आखिरी गेम मानता था और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता था।

रविचंद्रन अश्विन ने रचा इतिहास

92 साल में जो कोई भारतीय नहीं कर पाया, वह इस ऑलराउंडर ने कर दिखाया

रांची, 23 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिकेट में भारत और इंग्लैंड की प्रतिद्वंदिता 92 साल से चल रही है। भारत ने इंटरनेशनल क्रिकेट में पहला मैच 1932 में खेला था। इंग्लैंड के खिलाफ ही वह मैच था। 92 साल के इतिहास में रविचंद्रन अश्विन पहले ऐसे भारतीय गेंदबाज बन गए, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 100 विकेट लिए। उन्होंने रांची में चौथे टेस्ट मैच में जॉनी बेयरस्टो को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। वह इंग्लैंड के खिलाफ 100 विकेट लेने वाले और 1000 रन बनाने वाले भी पहले भारतीय और दुनिया के चौथे क्रिकेटर बने।

अश्विन ने यह उपलब्धि तब हासिल की जब उन्होंने रांची में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन के पहले सत्र में जॉनी बेयरस्टो का बड़ा विकेट लिया। यह एक महत्वपूर्ण झटका था। बेयरस्टो और जो रूट ने 52 रनों की साझेदारी करके इंग्लैंड को शुरुआती झटके से उबार लिया था। इससे पहले डेब्यू करने वाले तेज गेंदबाज आकाश दीप ने तीन विकेट लेकर इंग्लैंड के शीर्ष क्रम की कमर तोड़कर रख दी।

गैरी सोबर्स के क्लब में एंट्री

अश्विन राउंड द विकेट गेंदबाजी करने आए और स्वीप चूकने के बाद गेंद जॉनी बेयरस्टो के पैड पर लगी। ऑन-फील्ड अंपायर कुमार धर्मसेना ने इसे नॉट आउट दिया, लेकिन रोहित शर्मा की रिव्यू लिया और भारत को बड़ी सफलता मिली। उन्होंने बेयरस्टो को 38 रन पर वापस भेज दिया। इसके साथ ही अश्विन ने वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर गैरी सोबर्स के क्लब में एंट्री कर ली। गैरी सोबर्स ने इंग्लैंड के खिलाफ 102 विकेट लेने के साथ 3214 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मोंटी नोबेल के नाम 115 विकेट और 1905 रन है। ऑस्ट्रेलिया के ही जॉर्ज गिफिन ने 103 विकेट विकेट और 1238 रन बनाए हैं। रविचंद्रन अश्विन के नाम 100 विकेट और 1085 रन हो गए हैं।

मशहूर मॉडल की आत्महत्या केस में बुरे फंसे आईपीएल स्टार अभिषेक शर्मा

सूरत, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे अभिषेक शर्मा को सूरत पुलिस ने 27 वर्षीय मॉडल और फैशन डिजाइनर तानिया सिंह के आत्महत्या मामले में समन भेजा है।

तानिया सिंह 19 फरवरी को सूरत के वेसु इलाके में अपने अपार्टमेंट में मृत पाई गई थीं, जिसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। रिपोर्ट से पता चलता है कि तानिया सिंह और अभिषेक शर्मा करीबी दोस्त थे। अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में काम करती थी और 18 फरवरी को देर रात घर लौटी थी। पुलिस उसकी असामयिक मौत की घटनाओं को जोड़ने के लिए उसके सेलफोन और सोशल मीडिया गतिविधि की समीक्षा कर रही है। सूत्रों ने पुष्टि की कि प्रारंभिक जांच में अभिषेक शर्मा और मृतक के बीच संबंध का पता चला है। सिंह ने कथित तौर पर शर्मा को एक व्हाट्सएप संदेश भेजा था, जिसका उनकी मृत्यु से पहले कोई जवाब नहीं आया था। पुलिस ने अभी तक अभिषेक शर्मा से सीधा संपर्क नहीं किया है, लेकिन उन्हें औपचारिक नोटिस भेजने की अपनी योजना की घोषणा की है। सोशल मीडिया पर अच्छी खासी फॉलोअर्स वाली सिंह को उनके पिता भंवर सिंह ने मृत पाया, जो एक कपड़ा फैक्ट्री में कार्यरत थे। घटनास्थल पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, जिसके चलते पुलिस ने आत्महत्या का मामला दर्ज किया है। आगे की जांच चल रही है।

दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर बोले

पंत विकेट कीपिंग नहीं करेंगे : वह खेलेंगे और कप्तानी भी करेंगे

एक्सीडेंट के चलते 14 महीने क्रिकेट से दूर रहे

दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के को-ओनर पार्थ जिंदल ने कहा है कि ऋषभ पंत आईपीएल-2024 के शुरुआती मैचों में विकेट कीपिंग नहीं करेंगे। पंत 14 महीने से क्रिकेट से दूर हैं। साल 2022 में 31 दिसंबर को उनका कार एक्सीडेंट हो गया था। जिसके बाद से वह क्रिकेट से दूर हैं।

जिंदल ने ईएसपीएन से बातचीत करते हुए कहा है कि ऋषभ पंत आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के शुरुआती मैच से ही खेलेंगे और टीम की कप्तानी भी करेंगे। वह आईपीएल के पहले हाफ में विकेट कीपिंग नहीं करेंगे। जिंदल ने आगे कहा कि टीम के निदेशक सौरव गांगुली और चीफ कोच रिकी पोंटिंग पंत के आईपीएल में खेलने को लेकर निश्चित थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से फिटनेस मिलने के बाद पंत आईपीएल में खेलेंगे। उन्होंने कहा कि पंत बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह दौड़ रहे हैं। उन्होंने विकेट कीपिंग भी शुरू कर दी है। आईपीएल से

पहले उनके फिट होने की पूरी उम्मीद है।

2022 दिसंबर से क्रिकेट से दूर हैं पंत

पंत 2022 दिसंबर में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद से क्रिकेट से दूर हैं। पंत का 31 दिसंबर, 2022 को दिल्ली से रुड़की जाने के दौरान एक्सीडेंट हो गया था। जिसके बाद उनके दाहिने पैर के घुटने की तीन सर्जरी हुई थी। वह नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिकवरी कर रहे हैं। पंत इस हफ्ते बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट अकादमी की ओर से आयोजित अभ्यास मैच में भी खेले थे।

पंत ने विकेट कीपिंग करते हुए वीडियो पोस्ट किया

पंत ने मंगलवार को विकेट कीपिंग और एक्सरसाइज करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया। वहीं उन्होंने बुधवार को 20 ओवर के मैच में बल्लेबाजी और फील्डिंग भी किया। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उन पर नजर रखी हुई है। वह उनकी देख रेख में ही अभी रिकवर हो रहे हैं। उम्मीद है कि आईपीएल से पहले वह इस तरह के मैच में खेलेंगे। वहीं बीसीसीआई से मंजूरी मिलने के बाद वह दिल्ली कैपिटल्स की विशापट्नम में लगे कैंप में शामिल होंगे। दिल्ली कैपिटल्स घरेलू ग्राउंड पर खेले जाने वाले शुरुआती दो मैच विशाखपट्नम में खेलेगी। दरअसल वुमन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ सहित 11 मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाने हैं। जिसकी वजह से दिल्ली कैपिटल्स को अपने दो घरेलू मैचों को विशाखाट्नम में शिफ्ट करना पड़ा है।

एनरिक नॉर्टजे के आईपीएल से पहले फिट होने की उम्मीद

साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी एनरिक नॉर्टजे के आईपीएल 2024 से पहले फिट होने की उम्मीद है। को-ओनर जिंदल ने कहा कि चोट की वजह से बाहर चल रहे नॉर्टजे विशाखपट्नम कैंप में शामिल हो सकते हैं। नॉर्टजे ने पिछले साल दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैच खेले थे। उसके बाद वह निजी कारणों से घर चले गए थे। नॉर्टजे को फ्रेंचाइजी ने इस साल रिटेन किया था। नॉर्टजे यूएसए की मेजर लीग क्रिकेट के दौरान चोटिल हो गए थे।

ओलंपियन दीपिका ने मां बनने के बाद की वापसी

भारतीय तीरंदाज एशिया कप की छह स्पर्धाओं के फाइनल में

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय तीरंदाज गुरुवार को यहां एशिया कप के पहले चरण में छह टीम स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंचे जिससे उन्होंने कम से कम इतने पदक पक्के कर दिए। इसमें दुनिया की पूर्व नंबर एक महिला तीरंदाज दीपिका कुमारी भी शामिल हैं जो 20 महीने बाद वापसी कर रही हैं। तीन बार की ओलंपियन दीपिका मां बनने के बाद वापसी कर रही हैं। वह महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में सिमरनजीत कौर के बाद दूसरे स्थान पर रहीं।

एलिमिनेशन दौर में भारतीय महिला रिकर्व टीम ने मेजबान इराक को हराकर फाइनल में जगह बनाई जिसमें उनकी भिड़ंत उज्बेकिस्तान से होगी। महिला टीम में भजन कौर भी शामिल हैं। धीरज बोमादेवारा, प्रवीण जाधव और तरुणदीप राय की पुरुष रिकर्व टीम ने मेजबानों को सीधे सेट में पराजित किया और फाइनल में उनका सामना बांग्लादेश से होगा।

भारत के प्रथमेश जावकर, प्रियांश और कुशाल दलाल ने सेमीफाइनल में मेजबान इराक को 233-223 से हराकर पुरुष कंपाउंड टीम के फाइनल में प्रवेश किया जिसमें वे ईरान के सामने होंगे। अदिति स्वामी, प्रिया गुर्जर और परनीत कौर की टीम ने कम्पाउंड महिला टीम स्पर्धा में अफगानिस्तान को 234-210 से मात दी और फाइनल में टीम ईरान से भिड़ेगी।जावकर और अदिति की कंपाउंड मिश्रित टीम जोड़ी ने अंतिम चार चरण में बांग्लादेश को 157-146 से हराया और फाइनल में उनका सामना ईरान से होगा।

ब्राजीलियन फुटबॉलर डानी एल्वेस को साढ़े चार साल की सजा

रेप केस में दोषी पाए गए; नेमार ने केस लड़ने में मदद की

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। स्पेन की कोर्ट ने गुरुवार को ब्राजील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डानी एल्वेस को साढ़े चार साल की सजा सुनाई । दिसंबर 2022 में बार्सिलोना के एक नाइट क्लब में एल्वेस एक युवती से रेप के दोषी पाए गए। तीन बार के चैंपियंस लीग विजेता को पांच साल के प्रोबेशन का भी आदेश दिया गया है। प्रोबेशन का मतलब एल्वेस जेल से बाहर आने के बाद 5 साल तक सुपरविजन में रहेंगे। जेल की सजा काटने के बाद, एल्वेस को पीड़ित को मुआवजे के रूप में 150,000 यूरो ($162,000) का भुगतान करने की भी मांग की।

नेमार ने केस लड़ने में मदद की

ब्राजील के टॉप फुटबॉलर नेमार ने भी एल्वेस की केस लड़ने में मदद की। नेमार ने एल्वेस के लिए एक टॉप वकील और मोटी रकम देकर मदद की। नेमार और एल्वेस करीबी दोस्त है। दोनों साथ बार्सिलोना फुटबॉल क्लब, PSG और ब्राजील नेशनल टीम में खेले हैं। कोर्ट के मुताबिक एल्वेस ने 31 दिसंबर 2022 की रात स्पेन के बार्सिलोना के एक नाइट क्लब में एक युवती के साथ जबरदस्ती की। एल्वेस की पत्नी जोआना सान्ज ने कहा कि जब वह उस रात अपने बार्सिलोना वाले घर वापस आए तो वह बहुत नशे में थे और बिस्तर पर गिरने से पहले फर्नीचर से टकरा गए थे, लेकिन अदालत ने तर्क दिया कि शराब पीने से उसके व्यवहार पर कोई असर नहीं पड़ा। युवती के वकील ने कहा,एल्वेस और उसके दोस्त ने तीन लड़कियों के लिए शैंपेन खरीदी थी, इससे पहले कि एल्वेस उनमें से एक को नाइट क्लब के एक वीआईपी एरिया में फुसलाकर ले गए, जिसके बारे में लड़की को कोई जानकारी नहीं थी। वकील ने बताया कि इस पॉइंट पर वह हिंसक हो गया, और महिला के बार-बार छोड़ने के अनुरोध के बावजूद उसे संबंध बनाने के लिए मजबूर किया।

पीड़ित ने 12 साल की सजा की मांग की थी

याचिकाकर्ता के वकील ने एल्वेस के लिए नौ साल की जेल की सजा की मांग की थी और पीड़ित ने 12 साल की सजा का अनुरोध किया था, लेकिन अदालत साढ़े चार साल की सजा पर पहुंची, क्योंकि जेल में समय काटने के बाद एल्वेस मुआवजा देने को भी तैयार हैं। एल्वेस ने स्पैनिश क्लब एफसी बार्सिलोना के लिए 400 से ज्यादा गेम खेले है, उन्होंने क्लब के साथ छह लीग खिताब और तीन चैंपियंस लीग जीते। वह ब्राजील की 2022 वर्ल्ड कप टीम का भी हिस्सा थे।उन्होंने सेविया, जुवेंटस और पीएसजी के लिए खेलते हुए करियर में 40 से ज्यादा ट्रॉफियां जीती हैं और 126 मैचों के साथ वह ब्राजील के सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं।

मैक्सवेल टी-20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने

एरोन फिंच का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के मध्यक्रम के तूफानी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल का बल्ला नहीं चला और वह 4 गेंदों पर एक छक्के की मदद से 6 रन बनाकर आउट हो गए। इस एक छक्के की मदद से मैक्सवेल अब टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गए और अपने पूर्व साथी खिलाड़ी एरोन फिंच का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

ग्लेन मैक्सवेल ने कीवी टीम के खिलाफ एक छक्के की मदद से 6 रन बनाए और इस एक छक्के के दम पर उन्होंने इतिहास रच दिया। मैक्सवेल अब क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड एरोन फिंच के नाम पर दर्ज था, लेकिन मैक्सवेल ने उन्हें पीछे छोड़ दिया। फिंच ने 103 मैचों में 125 छक्के गाए थे, लेकिन अब मैक्सवेल ने 105 मैचों में 126 छक्के लगाकर उन्हें पीछे छोड़ दिया।

वहीं टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ओवरऑल मैक्सवेल सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंच गए जहां पहले एरोन फिंच थे। अब फिंच चौथे नंबर पर खिसक गए और मैक्सवेल तीसरे नंबर पर आ गए। टी20आई में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज रोहित शर्मा हैं जबकि दूसरे नंबर पर मार्टिन गप्टिल हैं। रोहित शर्मा ने अब तक 190 छक्के लगाए हैं जबकि गप्टिल ने 173 छक्के जड़े थे। आपको बता दें कि दूसरे टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेविड वॉर्नर को आराम दिया गया और उनकी जगह स्टीव स्मिथ ने ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत की थी।

सरिता को उम्मीद-साइकिलिंग में स्वर्ण से शायद बदले मजदूर परिवार की किस्मत

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। माता-पिता का जिक्र छिड़ते ही सरिता की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। झारखंड के जिले लोहरदगा की रहने वाली साइकिलिस्ट सरिता को उम्मीद जग पड़ी है कि एशियाई चैंपिनशिप में जीता गया स्वर्ण शायद उनके माता-पिता की किस्मत को बदल दे। बुधवार को टीम स्प्रिंट का स्वर्ण जीतने वाली सरिता के माता-पिता मजदूर हैं। दोनों घरों में काम कर परिवार को पाल रहे हैं। पांच बहनों में सबसे छोटी सरिता के दो भाई भी हैं। इतना बड़ा परिवार होने के कारण माता-पिता के लिए दो वक्त की रोटी भी जुटाना मुश्किल है। सरिता कहती हैं कि वह अपने माता-पिता को अच्छी जिंदगी देना चाहती हैं और इसके लिए वह साइकिलिंग में और अच्छा करने की कोशिश करेंगी।

एथलेटिक्स में थी राज्य चैंपियन

तीन वर्ष पहले तक सरिता ने साइकिलिंग के बारे में सुना भी नहीं था कि यह कोई खेल भी होता है। वह तो एथलेटिक्स की 400 मीटर इवेंट में राज्य चैंपियन बन चुकी थीं और इसी खेल में ऊंची उड़ान का सपना बुन रही थीं, लेकिन 2021 में कोच दीपक हेंबराम ने उन्हें खेलो इंडिया के ट्रायल देने के लिए कहा। ये ट्रायल एथलेटिक्स के लिए नहीं बल्कि साइकिलिंग थे। हालांकि उन्हें ट्रायल में साइकिल नहीं चलानी थी बल्कि 800 मीटर की दौड़ लगानी थी। जिला और राज्य स्तरीय ट्रायल जीतने के बाद सरिता का दिल्ली के फाइनल ट्रायल के लिए चयन हुआ और यहां उन्होंने पहली बार खेलों में प्रयोग होने वाली साइकिल देखी।

दो साल में बन गई सर्वश्रेष्ठ रायडर

जुलाई, 2021 में सरिता ने साइकिलिंग की तैयारी शुरू की। 2022 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने रजत पदक जीता और 2023 में सरिता गुवाहाटी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण जीतकर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गईं। अब उन्होंने निया, जेना, सबीना के साथ मिलकर टीम स्प्रिंट का एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता। सरिता कहती हैं कि उन्हें यही चिंता रहती है कि घर कैसे चल रहा होगा, वह माता-पिता की कोई मदद भी नहीं कर पाती हैं। वहीं भारतीय टीम के चीफ कोच जोगिंदर का मानना है कि सरिता काफी प्रतिभाशाली हैं और वह आने वाले सालों में इस खेल का बड़ा नाम बन सकती हैं।

बासर ट्रिपल आईटी में छात्रा ने की आत्महत्या

निर्मल, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बासर ट्रिपल आईटी में पियुसी फर्स्ट ईयर पढाई कर छात्रा तेनुगु सिरिशा (18) ने गुरुवार देश शाम को फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। कमरे में उसका सुसाइड नोट मिला है जो सभी को भावूक बना रहा है। संगारेड्डी जिले के मनुरू मंडल दाव्वूर की शिरिषा बासर ट्रिपल आईटी में पढाई कर रही थी। शिरिषा के पत्र में कहा गया है कि उसके प्रेमी की मौत का दुख वह बर्दाश्त नही कर पा रही है इस लिए वह आत्महत्या कर रही है।

सुसाईड नोट से कई बातों का खुलासा हुआ है। नोट में कहा गया है कि, प्रेमी(बावा) आकाश जिससे वह बेहद प्यार करती थी, उसने हाल ही में आत्महत्या कर ली। शिरिषस ने लिया की, मैं जानती हूं तुम्हे दुख होगा, लेकिन बावा के बिना जिंदगी मेरे लिए सूनी है। इसलिए मैं उनके पास जा रही हूं। आकाश के मरने के बाद मैने उन्हें आखरी बार नहीं देखा इसलिए आकाश को जहां जलाया गया था वहीं मुझे जला दो, यही मेरी आखरी इच्छा है। प्लीज पापा, हम जीवित रहते हुए वैसे भी एक साथ नहीं रह सके, कम से कम जब हम मरेंगे तो हम साथ रहेंगे। मैं किसी के डर से नहीं मर रही हूं। मुझे आकाश का प्यार चाहिए । मैं बावा के बिना नहीं रह सकती। मैं आपसे प्यार करती हूं मां...। पापा, भाई का अच्छे से खयाल रखना, मां अपना खयाल रखना।

बेटी द्वारा लिखा गया ये पत्र देखकर मां-बाप के साथ उपस्थित सभी की आखें नम हो गई।

राज्यपाल मेडारम जातरा पर तीसरी बार पहुंची

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन शुक्रवार को मेडारम जातरा की अपनी तीसरी यात्रा पर निकलीं और आदिवासी परंपरा और आध्यात्मिकता की जीवंत संस्कृति में डूब गईं। द्विवार्षिक मेडारम जातरा देश का सबसे बड़ा आदिवासी मेला है, जो दूर-दूर से भक्तों और प्रतिभागियों को आकर्षित करता है। श्रद्धा के प्रदर्शन में, राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई ने क्षेत्र की प्रतिष्ठित देवताओं, सम्मक्का सरलम्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की, सम्मान के प्रतीक के रूप में प्रार्थनाएं और पारंपरिक साड़ियाँ भेंट कीं। अवसर की नजाकत को समझते हुए, उन्होंने पवित्र अनुष्ठानों में भाग लिया, जो प्राचीन रीति-रिवाजों और समकालीन श्रद्धा के बीच सामंजस्य का प्रतीक है। एकत्रित मीडिया से बात करते हुए, राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई ने राष्ट्र और राज्य दोनों की समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने स्वदेशी संस्कृति और विरासत के अद्वितीय प्रमाण के रूप में मेडारम जातरा की सराहना करते हुए आदिवासी समुदायों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। स्वदेशी परंपराओं की सुरक्षा की अनिवार्यता पर जोर देते हुए, राज्यपाल ने आदिवासी समाजों की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने समग्र विकास के उद्देश्य से की गई पहलों की रूपरेखा तैयार की, जिसमें छह आदिवासी गांवों को गोद लेना और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के पोषण संबंधी कल्याण को बढ़ाने के प्रयास शामिल हैं।

राज्यपाल की उपस्थिति से स्थानीय लोगों और भक्तों में उत्साह और सराहना देखी गई, जो स्वदेशी विरासत के प्रति एकता और श्रद्धा को बढ़ावा देने में उनकी यात्रा के महत्व को रेखांकित करती है।

आईएएस अधिकारी के निधन पर सीएम ने शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज (शुक्रवार) सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी जन्नत हुसैन के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार में विभिन्न पदों पर जन्नत हुसैन द्वारा प्रदान की गई सेवाओं को याद किया।

हुसैन ने संयुक्त एपी में कई जिलों के लिए कलेक्टर के रूप में कार्य किया है। मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के शासनकाल के दौरान, दिवंगत नौकरशाह को सीएम के प्रधान सचिव के रूप में पदोन्नत किया गया और विशेष मुख्य सचिव के रूप में सेवानिवृत्त किया गया। उसके बाद, हुसैन को सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के मुख्य आयुक्त के रूप में नामित किया गया था। सीएम के प्रधान सचिव के रूप में, आईएएस अधिकारी ने 2004 में वाईएसआर के सीएम कार्यालय संभालने के तुरंत बाद कृषि योजना के लिए मुफ्त बिजली आपूर्ति के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीएम रेवंत रेड्डी ने जन्नत हुसैन के निधन पर दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

सीएम ने श्री सम्मक्का सरलाम्मा देवी की विशेष पूजा की

हैदराबाद , 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेडारम महाजतरा श्री सम्मक्का सरलम्मा उत्सव के अवसर पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने देवी को नीलुवेट्टू सोना (गुड़), पीला केसर, काच चढ़ाया और विशेष पूजा की। मुख्यमंत्री के साथ-साथ राज्य पंचायत राज, ग्रामीण विकास मंत्री दानसारी अनसूया (सीताक्का), पर्यटन, राजस्व मंत्री कोंडा सुरेखा, सूचना नागरिक संबंध, राजस्व, आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, आईटी, उद्योग मंत्री डुडिला श्रीधर बाबू, सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सरकारी सचेतक मुरली नाइक, पलाकुर्ती विधायक यशस्विनी रेड्डी, जतारा के विशेष अधिकारी सारथ, आरवी कर्णन, जिला कलेक्टर इला त्रिपाठी, आईटीडीए पीओ अंकित, एसपी शबरीश आदि उपस्थित रहे।

सांसद के साथ आयुक्त ने बरसाती नाले का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर ने अधिकारियों को याकूत पुरा मौलिक चिल्ला गंगा नगर से भवानी नगर तक नहर का काम तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया है। गुरुवार सुबह कमिश्नर ने हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, याकूत पुरा और चारमीनार के विधायकों के साथ गंगानगर बरसाती नाले का निरीक्षण किया। इस मौके पर आयुक्त ने कहा कि एजेंसी के लोगों ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को सामग्री बढ़ाने और बरसात के मौसम में लोगों को परेशानी नहीं हो, इसके लिए युद्ध स्तर पर नहर का काम पूरा करने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया है। इससे पहले कमिश्नर ने मुगलपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। जोनल कमिश्नर को खेल परिसर में जीएचएमसी के विभिन्न विभागों के कार्यालयों को स्थानांतरित करने के लिए उपयुक्त भवनों की पहचान करने का निर्देश दिया गया है। वहां से उन्होंने चारमीनार सरदार महल के नवीनीकरण कार्यों और चारमीनार में मल्टी-लेवल पार्किंग कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्देश दिये कि सरदार महल का जीर्णोद्धार कार्य तेजी से निर्धारित समयावधि से पहले पूरा किया जाये। अपर आयुक्त खेल ने मुगलपुरा खेल परिसर में स्विमिंग पूल की मरम्मत कराने के निर्देश दिए हैं। चारमीनार आयुक्त, याकतपुर विधायक मीर जुल्फेकार अली, जफर हुसैन मिराज, एमएलसी मिर्जा रहमत बेग, नगरसेवक सोहेल कादरी, सीसीपी राजेंद्र प्रसाद नाइक, स्वच्छता, खेल अतिरिक्त आयुक्त उपेन्द्र रेड्डी, यादगिरी राव, जोनल कमिश्नर वेंकन्ना, एस.ई. दत्तू पंथु, कुली कुतुब शाह ईई वेंकटेश एवं अन्य ने भाग लिया। जीएचएमसी के आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने अधिकारियों को याकुतपुरा, मौलिका चिल्ला गंगानगर से भवानी नगर तक किए गए तूफान जल निकासी कार्यों और सरदार महल भवन, चारमीनार के जीर्णोद्धार कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। आयुक्त ने सांसद असदुद्दीन ओवैसी के साथ गंगा नगर से भवानी नगर तक एसडब्ल्यूडी नाला कार्यों का निरीक्षण किया और आयुक्त ने अधिकारियों को बरसात के दौरान शहर में बाढ़ से बचने के लिए मानसून से पहले काम पूरा करने का निर्देश दिया।

मोगलपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में निरीक्षण के दौरान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भवन में जीएचएमसी के विभिन्न विभागों को देखकर। आयुक्त ने अधिकारियों को खेल परिसर से कार्यालयों को स्थानांतरित करने के लिए उपयुक्त भवनों की पहचान करने और स्विमिंग पूल की मरम्मत कार्य करने का भी निर्देश दिया। बाद में आयुक्त ने सरदार महल चारमीनार के नवीनीकरण कार्यों और चारमीनार में मल्टीलेवल पार्किंग कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया और कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। विधायक मीर जुल्फेकार अली, जफर हुसैन मिराज, एमएलसी मिर्जा रहमत बेग, नगरसेवक सोहेल कादरी, सीसीपी राजेंद्र प्रसाद नाइक, स्वच्छता, खेल अतिरिक्त आयुक्त उपेन्द्र रेड्डी, यादगिरी राव, क्षेत्रीय आयुक्त वेकन्ना, एस. ईएस दत्तू पंथु, कुली कुतुबशाह ईई वेंकटेश और वरिष्ठ अधिकारियों ने यात्रा में भाग लिया।

स्वर्णगिरी श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा छह मार्च को

हैदराबाद, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्रि भुवनगिरी जिले स्थित यादाद्रि तिरुमला देवस्थानम् के स्वर्णगिरी श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, मानेपल्ली हिल्स परिसर में श्री पद्मावती, श्री गोदादेवी सहित श्री वेंकटेश्वर स्वामी के नये मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन आगामी माह 6 मार्च को किया जा रहा है। श्री श्री श्री त्रिदंडी चिन्ना श्रीमन्नारायण रामानुज जीयर स्वामी के हाथों एवं मार्गदर्शन में तत्संबंधित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन होगा।

इस संदर्भ में, मानेपल्ली रामाराव, मानेपल्ली मुरली कृष्णा, मानेपल्ली गोपीकृष्णा, स्टैच्यू आफ इक्वालिटी के चीफ आर्किटेक्ट डी.एन.वी. प्रसाद ने यादाद्रि तिरुमला देवस्थानम्, मानेपल्ली हिल्स में श्री पद्मावती, श्री गोदादेवी सहित श्री वेंकटेश्वर स्वामी के नये मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं महाकुंभाभिषेक महोत्सव के आयोजन की घोषणा की। इस मंदिर का महाकुंभ अभिषेक महोत्सव 1 मार्च से 6 मार्च तक आयोजित होगा। जिसमें 6 मार्च को प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस अवसर पर कैलेण्डर का विमोचन भी किया गया।

इस महोत्सव के अंतर्गत 1 मार्च से 6 मार्च तक आयोजित हो रहे कार्यक्रमों में विश्वकेसन आराधना, बालकुंभ स्थापना, श्री विष्णुसहस्रनाम स्तोत्र, अग्नि प्रतिष्ठा, गोपूजा, योगशाला प्रवेशम, वेद विन्नपमुलु, मूलमंत्र, नित्य पूर्णाहुति, तत्वन्यासु होमम, चतुष्ठार्चना, प्रायश्चित हवनमु एवं महापूर्णाहुति आदि शामिल हैं।

इस मामले में चीफ आर्किटेक्ट डी.एन.वी. प्रसाद ने आगे बताया कि, नये मंदिर का निर्माण मानेपल्ली गोपीकृष्णा के नेतृत्व में किया गया है। मानेपल्ली गोपीकृष्णा ने यह भी बताया कि, मानेपल्ली परिवार की करीब 22 एकड की निजी भूमि पर स्वर्णगिरि नामक पहाडी पर तेन्नाचार्य की परंपरा का पालन करते हुए श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को यादाद्रि तिरुमला देवस्थानम् का नाम दिया गया है। इस नये मंदिर में पल्लव, विजयनगरम, चोल एवं चालुक्य मूर्तियों सहित प्राचीरों के चहुं ओर 4 गोपुरम, विशाल मंडप व गर्भगृह में पांच मंजिला विमानगोपुरम, भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी की बारह फीट ऊंची मूर्ति शामिल हैं। इसके साथ ही देवी-देवताओं में श्री पद्मावती देवी, श्री गोदादेवी, श्री मदन गोपालकृष्ण स्वामी, श्री गरुडलवार, श्री रामानुजाचार्य देवालयों का निर्माण किया गया है। जिसमें 40 फीट ऊंचा रथ, करीब 27 फीट की अखण्ड आंजनेय स्वामी, श्री लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी, श्री भूवराहस्वामी, बकुलमाता, हम्पी की मूर्तियां जो एक विशाल पुष्करिणी के साथ निर्मित हैं, जिसमें वैदिक मूर्तियों के प्रतीक 4 वेदों की मूर्तियां हैं। इसके केन्द्र में पद्मजलनारायण मूर्ति स्थापित है। इसके एक विशेष आकर्षण के रूप में भक्तों की प्रार्थना के लिए विजयघण्टा मंडपम में लगभग डेढ टन वजन का घण्टा लगाया गया है।

झूठे दावें करने पर ईजी-गो पेन ऑयल जब्त

हैदराबाद, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। टीएस ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (टीएसडीसीए) ने शुक्रवार को बताया की भ्रामक विज्ञापन देने के लिए उन्होंने ईजी-गो पेन ऑयल, एक आयुर्वेदिक दवा को जब्त कर लिया है। जिसे भ्रामक विज्ञापन देने के लिए अलायर, यदाद्रि-भुवनगिरी के स्थानीय बाजार में कई खुदरा इकाइयों द्वारा बेचा जा रहा था। यह तेल गठिया का इलाज करता है ऐसा दावा निर्माता कंपनी ने किया था जो ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज़ (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 का उल्लंघन है।

ईज़ी-गो पेन ऑयल का निर्माण रुहानी हर्बल्स, मोहाली, पंजाब द्वारा किया गया। इसका विपणन स्विसचेम हेल्थ केयर, मुंबई द्वारा किया जा रहा है। उत्पाद के लेबल पर भ्रामक दावा किया गया है कि यह गठिया के सूजन अपक्षयी रूपों में उपयोगी है।

एक अलग छापे में, डीसीए ने निज़ामाबाद में अत्यधिक कीमत वाली माइग्रेन-विरोधी दवा फ्रेज़िन-10 टैबलेट'(फ्लुनारिज़िन टैबलेट 10 मिलीग्राम) भी जब्त की, जिसमें दवा मूल्य निर्धारण नियामक द्वारा उत्पाद के लिए तय की गई अधिकतम कीमत की तुलना में एमआरपी बहुत अधिक थी। सिद्धि विनायक इंडस्ट्रीज, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश द्वारा निर्मित और नारबैक्स हेल्थकेयर, आरसी पुरम, भेल, हैदराबाद द्वारा विपणन किए गए उत्पाद फ्रीज़िन-10 टैबलेट की एमआरपी लिए 99 रु. रुपये थी। हालाँकि, उत्पाद के लिए दवा मूल्य निर्धारण नियामक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित अधिकतम कीमत 4.82 रु. एक टैबलेट के लिए है। डीसीए द्वारा 11,880 रुपये मूल्य के जब्त स्टॉक का निरीक्षण किया गया।

एक अन्य छापे में, टीएसडीसीए ने एक बिना लाइसेंस वाले चिकित्सक (नीम-हकीम) बकथी प्रदीप के क्लिनिक 'श्री साई क्लिनिक' पर छापा मारा और रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद के चिन्ना गोलापल्ली गांव में बिक्री के लिए रखी गई दवाओं को जब्त कर लिया। वह व्यक्ति यह दावा करके चिकित्सा का अभ्यास कर रहा था कि वह एक ग्रामीण चिकित्सा व्यवसायी है। छापे के दौरान, डीसीए अधिकारियों ने पाया कि परिसर में बिना किसी दवा लाइसेंस के 20,000 रुपये मूल्य की 20 प्रकार की दवाएं रखी हुई थीं। दवाओं में एंटीबायोटिक्स, एनाल्जेसिक, कफ सिरप, एंटी-अल्सर दवाएं, एंटीहाइपरटेन्सिव शामिल थे।

कांग्रेस ने किसानों का ऋण माफ किया तो राजनीति से संन्यास ले लूंगा : इटेला राजेंद्र

आसिफाबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा तेलंगाना में फिर एक बार मोदी सरकार के संकल्प के साथ विजय संकल्प यात्रा प्रारम्भ हुई। जिसमें भाजपा नेता ईटेला राजेंद्र ने कहा कि कांग्रेस सरकार वादे निभाने में असमर्थ है। तेलंगाना में कांग्रेस ने एक भी वादा पूरा नही किया, अगर वे किसानों का दो लाख तक का कर्जा माफ किया तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा।

आसिफाबाद में आंबेडकर चौक के पास जनता को संबोधित किया गया। जनसभा को संबोधित करते हुए इटेला राजेंद्र ने कहा कि, बीआरएस सरकार ने तेलंगाना को कर्जे में डुबा दिया और वर्तमान कांग्रेस की सरकार भी वही कर रही है। सरकार के पास नौकरी देने के पैसे नहीं है और सत्ता की लालच में उन्होंने लोगों से वादे किए थे जो अभी तक नहीं निभाए है। तेलंगाना में कांग्रेस ने लोगों को गुमराह करके सरकार बनाई है।

उन्होंने कहा की, आसिफाबाद में किसानों के सिंचाई के लिए बनाए गए प्रोजेक्ट का पानी अभी तक किसानों को नहीं मिल रहा है। तेलंगाना सरकार ने चुनाव के समय में जनता को 500 रुपए में सिलेंडर, करंट बिल माफ, विकलांगों को 6000 पेंशन, कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत 100000 और एक तोला सोना देने का वादा किया था। यह वादा कब निभा रहे हैं यह सवाल कांग्रेस सरकार से पूछा।

विश्वकर्मा योजना के लिए आवेदन करें : कलेक्टर पटनायक

हनुमाकोंडा, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। हनुमाकोंडा जिला कलेक्टर सिकता पटनायक ने पात्र लोगों से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लिए आवेदन करने को कहा। शुक्रवार को हनुमाकोंडा जिला समाहरणालय के कलेक्टर चैंबर में जिला कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ पीएम विश्वकर्मा योजना योजना पर बैठक की। इस बैठक में जिलाधिकारी सिक्ता पटनायक ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना योजना में कौशल सत्यापन के बाद 5-7 दिनों के लिए बुनियादी प्रशिक्षण होगा, इसी प्रकार, वे 15 दिनों के लिए उन्नत प्रशिक्षण के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण के बाद प्रोत्साहन स्वरूप 15 हजार रुपये के उपकरण दिये जायेंगे।

उन्होंने कहा कि बैंक पहली किस्त के रूप में एक लाख रुपये और दूसरी किस्त के रूप में दो लाख रुपये का ऋण उपलब्ध करायेगा। यह योजना 18 हस्तशिल्प श्रमिकों के लिए है जो स्वरोजगार के रूप में हाथ के औजारों का उपयोग करते हैं, जैसे बढ़ई, लोहार, कुम्हार, सुनार, कुम्हार, मेदारी, उप्परी, बांस की टोकरी बुनकर, खिलौना बनाने वाला, राजाकू, नाइ ब्राह्मण, दर्जी, मछली जाल बनाने वाला, फूल बुनकर आदि ने कहा कि इससे बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इस अवसर का उपयोग आर्थिक विकास हासिल करने के लिए किया जाएगा। योग्य कारीगरों और हस्तशिल्पियों को सलाह दी जाती है कि वे नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर आवेदन करें। इसमें अपर समाहर्ता महेंद्र, जिला उद्योग महाप्रबंधक एम हरि प्रसाद, कृषि विभाग के जेडी रविंदर सिंह, डीसीओ नागेश्वर राव, बीसी कल्याण डीडी राम रेड्डी, अग्रणी जिला प्रबंधक श्रीनिवास, मेपमा पीडी बदरू नाइक, सीएससी जिला प्रबंधक पवन और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

सम्मक्का सरलम्मा के आशीर्वाद से राज्य समृद्ध हो : पोन्नम प्रभाकर

हनुमाकोंडा, 23 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने गुरुवार को हनुमाकोंडा जिले के एल्कातुर्थी मंडल के दमेरा, भीमादेवरपल्ली मंडल के मुलुकनूर, कोटाकोंडा के सम्मक्का और सरलम्मा का दौरा किया। सम्मक्का और सरलम्मा का दौरा करने वाले मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने विशेष पूजा की। इस अवसर पर राज्य के परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सम्मक्का और सरलम्मा के आशीर्वाद से राज्य और लोग समृद्ध हों। बता दें कि राज्य के लोगों पर अम्मावरों की दया की कामना के लिए पूजा की जाती थी।

उन्होंने कहा कि राज्य में लोकतांत्रिक ढंग से शासन चलेगा। सरकार लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है। अम्मावर में आने वाले समय में भरपूर बारिश होने और किसानों के खुशहाल होने की कामना की है। इस मौके पर वारंगल सेंट्रल जोन के डीसीपी एमए वासी, हनुमाकोंडा आरडीओ एल रमेश, एल्कातुर्थी, भीमादेवरपल्ली के तहसीलदार जगत सिंह, प्रवीण कुमार, एल्कातुर्थी सीआई प्रवीण कुमार, भीमादेवरपल्ली एसएस साईबाबा और अधिकारियों ने भाग लिया।

चिलकला गुट्टा से निकली सम्मक्का मां का हवाई फायरिंग कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

स्वयं सहायता समितियों के विकास हेतु ऋण अनुदान : तिवारी

आसिफाबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर दीपक तिवारी ने कहा कि वे जिले में स्वयं सहायता समितियों के विकास के लिए ऋण देकर महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता के लिए काम कर रहे हैं। जिला ग्रामीण विकास अधिकारी सुरेंद्र, एपीडी चरण दास ने अग्रणी जिला प्रबंधक हनुमंत राव के साथ जिले में स्वयं सहायता समितियों की वित्तीय स्थिति और प्रगति पर चर्चा की। पीएमसीसी के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर बोलते हुए जिला अपर समाहर्ता ने अधिकारियों को जिले में स्वयं सहायता समितियों को ऋण देकर विकास के लिए कार्य करने का निर्देश दिया। प्रत्येक स्वयं सहायता समिति के विकास की समीक्षा की जाए तथा संबंधित समिति की महिलाओं की समस्याओं की आमने-सामने चर्चा की जाए।

उन्होंने समन्वित तरीके से काम करने, श्री निधि की ऋण वसूली प्रक्रिया को इस वित्तीय वर्ष के अंत तक पूरा करने, स्वयं सहायता समितियों के सदस्यों के साथ नियमित बैठक करने, ऋण वसूली और बैंक लिंकेज में पिछड़े क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। इस कार्यक्रम में जिले के सभी मंडलों के डीपीएम रामकृष्ण, अन्नाजी, यशोद, यादगिरी, एपीएम और सीएसआई ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.